

IAEA NEWSLETTER

22 No.1

Re. 1 per copy

January 2013



Indian Adult Education Association

Prof. B.S. Garg Nominated as Chancellor of University for the Fourth Time



Professor Bhavani Shankar Garg, President, Indian Adult Education Association has been nominated as

Chancellor of Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth University, Udaipur for the fourth time. He will hold office for five years from February 1, 2013 to January 1, 2018.

Prof. Garg became the Chancellor of this university for the first time in 1997 and subsequently he was nominated as Chancellor in 2002 and 2007.

Indian Adult Education Association wishes Professor Garg for long and healthy life to continue his services for the society in general and to the field of education in particular.

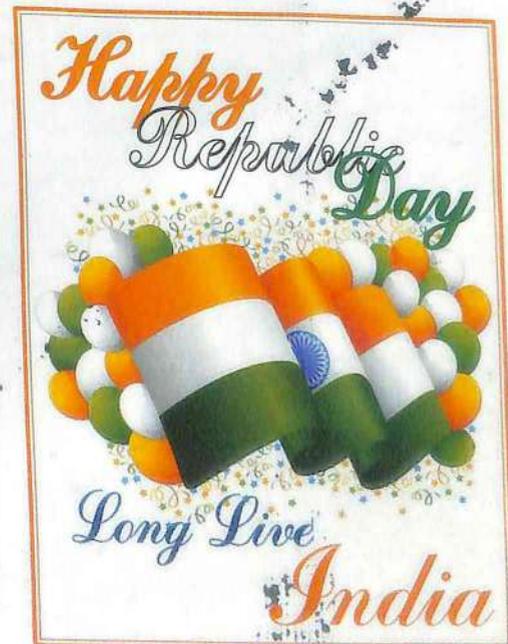
General Secretary, IAEA Blessed IAEA Staff on New Year



Shri B. Sanjay, Programme Officer thanked the General Secretary on behalf of the staff and said that every day gives new learning which one can convert for the personal benefit and for the benefit of the community.

Shri K.C. Choudhary, General Secretary, Indian Adult Education Association had a meeting with all the members of the staff on January 2, 2013 and blessed them for their well being in the

New Year. He said that New Year always gives hope for betterment and hence, the staff should revitalize themselves to meet the challenges both in family and in their professional career.



Stree Shakti –Suvidha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre is expected to conduct a series of activities for the community in which it is working throughout the month. Some of the activities recently conducted were:

वाटर एंड सेनीटेशन कार्यक्रम

जेंडर रिसोर्स सेंटर (भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ) ने कीर्ति नगर चूना भट्टी में महिलाओं के लिए



में दिनांक 27 दिसम्बर 2012 को वाटर एंड सेनीटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस स्लम बस्ती में सफाई की बहुत बड़ी समस्या है जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे रहते हैं तथा कूड़ा उठाने का कोई प्रयास सरकारी स्तर पर नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। अतः यहाँ के निवासियों में सफाई के प्रति जागरूकता के लिए जेंडर रिसोर्स सेंटर द्वारा 'वाटर एंड सेनीटेशन कार्यक्रम' के अंतर्गत जीआरसी के कॉर्डिनेटर श्री तौशीफ अहमद एवं कार्यक्रम अधिकारी सुश्री कोमल द्वारा व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर लगभग 65 महिलाएँ उपस्थित थीं। वक्ताओं ने अपनी गली की साफ-सफाई पर समूह बना कर ध्यान देने की बात कही तथा बच्चों में हाथ धोकर भोजन करने तथा पीने के पानी का स्वच्छ रखने पर जोर दिया। यह भी सुझाव दिया गया कि पानी के पाइप यदि लीक कर रहे हैं तो उसे भी परस्पर सहयोग से ठीक कराना जरूरी है। अपने

स्वास्थ्य की रक्षा हेतु खुद ही पहल करनी होगी।

इसी संदर्भ में दूसरा कैम्प कमला नेहरू कैम्प (सामाजिक सवेरा) कीर्ति नगर में जनवरी 15, 2013 को आयोजित किया गया। इसमें 34 महिलाओं तथा 10 बच्चों ने प्रतिभाग किया। सफाई का महत्व और सफाई रखना क्यों जरूरी है इसके बारे में प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री तौशीफ अहमद ने विस्तार से बताया।

Visit of Chief Functionary to GRC

Shri K.C. Choudhary, Chief Functionary of GRC visited the centre on January 2, 2013 and had discussion with the staff members



regarding the work done in the field and plan of activities to be undertaken in the days to come. He advised the staff to concentrate more on important activities of the centre and complete the same well in time so that it is reported to all the competent authorities.

March for Women's Safety and Common Prayer

In order to create an awareness among women and girls about the unfortunate incident of sexual assault and physical torture meted out to a young girl in Delhi in the month of December 2012 and to give justice to those affected by enacting severe laws against people

who are involved in such incidents, a march for Women Safety followed by common prayer was organized by Delhi Women's Commission on January 2, 2013 in which a large number of women and girls



participated which included the beneficiaries and staff of Stree Shakti Suvidha Kendras, NGOs and others. The March started from Bal Bhavan and ended at Rajghat, the Samadhi of Mahatma Gandhi. The participants were addressed by Smt. Sheila Dixit, Chief Minister of Delhi, Prof. Kiran Walia, Minister of Women and Child Welfare, Govt. of Delhi and Smt. Barkha Singh, Chairperson, Delhi Commission for Women.

In this March staff and participants from GRC, Kirti Nagar also participated.

खाद्य एवं पोषाहार जानकारी शिविर

जेंडर रिसोर्स सेंटर, कीर्ति नगर द्वारा कुपोषण में उचित आहार पर एक शिविर कमला नेहरू कैम्प के शिव मन्दिर में दिनांक 7 जनवरी 2013 को आयोजित किया गया जिसमें 39 महिलाओं तथा 28 बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर में विशेषकर महिलाओं तथा बच्चों में कुपोषण के कारणों पर चर्चा की गई तथा ऐसी अवस्था में क्या खाएं और कैसे बनाएं, की जानकारी आहार विज्ञ श्रीमती सुनिता पवार द्वारा दी गई। उन्होंने सामकिया के चावल की खीर तथा पांच हरी सब्जियों से बने पकौड़े भी उपस्थित समूह को बनाकर दिखाए। पकौड़े बनाने में उन्होंने नींबू का प्रयोग किया और बताया कि नींबू के प्रयोग से एक तो कम तेल लगता है दूसरा कभी



भी लौह युक्त आहार लेते समय अगर नींबू, आंवला या टमाटर का प्रयोग करें तो आहार आसानी से पच

जाता है और गैस भी नहीं बनती ।

मौजूद महिलाओं ने अपनी समस्याओं से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जैसे पेट में सूजन होने पर क्या खाएं और क्या न खाएं? सफेद पानी आने की प्रकृति में क्या करना चाहिए? बच्चा अगर हरी सब्जियां न खाता हो तो क्या करें ? आदि प्रश्नों के उत्तर में सुनिता जी ने बताया कि महिलाओं में सूजन सूजन बच्चेदानी पर होती है ऐसे में टंडी व टंडी चीजों से परहेज करना चाहिए। सूजन का कारण एनीमिया हो सकता है इसलिए खान-पान में आदतों में बदलाव लाएं और खाने में लौह युक्त आहार की मात्रा बढ़ाएं। सफेद पानी आने का मुख्य

कारण पानी है, साफ स्वच्छ पानी ही पीने के लिए इस्तेमाल करें और अधिक अधिक पानी



पीये। मखाने को अच्छी तरह से सेंक कर उसे पानी से धोकर बांध कर लें तथा रोज सवेरे खाली पेट 1-2-3 सात दाने चबाएं, सफेद पानी की समस्या से निवारण का कारा मिल जाएगा। जहां तक बच्चों के खान-पान का सवाल है उन्हें उस तरीके से खाना पलाएं जिससे वे खाने में आनन्द का अनुभव करें। अगर पालक की सब्जी बच्चों को पसन्द नहीं तो सब्जी को पीस कर आटे में गूथ कर पराठें बनाएं और फिर बेसन के साथ मिला कर पकौड़े तैयार करें और बच्चों को सही पोषण भी आसानी से मिलेगा और उनका सही विकास हो।

कैम्प के दौरान जीआरसी, कीर्ति नगर के मुख्य कार्यकर्ता श्री के.सी. चौधरी भी उपस्थित रहे।

ओ पी डी का आयोजन

कीर्ति नगर, जी आर सी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के तहत दूसरी ओ पी डी का आयोजन 8 जनवरी 2013



को प्रातः 11:30 से मध्याह्न 2:30 बजे तक कमला नेहरू कैम्प स्थिति हनुमान मन्दिर में किया गया। जी आर सी द्वारा की जाने वाली नियमित गतिविधियों में स्वास्थ्य शिविर हर माह में दो बार आयोजित की जाने वाली गतिविधि है। इसके अन्तर्गत कुल 72 रोगियों जिसमें 38 महिलाएं तथा 34 बच्चों ने अपनी जांच करवाई तथा दवाएं प्राप्त कर इस सुविधा का लाभ उठाया। डा. नीलू श्रीवास्तव, जी आर सी स्टाफ के अलावा जी आर सी के चीफ फंक्शनरी भी इस दौरान स्वास्थ्य शिविर में मौजूद थे।

कानूनी जागरूकता सत्र

जेण्डर रिसोर्स सेन्टर, कीर्ति नगर में कानूनी जागरूकता सत्र जनवरी 10 और 16, 2013 को आयोजित किए गये। जिसमें से इस माह का पहला सत्र 10 जनवरी को कमला नेहरू कैम्प में किया गया। इसमें 34 महिलाओं समेत 10 पुरुषों ने हिस्सा लिया। अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा द्वारा जो कि तीस हजारी कोर्ट में अधिवक्ता हैं ने बुनियादी अधिकार तथा सूचना के अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम भारत की संसद द्वारा पारित एक कानून है जो 12 अक्टूबर 2005 को लागू हुआ। भारत में भ्रष्टाचार को रोकने तथा उसे समाप्त करने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है। इस कानून के तहत भारत के सभी नागरिकों को सरकारी रेकार्डों और प्रपत्रों में दर्ज सूचना को देखने और उसकी प्रतिलिपि प्राप्त करने का अधिकार है। सूचना का अधिकार भारत के सभी नागरिकों को शक्तियां प्रदान करता है। जिनमें सरकार से कुछ भी पूछें या कुछ भी सूचना मांगने का अधिकार, किसी भी सरकारी निर्णय की प्रतिलिपि पाने का अधिकार, सरकारी दस्तावेजों के निरीक्षण, सरकारी कार्य का निरीक्षण तथा सरकारी पदार्थ के नमूने लेने का अधिकार सम्मिलित हैं।

कैम्प में उपस्थित लोगों ने अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा से इस सम्बन्ध में अनेकों प्रश्न किये जैसे अर्जी कैसे दें, किसे दें, कहां दे, जवाब कब तक आएगा आदि। इसके अलावा लोगों ने आधार कार्ड से संबंधित भी अनेक प्रश्न पूछे। इस कैम्प के दौरान जी आर सी



के चीफ फंक्शनरी श्री के.सी. चौधरी भी उपस्थित थे। दूसरा कानूनी जानकारी शिविर चूना भट्टी में 16 जनवरी को आयोजित किया गया जिसमें अधिवक्ता सुश्री वन्दना भाटिया ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। इस कैम्प में 24 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कैम्प की समय सीमा 2:30 से 5:00 बजे तक रखी गई। इस शिविर में वन्दना जी ने विस्तार से घरेलू हिंसा के अन्तर्गत आने वाली हिंसाओं के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि घरेलू हिंसा में न केवल शारीरिक हिंसा बल्कि मौखिक, भावनात्मक, आर्थिक तथा यौन हिंसा भी सम्मिलित है। घरेलू हिंसा के बारे में कोई भी व्यक्ति संरक्षण अधिकारी को सूचित कर सकता है और यदि व्यथित महिला संरक्षण ग्रह के प्रभारी को



आश्रय तथा चिकित्सीय सुविधाओं की प्रार्थना करती है तो प्रभारी इन सुविधाओं को दिलवाने में पीड़ित महिला की मदद करेगा। महिलाओं ने घरेलू हिंसा के विषय में बहुत सी जिज्ञासाओं और प्रश्नों को अधिवक्ता वन्दना भाटिया के साथ बांटा।

Capacity Building Training Organized for SRC Personnel



State Resource Centre, Indore has organized a three day Capacity Building Training Programme for the academic staff of seven newly established State Resource Centres viz. Jodhpur, Visakhapatnam, Naharlagun, Rajkot, Dispur, Palamau and Kashipur from January 8-10, 2013.

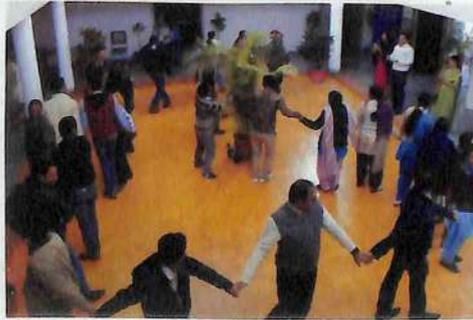
The broad objectives of the training programme were:

- To enable the participants to know the history of adult education in India
- To have a deep understanding of Saakshar Bharat
- To know the role of State Resource Centres in Saakshar Bharat

The core contents covered in the training programme were Adult Literacy and Lifelong Learning - Genesis & Concept, Overview and Concept of Saakshar Bharat Programme, Key features in implementation of Saakshar Bharat Programme, Understanding SRC, Development of Teaching-Learning Materials, Environment Building, Outreach Programmes, Preparation of Action Plan of SRC and SRC Portal, Capacity Building, Monitoring and Documentation, Research and Evaluation and Motivation/Communication skills/ Team Building.

The resource persons who took academic sessions in the training

programme included Shri Ramakrishna Sura, Director-in-charge, DAE, New Delhi, Dr.V.Mohankumar, Director, IAEA, New Delhi, Smt.Nandini Kajuri, Director, SRC, Kolkata, Smt.Nishat Farooq, Former Director, SRC, Jamia Milia Islamia, New Delhi, Prof.Nasreen Rustofram, Chairperson, Centre for Lifelong Learning, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai, Shri Kanti Gopal



Kovvali, Institution Builders, Mumbai and Dr.R.Rajan, Senior Coordinator, SRC, Chennai.

The methodology adopted in the training was participatory and field visits were an integral part of the whole programme.

The entire programme was planned and conducted by Smt. Anjali Agarwal, Director, SRC, Indore and the staff of SRC extended support services for proper conduct of the programme.

देहरादून जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रमों के भारत सरकार के उप सचिव द्वारा अवलोकन



स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के उप सचिव श्री एस. शंकर, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, उत्तराखण्ड की 'कार्यकारिणी समिति' की बैठक में सम्मिलित होने दिनांक 20.12.2012 के देहरादून आए।

इस दौरान उन्होंने जन शिक्षण संस्थान देहरादून कार्यालय का भ्रमण किया व संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित सामग्री का अवलोकन भी किया। तदुपर जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के रायपुर ब्लॉक व अन्तर्गत चंद्रशेखर आजाद कॉलोनी में संचालित किए जा रहे 'ब्यूटीकल्चर एवं हेल्थ केंद्र' व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया उन्होंने केन्द्र पर चल रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

श्री एस. शंकर ने सभी प्रशिक्षणार्थियों एक-एक कर बात की व उनसे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि महिला समाज का अभिन्न अंग हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर हम सभी को आना होगा। उन्होंने केन्द्र पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपनी स्वयं की सुरक्षा के बारे में भी जागरूक किया। जीवन कौशल के संदर्भ में उन्होंने बताया कि हमें अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

- इन्द्रजय सिंह असवाल, निदेशक, जेएसएस, देहरादून

सुखियां

मच्छा लगता है सुबह-सुबह
हरी घास पर टहलना
शबनम की बूँदों का
पाँवों को सहलाना

सुबह की शीतल सुहानी मलय
गर्म हो चुकी है
अखबार के सुख पन्नों की धूप से
घास के शबनमी मोती भी
अब सूख चुके हैं

माते हैं टंडी हवाओं के झोंके
पेड़ों की शाखों पर मचलते पत्ते
नीरवता से अठखेलियां करते
पक्षियों के सुमधुर नाद

दूर कहीं कोमल निश्छल शाखें
ताक रही हैं टुकुर-टुकुर
उस वहशी आदमी को
और पूछ रहीं हैं उससे
कब वह इंसान बनेगा

तभी सिहर उठता है मन
चाय की प्याली के साथ
पढ़ती हूँ जब
कहत्या, बलात्कार, डकैती, मारकाट

कब बंद होगा कत्लेआम
कहत्या, डकैती और बलात्कार
माँ, बहनों, बच्चों,
बुजुर्गों पर अत्याचार
जिनका दोष सिर्फ इतना है
कि, वे निर्दोष हैं

काँप जाती है रूह
फिर किसी दंपति को
पाकर अकेला
किसी कसाई ने बेरहमी से
दबाया था उनका गला

— कुसुम वीर

किन्हीं खूंखार भेड़ियों ने
किसी मासूम अल्हड़ बाला को
बनाया था शिकार
अपनी हवस का

(दिसम्बर 2012 अंक में ऊपर
प्रकाशित कविता में वर्तनी की कुछ
अशुद्धियां रह गई थीं, जिन्हें दूर करके
कविता को पुनः प्रकाशित किया गया है)
—संपादक

National Seminar on Empowerment of Women

The Department of Lifelong Learning and Extension & Department of Economics, Avinashilingam University for Women, Coimbatore hosted UGC sponsored National Seminar on Socio-Economic Empowerment of Women – Initiative for Impoverished on December 13-14, 2012. Around 62 university/college teachers, research scholars and NGO representatives from various states participated in the seminar. It has provided an interactive forum for academicians, research scholars, NGOs, social scientists and policy makers to come together to debate and analyze the theme and to evolve a comprehensive set of policies to develop and promote socio-economic empowerment of women.



The seminar was inaugurated on December 13, 2012 by Dr. Rashmi Agrawal, Director, Institute of Applied Manpower Research, Planning commission, Govt.



of India while the inaugural session was presided over by Dr. Vijiyalakshmi Purushothaman, Dean, Faculty of Community Education and Entrepreneurship Development, Avinashilingam University for Women.

The concluding address was given by Dr. Suniti Phadke, Director, Office of International Affairs, Christ University, Bangalore. She also gave away certificates to all the participants who attended the seminar.

National Youth Day

The National Youth Day is commemorated on 12th January every year. This is the birthday of Swami Vivekananda who was born on January 12, 1863. He lived only 39 years.

Swami Vivekananda was a philosopher and a motivator for the youth.



राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तराखण्ड: क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम



राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 20 दिसम्बर 2012 से 23 दिसम्बर 2012 तक उत्तराखण्ड के 6 जन शिक्षण संस्थानों के निदेशकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों के लिए चार दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रूलक सभागार देहरादून में आयोजित उक्त प्रशिक्षण में कुल 29 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर उप सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, साक्षरता एवं स्कूल शिक्षा विभाग, भारत सरकार के श्री एस. शंकर ने उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें लाभार्थियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए उनके जीवन कौशल गुणवत्ता सुधार हेतु विशेष ध्यान देना चाहिए। लाभार्थियों से प्रशिक्षण उपरान्त भी फीडबैक लेते रहें ऐसा वातावरण बनाए कि लाभार्थी अन्य को प्रेरित करने के लिए कहें कि मैं जन शिक्षण संस्थान से ये कौशल सीख कर आया।

डा. उमा बिष्ट, निदेशक, राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तराखण्ड ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम एवं योजना के कुशल क्रियान्वयन हेतु कार्य कुशलता में निपुणता बहुत आवश्यकता है इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उपरोक्त प्रशिक्षण निःसंदेह समस्त प्रतिभागियों की क्षमता वृद्धि में सहायक सिद्ध होगा।

डा. संध्या कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त शिक्षण संस्थान, उत्तराखण्ड, डा. पीयूष रौतेला, अधिशासी निदेशक, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, उत्तराखण्ड, योगराज नेगी, शैलिल गुप्ता, प्रवक्ता, भारतीय

सहकारिता प्रबन्धन संस्थान एवं डा. वी. मोहनकुमार, निदेशक भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली एवं राज्य संसाधन केन्द्र के सन्दर्भदाताओं ने साक्षरता एवं विकास, अभिप्रेरणा, प्रभावी संचार, साक्षर भारत कार्यक्रम, अनुश्रवण व मूल्यांकन, प्रौढ़ शिक्षण पद्धति एवं तकनीक, वेब पोर्टल, कौशल विकास, समय एवं तनाव प्रबन्धन, दस्तावेजीकरण, समतुल्यता एवं आपदा प्रबन्धन आदि विषयों पर विषय-विशेषज्ञ के रूप में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य संसाधन केन्द्र के शैलेश ध्यानी ने प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षाओं के अनुरूप वेब पोर्टल पर जानकारी एवं सूचनाओं को अपलोड करने के तरीकों को अभ्यास के माध्यम से समझाया तथा साथ ही अभी तक अपलोडिंग में आ रही समस्याओं के निराकरण करने का भी प्रयास किया।

डा. वी. मोहनकुमार ने प्रौढ़ शिक्षा एवं कौशल विकास पर अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करते हुए बताया कि जन शिक्षण संस्थानों को अपनी कार्य एवं प्रशासनिक कुशलताओं का संवर्धन करते हुए इस क्षेत्र में नवीनतम एवं विशेष प्रयोग करने चाहिए। उन्होंने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालते हुए समितियों की बैठकों, रिकार्ड रख-रखाव एवं रिपोर्टिंग एवं संचार व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उपाय भी सुझाए।

प्रशिक्षण के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए राज्य संसाधन केन्द्र की अध्यक्ष श्रीमती रुचि कुकरेती ने कहा कि परिवर्तन के इस दौर में हमें बहुत सी चुनौतियों का सामना करने के लिए सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर तैयार रहना चाहिए। हमें इस प्रकार के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को तैयार करना होगा जो स्थानीय संसाधनों का संवर्धन भी करते हों तथा लोगों की आजीविका में भी अपेक्षित सुधार लाने के पक्षधर हों।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उक्त प्रशिक्षण अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल रहा होगा तथा आगामी रणनीति बनाने एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा। डा. वी. मोहनकुमार जी

का विशेष तौर पर आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा की। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण का समापन किया गया।

— सी.एस.नेगी
प्रशिक्षण समन्वयक

राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तराखण्ड

Shri P.N. Singh is no more

Shri Pashupati Nath Singh, Director, State Resource Centre, ADRI, Ranchi has expired on January 17, 2013 at Ranchi.

Shri Singh was born in a small village called Kauria in district Siwan, Bihar on August 22, 1953. He was a Post - Graduate in Economics from Magadh University, Bodh Gaya and studied Russian language in Jawaharlal Nehru University, New Delhi. His deep interest in community development made him to associate with leading social welfare organization like ADRI where he spent long years working in the field of adult and lifelong education. Started as a field worker, community organizer in districts and reached the position of Director, State Resource Centre, Ranchi.

Shri Singh worked in State Resource Centre, Deepayatan, Patna in 1993-94, then came to State Resource Centre, ADRI, Patna as Senior Programme Coordinator from 1994 to 2005 and as Director, State Resource Centre, ADRI, Ranchi from 2005 till his death.

Shri Singh's associates will always remember him for his articulate talk, clear presentation and deep knowledge of the communities and society of the states of Bihar and Jharkhand.

Shri Singh was a Life Member of Indian Adult Education Association from 1996.

The Indian Adult Education Association conveys heartfelt condolences to the members of the bereaved family and prays for the departed soul to rest in peace.

Certificate Course in Research Methodology Conducted by Nagpur University



A certificate course in 'Research Methodology' was organized by the Department of Continuing, Adult Education & Extension, Rashttrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur from December 24-30, 2012 at Gurunanak Bhavan in the

University Campus. In all 21 persons participated from the affiliated colleges of Nagpur University.

In all 22 academic sessions were conducted during the course and the subjects covered included Foundation of Research and Research in Social Sciences, Ethics of Social research, Reliability and validity in Research Facts and Theories, Review of Literature and Archiving of Research Platforms for Social Science, Research Design and Skill of Research Design, Hypothesis formation and Report writing, Data collection and Sources of Data, Sampling and Tools for Data Collection, Processing of Data Tabulation and Statistical Analysis of Data, Social Survey, Case Study, Field Studies and Historical Research, Action Research and Experimental Research and Group Work Preparing for Synopsis and Questionnaire.

The training methodologies adopted were lecture, discussion and question answer.

The programme was inaugurated by Dr. Jayamala Dumre, Director, Department of Continuing, Adult Education & Extension while the concluding address was given by Dr. Kamalsing, Former Vice-Chancellor, Santa Gadgebaba Amravati University, Amravati.

Visakhapatnam JSS organized Skill Development Training to AEC Learners



Preparation, Detergent Powder and Cleaning Powder Making) (Duration: one week), Candle Making (Duration: one week) in 150 Adult Education Centres located in 28 Mandals. This is the first phase of the series of training programmes proposed to be organized by the sansthan under Saakshar Bharat Programme.

The training programmes started on the occasion of Andhra Pradesh Formation Day on November 1, 2012 and ended by December 31, 2012. The sansthan not only engaged the resource persons for different vocations but

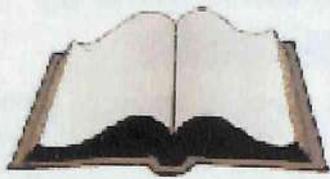
also provided training curriculum, teaching-learning material and raw materials.



In all 4500 women and girls have been benefited from these training programmes. The beneficiaries were selected jointly by Mandal Coordinators,

Coordinators and programme functionaries of JSS. When the training programmes were on-going the same were closely monitored by JSS programme functionaries, field level functionaries of Zilla Lok Shiksha Samitis, Secretaries of Gramasamakyas and Executive Officers of the Department of Revenue.

After the training programmes were over all the products crafted by the trainees have been exhibited in the Adult Education Centres for others to know about the benefit of the programme and also for sale.



Alam, Moneer and others. **Report on status of elderly in select states of India, 2011: Building a knowledge base on population ageing in India.** New Delhi, United Nations Population Fund, 2012: 175p.

The report covers a primary survey carried out in seven states - Himachal Pradesh, Kerala, Maharashtra, Odisha, Punjab, Tamil Nadu and West Bengal - having a higher percentage of population in the age group 60 years and above compared to the national average.

The information gathered in this survey includes socio-economic status, work participation and benefits, income and asset holding, living arrangement patterns and familial relations, health status, utilization and financing of health care, and reach and awareness of social security schemes among the elderly.

The study was undertaken by the United Nations Population Fund (UNFPA), India, in collaboration with the Population Research Centre (PRC), Institute for Social and Economic Change (ISEC), Bangalore, the Institute of Economic Growth (IEG), Delhi and the Tata Institute of Social Sciences (TISS), Mumbai.

De, Anuradha. **Probe Revisited: A report on elementary education in India.** Oxford, 2011.

PROBE Revisited is a field-based study of the schooling situation in rural India. It is based on a resurvey, in 2006, of largely the same villages that were covered by the PROBE survey in 1996, in Rajasthan, undivided Bihar, Madhya Pradesh, and Uttar Pradesh, referred to in the report as the 'PROBE states'. Himachal Pradesh was also surveyed, as the state of primary education there provided a contrast to the situation in the other states. The PROBE survey formed the cornerstone of the Public Report on Basic Education in India, widely acclaimed as a landmark study on primary education in India.

PROBE Revisited focuses on significant changes in the delivery of primary education in the decade 1996-2006, and their impact on school access and quality. It highlights major progress in the PROBE states in areas such as schooling facilities, provision of mid-day meals, enrolment rates and consequent narrowing of social and gender gaps. At the same time, it finds that fundamental problems remain. Enrolment does not mean attendance. Neither does attendance imply learning, on account of

little teaching activity. Mindless rote learning still dominates.

The report also looks at the state of upper primary education in the surveyed villages. Problems with school access and quality at this stage are also acute. It is unfortunate that in spite of the many positive changes that have occurred between 1996 and 2006, most children cannot access education of quality. However, the recently-passed Right to Free and Compulsory Education Act, 2009 provides a useful tool to continue the struggle to achieve this goal.

Lahiri, Shoma Choudhury and Bandyopadhyay, Sarbani. **Dressing the feminine body.** Economic and Political Weekly, Vol - XLVII, No. 46, 2012.

What do the attempts to implement a 'dress code' for women teachers, students and employees in schools and colleges in West Bengal signify? No political organisation in the state, whether left or right, has really been able to contest the hegemony of the image of the bhadrak which has its roots in the upper caste and Victorian moralities. Dress is one critical marker of the bhadrak and this is therefore also a field where bhadrak politics is practised. The dominant cultural ethos is most importantly transmitted through educational institutions. So a dress code in educational institutions is not only important but becomes a moral force. The silence within the women's movement on this issue is also noteworthy.

Panda, B. K.; **Participation in schooling and household work: A study of scheduled caste girls in Mewat District of Haryana;** NUEPA Occasional Papers 39, year 2012.

The tendency among girls particularly belonging to the Scheduled Castes has been found to be low in their participation in education and this phenomenon of low participation, retention and irregularity in attending the schools is not something a new finding but a factor observed in many of the research studies and even the planners and policy makers have repeatedly stressed the need for improvement of such a situation among these girls. This form of low participation in education especially among the rural girls is much more conspicuous - generations after generations among the girl child particularly belonging to the Scheduled Castes. Whether this kind of a phenomenon is occurring among the girls of these disadvantaged groups or it can be termed as social reproduction or replication is the point of concern in this research paper.

The girl child not only in India but in most of the developing world is having the constraints of

attaining satisfactory levels of schooling and regularity in their participation. Variety of incentive schemes such as scholarships, uniforms, free textbooks and notebooks, providing ration to parents (Bangladesh), food baskets (Panama), issue of oil tins to parents of girl child (Pakistan) and provision of bi-cycles (India) have been in practice in various countries in order to ensure retention and enrolment of girls in the schools. Despite provision of such incentives in most of the countries as well as in India, the enrolment and retention of girls in schools has remained unsatisfactory. Even for the entire world, this has posed a major challenge of covering 60 million girls, those who are not going to school.

An attempt has been made in this research paper, covering a rural village predominantly occupied by the Scheduled Castes, to understand various factors contributing to exclusion in education as well as to ascertain whether the phenomenon of replication of the familial values is percolating down from one generation to another. This research paper is only a part of a larger study dominated by Scheduled Caste households in a rural village known as "Atta-Barota" of Mewat district in Haryana in India. The state of Haryana was selected due to its proximity to the National Capital for the study, in order to understand any impact due to its proximity to the national capital as well as any changes occurring in the social matrix of the village, especially the Scheduled Castes and their awareness for educating the girl child.

Saxena, Sadhna. **Is equality an outdated concern in education?** Economic and Political Weekly, Vol. XLVII No. 49, 2012.

The central government policy of setting up residential schools for the dropout girls in educationally backward blocks through the Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya scheme has generally been hailed by educationists. This paper critically examines the scheme and its implementation from the equality and justice perspectives. It argues that the equality educational opportunity doctrine, a state commitment in the 1960s, was abandoned with the National Policy on Education 1986, which resulted in a multilayered, inegalitarian school system for subordinate communities. All schemes like the Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya, which tend to privilege a minuscule number of school dropouts, a subversion of the equality principle, privileging a few over the majority?

Compiled by
SC Dua and Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh
Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.2

Re. 1 per copy

February 2013



Indian Adult Education Association

Prof. Garg visited GRC, Kirti Nagar

Prof. B. S. Garg, President, Indian Adult Education Association visited GRC, Kirti Nagar on January 28, 2012. He was accompanied by Dr. M.S. Ranawat, Vice President, Shri K.C. Choudhary, General Secretary, Dr.V. Mohankumar, Director, Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director and Shri S.C. Dua, Senior Consultant. Shri Taushif Ahmad, Project Coordinator

received the President, introduced the members of the staff and briefed about the on-going



activities. Thereafter, Prof. Garg individually discussed with the staff members about their work and appreciated. He also desired them to keep the quality of work in mind while working with the community.



Prof. Garg then visited Basti Vikas Kendra located in the middle of the community as a portion of the building is to be allotted to GRC-SK. He has directed Smt. Kalpana and Shri Taushif to take necessary action for maintenance and repair of the portion to be allotted before shifting GRC to that place.

National Award for NIOS

National Institute of Open Schooling (NIOS) received the National Award for the Empowerment of Persons with Disabilities, 2012 instituted by Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India.



NIOS got this award under the category of Best Accessible Websites for making its website

completely accessible for persons with disabilities. The NIOS website meets the Guidelines for Indian Government Websites (GIGW) and adheres to Level AA of the Web Content Accessibility Guidelines (WCAG 2.0) of the World Wide Web Consortium (W3C). The website is bilingual - Hindi and English. It also has provisions of Screen Reader, increasing text size, colour contrast scheme for disabled learners.

The award was received by Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS from the President of India, Shri Pranab Mukherjee at Vigyan Bhawan, New Delhi on February 6, 2013.

Audio-visual Literacy Primer

The Lady Irwin College (Delhi University) has developed a literacy primer "Padhe Aur Jaane". The Primer follows the NLM norms and has been approved by the Directorate of Adult Education. It consists of three parts and colourful visuals to support the text. Part-1 of the Primer imparts literacy through selected meaningful words and phrases that provide opportunity for dialogue on the issues of concern; Part-2 strengthens literacy through short stories of empowered women; and Part-3 focuses on numeracy. Part-1 has twelve lessons in three units: Unit-1 (Food & Nutrition) is focused on mother's role, importance of



iodized salt, diet in pregnancy, and supplementary feeding; Unit-2 (Rights & Responsibilities) is focused on crime against women, rights of women, gender discrimination, and civic responsibilities; and Unit-3 (Mental & Physical Health) highlights domestic violence, personal hygiene, fears & superstition, and mental & physical fatigue. Part-2 contains eleven stories of empowered women. Recognizing the importance of enhancing thinking skills i.e.,



self-awareness, problem solving, decision making, and creative thinking, there is scope for self-reflection by posing questions related to key characters in each story and issues emerging. For enhancing social skills i.e., communication, interpersonal

relationships, some activities have been suggested that can be taken up for dialoguing on the selected issues and hands on experience. The issues are related to social evils, healthy lifestyle, HIV and AIDS, legal literacy, consumer awareness, citizenship/social mobilization, and livelihood issues. For improving comprehension of the written text, exercises have been included such as filling in the blanks, building words, multiple choice options, games and crosswords.

Facilitator Guide and literacy assessment tests are given in the last section of Part-I.

Part-3 contents numeracy. This has been taken from the literacy primer developed by State Resource Centre Bhopal.

Part-1 of the Primer has been converted into a Talking Book using the Multimedia Print Reader (MPR) technology. The Primer can be used with or without the MPR pen. The MPR technology allows a learner to hear the text while reading along. It uses a digital pen which has an inbuilt speaker. The MPR pen can assist not only the learners but also the teachers and volunteers who are unable to provide personal attention in a multi-grade group situation.

It is priced at Rs 300 per set (3 parts). It is available in Delhi from the office of the Indian Adult Education Association and Lady Irwin College. The MPR pen is priced at Rs 2500 and is available from Aadarsh Publishers in Bhopal (MadhyaPradesh).

-Dr. Mridula Seth and Ms. Aparna Khanna

संघ के कार्यकर्ताओं के बीच प्रोफेसर गर्ग



गत 28 जनवरी 2013 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में इसके कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अध्यक्ष प्रो. भवानी शंकर गर्ग, उपाध्यक्ष डॉ. एम.एस. राणावत, महासचिव श्री कैलाश चौधरी तथा निदेशक डॉ. मोहनकुमार सहित सभी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में महासचिव श्री कैलाश चौधरी ने प्रो. गर्ग तथा डॉ. राणावत का सभी की ओर से स्वागत किया। तदुपरान्त श्री चौधरी ने संघ के वर्तमान परिस्थितियों से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि यह वर्ष की बात है कि वर्ष की शुरुआत में हो रहे इस प्रथम कार्यकर्ता बैठक में स्वयं अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष महोदय उपस्थित हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ का हीरक जयंती वर्ष होगा। हीरक

जयंती वर्ष में हम कुछ विशेष कर पाएँ उसकी प्रस्तुति हेतु वर्ष भर का समय शेष है। इस वर्ष हमें स्वयं को किस रूप एवं दिशा में संचालित करना है उसके लिए उन्होंने अध्यक्ष महोदय से मार्गदर्शन प्राप्त करने की इच्छा जाहिर की।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अध्यक्ष प्रो. गर्ग ने कहा कि भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की उपस्थिति न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी महसूस की जा रही है। हम एक राष्ट्रीय संस्थान के रूप में शिक्षा विशेषतौर पर प्रौढ़ एवं आजीवन शिक्षा से सम्बद्ध सभी मंचों पर सक्रिय हैं इसलिए समाज भी हमसे विशेष भूमिका के निर्वहन की अपेक्षा रखता है। उन्होंने संघ द्वारा संचालित वर्तमान गतिविधियों के प्रति गहरा संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा हर कार्यकर्ता दक्षता संपन्न है एवं सफलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है जो मेरे लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने सीमित संसाधनों में ही और बेहतर कार्य का प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मौजूदा वर्ष में हम और अधिक योजनाएं एवं अनुदान प्राप्त करने में सफल होंगे ताकि अपनी कार्य योजना को सुगमतापूर्वक संचालित कर सकें।

बैठक के अंत में निदेशक महोदय ने प्रो. गर्ग, डॉ. राणावत तथा श्री चौधरी सहित सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने अध्यक्ष महोदय को विश्वास दिलाया कि संघ के सभी कार्यकर्ता तत्परतापूर्वक उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कार्य करेंगे।

Stree Shakti –Suvidha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre conducts a number of activities for the community. Some of the activities recently conducted were:

कौशल विकास कार्यक्रम

जीआरसी कीर्ति नगर से संबद्ध लाभार्थियों में एक बड़ी संख्या कॉलेज जाने वाली छात्राओं तथा ड्राप आउट बालिकाओं की है। ये सभी व्यावसायिक हुनर सीख कर अर्थ उपाजन करने की इच्छा रखती हैं। अपने लाभार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना जीआरसी के उद्देश्यों में शामिल है। इसी के



मददेनजर गत 1 जनवरी 2013 को जीआरसी ने 121, मानसरोवर गार्डन में सौन्दर्य एवं स्वास्थ्य संवर्धन में प्रतिदिन दो घण्टों के लिए प्रशिक्षण देना शुरू किया है। अबतक इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 33 बालिकाओं ने स्वयं को पंजीकृत कराया है। प्रशिक्षण के दौरान सौन्दर्य संबंधित विषयों के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़े विविध पहलुओं पर भी लाभार्थियों को अवगत कराया जाता है।

वर्तमान में व्यावसायिक प्रशिक्षण अनुदेशक सुश्री गीता द्वारा मेहन्दी तथा थ्रेडिंग का धागा चलाना सिखाया जा रहा है।

शुरु हुई अनौपचारिक शिक्षा हेतु कक्षाएं

अनौपचारिक शिक्षा के तहत विविध विषयों



पर कक्षाएं संचालित कर लक्ष्य समूह का सशक्तीकरण करना स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्रों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस दिशा में पहल करते हुए जीआरसी, कीर्ति नगर ने गत 12 जनवरी 2013 को कमला नेहरू कैम्प, शिव मन्दिर में कई कक्षाओं की शुरुआत की। ये कक्षाएं तीन भागों में विभाजित हैं ड्राप आउट हेतु कक्षाएं जिनमें बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाली (ड्राप आउट) बालिकाएं आती हैं, प्रौढ़ साक्षरता कक्षाएं जिनमें 15 से ऊपर आयुवर्ग की बालिकाएं एवं प्रौढ़ महिलाएं आती हैं तथा रिमेडियल कक्षाएं जिनमें वे सभी महिलाएं आती हैं जिन्होंने अब तक कोई पढ़ाई नहीं की है। वर्तमान में इन कक्षाओं में 38 बालिकाओं एवं महिलाओं का पंजीकरण किया गया है जिनमें ड्राप आउट हेतु कक्षा में 14, प्रौढ़ साक्षरता में 10 तथा रिमेडियल कक्षा में 14 लाभार्थी शामिल हैं।

ये कक्षाएं प्रतिदिन दो बार समुदाय में ही आयोजित की जाती हैं। इन कक्षाओं का

संचालन जीआरसी द्वारा नियुक्त अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक सुश्री इन्दु द्वारा किया जा रहा है।

वाटसन कैंप

कहते हैं स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन और मस्तिष्क का निवास होता है पर स्वस्थ शरीर के तीन महत्वपूर्ण उपादानों – स्वच्छ जल



(potable water), स्वच्छता (sanitation) तथा शुचिता (hygiene) के बारे में दुनिया की एक बहुत बड़ी आबादी आज भी अनभिज्ञ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व के करीब 7.8 करोड़ लोग आज भी स्वच्छ अर्थात् पीने योग्य पानी का इस्तेमाल नहीं करते। अमूमन इन लोगों को स्वच्छता के विविध पैमानों की जानकारी भी नहीं होती।

जनसामान्य को स्वच्छ जल, स्वच्छता तथा शुचिता के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए जीआरसी द्वारा 28 जनवरी को कीर्ति नगर के कमला नेहरू इलाके में एक 'वाटसन' कैम्प लगाया गया जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया। जीआरसी की प्रोजेक्ट ऑफिसर सुश्री कोमल तथा कम्प्युनिटी मोबलाइजर सुश्री अनिता एवं श्री गोविन्द ने उपस्थित लोगों को पानी के शुद्धिकरण के घरेलू तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ-साथ उन्होंने व्यक्तिगत सफाई की जरूरत तथा इसे हासिल

करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

आरोग्य शिविर का आयोजन

30 जनवरी 2013 को चूना भट्टी के संत निरंकारी सत्संग स्थल पर



जीआरसी द्वारा एक आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। कम्युनिटी मोबलाइज़र द्वारा स्थानीय लोगों को इस संबंध में पहले से ही सूचित किया



गया था। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों ने चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने के लिए स्वयं को पंजीकृत किया था। शिविर के दिन भी पंजीकरण के लिए अलग व्यवस्था की गई थी। इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. नीलू श्रीवास्तव, सामान्य चिकित्सक, डॉ. रजनी मनचंदानी, शिशु-चिकित्सक, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव तथा आंखों की जांच एवं देखभाल संबंधी जानकारी देने के लिए श्री राजीव मौजूद थे। शिविर में कुल 332 लोगों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई तथा दवाईयां प्राप्त की।

जीआरसी के मुख्य कार्यकर्ता श्री कैलाश चौधरी सहित भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के कोषाध्यक्ष डॉ. मदन सिंह

एवं सहायक निदेशिका, श्रीमती कल्पना कौशिक भी शिविर में मौजूद थीं।

महिला हिंसा अधिनियम पर चर्चा

गत 31 जनवरी 2013 को चूना भट्टी स्थित हरिजन कैम्प के महिलाओं को महिला हिंसा अधिनियम 2005 के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए अधिवक्ता श्री योगेश



मेहरा की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गयी जिसमें श्री मेहरा ने उपस्थित महिलाओं से घरेलू हिंसा के बारे में उनकी आपबीती सुनी। ज्यादातर महिलाओं ने बताया कि इलाके के अधिकांश पुरुष शराब के नशे से ग्रस्त हैं। पास में शराब का ठेका होने के कारण नशे की बीमारी बड़ों के अलावा बढ़ते बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। ऐसे में घरेलू हिंसा उनके लिए रोजमर्रा की बात बन गयी है।

अधिवक्ता श्री मेहरा ने महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के विविध प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया तथा वे ऐसी समस्याओं से किस प्रकार स्वयं का बचाव करें इसकी भी जानकारी दी।

चर्चा में कुल 31 महिलाओं ने भाग लिया। चर्चा को सफल बनाने में जीआरसी के कम्युनिटी मोबलाइज़र श्री गोविन्द, सुश्री अनिता तथा सुश्री कविता ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Literacy Awards Selection Committee Meeting

The meeting of Nehru and Tagore Literacy Awards Selection Committee was held under the Chairmanship of Prof. B.S. Garg, President, IAEA on January 29, 2013 at 11:00 a.m. in the office of the Association. Other members present were - Shri K.C. Choudhary, General Secretary, IAEA, Dr. M.S. Ranawat, Vice President, IAEA, Dr. Madan Singh, Treasurer, IAEA, Prof. N.K. Ambasht, Former Chairman, NIOS, Prof. S.Y. Shah, Group of Adult Education, School of Social Sciences, Jawaharlal Nehru University, Dr. Rajesh, Associate Professor & Head, Department of Adult, Continuing Education & Extension, Faculty of Social Science, University of Delhi and Dr. V. Mohankumar, Director, IAEA.

The Committee discussed in detail the nominations received for both the awards and unanimously recommended the following persons and institutions:

Nehru Literacy Award

- 2009- Dr. V.L.N. Reddy
- 2010- Shri Sudhir Chatterjee
- 2011- Dr. M.P. Parameswaran
- 2012- Asha Kala Kendra, Mhow

Tagore Literacy Award

- 2009- Andhra Mahila Sabha, Hyderabad
- 2010- Gujarat Vidyapeeth, Ahmedabad
- 2011- Prof. (Dr.) Vijaya Laxmi Chouhan, Former Director, UGC Centre for Women's Studies and Head, Department of Psychology, M.L. Sukhadia University, Udaipur
- 2012- Professor Erbanoris Jyrwa, Professor and Head, Dept. of Adult & Continuing Education, NEHU, Shillong

The awards will be given away to the winners shortly in a special function.

मन गीली मिट्टी सा

मन गीली मिट्टी सा
उपजते हैं इसमें अनेकों विचार
भावों के इसमें हैं अनगिन प्रवाह

टूठी डालों पे फूटेंगी
फिर से नई कोंपलें
फैलाते पंखों को
डोलेंगे पंछी

सपनों की खाद से उगती तमन्नाएं
फूटें हैं हरपल नई अभिलाषाएं
उगती कभी इसमें शंकाओं की घास
ढापती जो ख्वाबों को, उभरने न दे आस

दूर कहीं मंदिरों में
घंटों की खनक में
शंखों के नाद संग
आरती आराधन स्वर

उगने दो मन की मिट्टी में
भावनाओं के कोमल अंकुरों को
विस्तारित होने दो सौहार्द की खुशबू को
नोच डालो वैमनस्य की जंगली हर घास
पनपने दो सपनों की मृदुल कोंपल शाख

वन्दना में झूमती
दीपक की लौ मगन
गूजें फिर श्लोक कहीं
आध्यात्म ऋचाएं वहीं

प्रेमजल से सिंचित बेल
जल्द ही उग आएगी
लहलहाएंगी हरी डालियाँ
फूलेंगी नई बालियाँ

भावों के अनकहे
आत्मा के अंतर स्वर
तब तुम भी गा लेना
प्रेम का तराना

मौसम की बहारों में
बासंती मधुमास में
खिल जाएंगे तब न जाने
कितने ही अनगिन कुसुम

मन की गीली मिट्टी सा
कर देगा सरोबार
तुम्हें कहीं अंतर तक
सौंधी सी, पावन सी
खुशबू के साथ

मत रोकना तुम
पतझड़ की बयारों को
झड़ जायेंगे उसमें
शंकाओं के पीले पात

— कुसुम वीर

Seminar on 'Lifelong Learning'

A one day seminar on 'Lifelong Learning' was organized by the U.P. State Branch of Indian Adult Education Association, Lucknow at Charan International Hotel, Vidhan Sabha Marg, Lucknow on January 5,



2013. The participants included members of the state branch, faculty and students of Lucknow University and Degree Colleges and NGOs. Prof. L. Raja, Director & Head, Department of Adult and Continuing Education and Extension, Gandhigram Rural University, Gandhigram, Tamil Nadu and Vice President, IAEA was the Chief Guest.

Dr. Madan Singh, Chairman, U.P. State Branch of IAEA in his welcomed address said that formal education alone will not be able to meet the challenges of modern era as new technologies are introduced in almost all the areas of development. Therefore, Lifelong Learning is a must to acquire knowledge on latest technologies to improve ones personal life and professional career.

Prof. L. Raja in his address spoke in detail about the need and importance of Lifelong Learning and shared some of the innovative programmes being carried out by his university in the adopted villages and service areas.

Smt. Pragya Pandey, Incharge, Agriculture Literacy Employment in Rural Track and Women Empowerment (ALERT & WE), village Dhawa shared her experience in empowering and supporting the rural women of the service area. A few other delegates attending the seminar also shared their experiences.

Dr. Usha Rai, Life Member, IAEA detailed the on-going activities of U.P. State Branch and at the end Dr. S.C.Upadhyay, Secretary, U.P. State Branch proposed the vote of thanks.

—Dr. S.C.Upadhyay
Secretary, U.P.
State Branch

Standing Committee Meeting of IAEA

The Standing Committee Meeting of Indian Adult Education Association, New Delhi was held on January 29, 2013 at 2 p.m. in the office of IAEA. Prof. B.S. Garg, President, IAEA chaired the meeting. Others present were Shri K.C. Choudhary, General

Secretary, Dr. M.S. Ranawat, Vice President and Dr. Madan Singh, Treasurer.

The committee reviewed the activities of the Association for the year 2012-13 and discussed proposed programmes for the year 2013-14. It also reviewed the

current financial position and decided to rationalize the staff strength, bring out 'Proudh Shiksha' as bimonthly. It also expressed satisfaction with regard to the construction of additional block at the rear portion of the existing building.

Community Education

Every word has a concept behind it. Communicator in another language can lead to a lot of confusion, if he does not understand the reference and context of the word in the original language. Let me take a very common example. Normally people translate the word 'dharma' from Sanskrit into English language as; religion; Now Dharma word is also used as lion's dharma, cow's dharma, tree's dharma, etc. to donate their innate qualities. These are known as dharma of lion, cow and tree, where as they do not have religion. Similarly man (manav) has his own dharma. It encompasses much more than what word religion conveys. There are two words 'table' and 'bench'. Both words bring out a picture of top board with four legs. But the word table normally brings picture of board and legs which are higher than a bench and its legs are longer than that of a bench. Apart from that regarding width a bench is narrower than a table. So we understand that every word has a concept and mental picture behind it and it depends on the language from which the word originates. Coming back to further explain that a 'word' has a concept, dimension, levels of dimensions and a mental picture of itself, I would like to again submit that a word has to be understood in its complete context and dimensions, otherwise there will be a lot of confusion between the transmitter/communicator of the 'word' and the receiver of the 'word'.

One must be wondering as to why I have gone into discussion

about word's concept when I should be talking about 'Community Education'. We are well acquainted with the words and concepts behind these words such as literacy education, formal education, non-formal education, informal education, continuing education, life-long education, tutorials, group education, instructions, training, education, etc. The word **community**, according to The Little Oxford Dictionary Thesaurus and Word Power Guide, 2010 is "A body of people living in one place or united by origin, interest, etc. society or the public.; Oxford Advanced Learner's Dictionary, 2000 presents the concept of Community as "All the people who live in a particular area, country, etc. when talked about as a group,; 'International Community)=the countries of the world as a group), Another concept given under community is 'a group of people who share the same religion, race, job, etc.'" Another way of expressing the concept of community by the same dictionary is 'the feeling of sharing things and belonging to a group in the place where you live' As we can see The word Community has the following common characteristics defining it. **1. A group, 2. geographical locale, in which the group lives and 3. a common interest, religion, race, job etc.**

A group may be a small group with single interest of learning a particular aspect of knowledge, skill or a particular attitude. It may be a neighborhood, or a group of neighborhoods, a town, a state, and criss-crossing the states and nations a religious group, race, job, etc. It may also

be defined or termed as rural or urban community, tribal and main stream communities, minorities, low income group communities, industrial communities etc.

The **Curriculum** for Community Education naturally shall be to be defined and identified by the group, its level in the geographical locale, and interest. The **subjects** chosen shall have to be of interest of the identified group, in all the three aspects of education, viz., knowledge, skill and attitudinal change or reinforcing the attitude. The **period** of Community Education project will be dependent upon the time which the particular group of people forming the community can spare for attainment of their object of interest to learn, The **techniques of Community Education** will have to be dependent on the result that has to be attained, For example in India our Constitution states that we are a democracy, socialist pattern of society, secular society believing in equal rights of all our citizens. Naturally, in India lecture method of teaching should be immediately banned, because it leads to learning unconsciously, supremacy of one man, who is supposed to be repository of all knowledge, and all learners who have no background knowledge or skill brought in with them for further education. Participatory techniques, such as group assignment to read reference material on the subject of learning and reporting in plenary session, T groups, quizz groups, brain storming, seminars, workshops, conferences, etc. Other tools of Community

education may be Community Centre, Namghars, Mahila Mandals, Anganwaris, Panchayat Ghar, Community Town Hall, State and National Assemblies, International forums, museums, exhibitions, mass media, including press, journals, magazines, news bulletins, radio, Television, mobiles, computers.etc. As the geographical area of the group will expand we will have to involve not only non-formal education techniques, but also rely on informal educational techniques. Naturally the evaluation will also be participatory and its success will be based on satisfaction of the participants.

At national level India's policy needs on top priority to undo the mischief done by Macaulay to cut the roots of Sanskrit and replace it with English. We have to frame a policy and provide Community Education for teaching Sanskrit, so that we may restore our national values and pride. Community Education is also needed for protection by its entire citizen's, India's territorial

integrity and sovereignty, also its developmental needs and its values, while seeking to promote regional and global peace in cooperation with its international interlocutors and partners. It has to especially keep in mind its relations with neighbours, United States, and its traditional partner Russia. It has to have a policy of engaging its young population which is at present under 25 years of age in productive activities. It has also to meet its energy needs and has to have a policy on nuclear vis-à-vis alternate energy sources, etc. We need to chart a policy about our role in United Nations. There are many more areas of Community Education and particularly in the areas of change of present attitudes to constructive, productive and nationalistic attitude of our people, politicians, executives and judiciary, etc.

Efforts are on at international level through the aegis of International bodies for world Community Education. There are several religious societies which are taking initiative and doing a

lot of Community Education at international level. The role of Radio and Television for Community Education for executive at international level will be needed. I do not wish to go in detail, but many more target groups at national and state level can be identified and educational needs at that level has to be undertaken.

A lot of bold thinking, identification of groups, level at which education has to be imparted, the topics of education depending on the values which we wish to be inculcated in the people needs to be identified and policy to be laid. To talk about what we have been doing as yet under the caption of Community Education will be putting old wine in new bottles. We have to emerge at higher level and as an association of adult educators, think, plan and execute policies which uphold our national constitutional values and culture.

-P. N Shivpuri and
Doris Shivpuri



Interactive Workshop Organized by JSS Kanpur

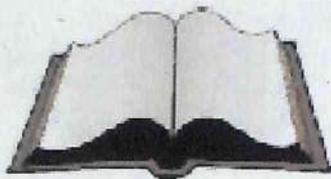
A two day interactive workshop on Assessment and Certification of Jan Shikshan Sansthan beneficiaries based on the questionnaire sent by Dr. L. Mishra, Chief

Consultant, TSG, NLMA, was organized by JSS, Kanpur on January 28-29, 2013 in which 15 Directors and 6 Programme Officers/Coordinators from UP and Ultrakhand participated. The main objective of this workshop was to collect innovative ideas and solution for conducting Modular Trainings, assessment and placement.

Shri Jagannath Ukil, Joint Director, RDAT, Kanpur, DGE&T, Govt. of India and Shri Ranjit Chakraborty, National Coordinator of ASSOCHAM, one of the

Empanelled Assessing Body of DGE&T acted as resource persons. Shri Jagannath Ukil in his brief interaction with the participants explained in detail about the Modular Employable Skill programme under SDI Scheme of DGE&T, assessment procedure through testing centre, role of Assessing Bodies, placement of beneficiaries, infrastructure required for testing centres, procedure of accreditation of assessing body of DGE&T, importance of NCVT Certificate for employment while Shri Ranjit Chakraborti explained the procedure of testing centre registration through Assessing Body for NCVT Certification and the existing procedure of assessment of learners in MES Course as per DGE&T Guidelines.

Shri S.P. Rastogi, Director, JSS, Lucknow gave the welcome address while Shri Rajesh Kumar Bajpai, Director, JSS, Kanpur proposed vote of thanks.



ASER. **Annual status of education report-2012 (Provisional)**. New Delhi, ASER Centre, 2013: 284p.

The purpose of ASER's rapid assessment survey in rural areas is twofold: (i) to get reliable estimates of the status of children's schooling and basic learning (reading and arithmetic level); and (ii) to measure the change in these basic learning and school statistics over time. Every year a core set of questions regarding schooling status and basic learning levels remains the same. However new questions are added for exploring different dimensions of schooling and learning at the elementary stage. The latter set of questions is different each year. ASER 2012 brings together elements from various previous ASERs. The core questions on school status and basic reading in the child's local language and arithmetic remain. This year ASER tested children in English. ASER 2012 also visited one government primary school in every sampled village.

Chauhan, Sandeep. **Research methodology in education**. Delhi, Pearson Education, 2012: 346 p.

This book explains the basic principles of educational research. It covers aspects like identification of a problem, review of related literature, the core aspect of forming a hypothesis and preparing a research design for the completion of the project. The book also gives an overview of various sampling techniques, data collection, standardization, and data analysis.

Kalam, A. P. J. Abdul and Singh, Srijan Pal. **Target 3 Billion: PURA: Innovative solutions towards sustainable development**. Delhi,

Penguin Books, 2011: 320 p.

With 750 million people living in villages, India has the largest rural population in the world. Based on his Indian experience, Dr Kalam recommends a sustainable and inclusive development system called PURA—Providing Urban Amenities in Rural Areas—to uplift the rural masses not by subsidies but through entrepreneurship with community participation. To make his case, Dr Kalam cites the examples of individuals and institutions, in India and from across the world, who, with an entrepreneurial spirit and a burning desire to make a difference, have successfully generated and tapped into the potential of the rural masses. Fabio Luiz de Oliveira Rosa changed the face of the rural district of Palmares, Brazil, by acquiring for the farmers access to electricity and water, which effect combined with better agricultural methods led to an increase in prosperity and stemmed the migration to the cities. The 123-strong Magar clan owned Magarpatta, a 430-acre plot on the outskirts of Pune, Maharashtra. In the 1990s, they organized and set up the Magarpatta city which is now home to over 35,000 residents and a working population of 65,000, and boasts of an IT park.

Khan, Amjad Ali. **My father, our fraternity**. Lotus Roli, 2012: 224 p.

My Father, Our Fraternity is an intensely personal memoir which brings alive the rich classical music tradition from the early twentieth century to the present. Amjad Ali Khan offers an insider's view of this era, through the life and times of his father, the famous sarod icon, Ustad Haafiz Ali Khan. He also affords us a glimpse into the deeply held traditions of Indian classical music, like the guru-shishya parampara, and the unique ways in which taleem (training) is imparted. As Amjad Ali Khan grows from a child prodigy to an accomplished musician, he expresses an acute sense of

responsibility towards his guru and his family's musical legacy, passed on from ancestors who created the sarod. The personal and the professional are intertwined in this book as they are in the author's life. His friendships, relationships, and the milieu in which he has lived and performed, make for a delightful read for anyone who is interested in the classical music and musicians of India.

Mukherjee, H. B. **Education for fullness: A study of the educational thought and experiment of Rabindranath Tagore**. Routledge, 2013: 512 p.

Rabindranath Tagore is remembered today chiefly as a poet, and his fame as a poet has often eclipsed his great contributions to other fields of literature and life — especially education. Tagore pondered deeply on the fundamental problems of education — aims, curriculum, method, discipline, values and medium — and wrote and experimented on them freely and extensively. Tagore is perhaps the only literary genius in contemporary history who devoted a major part of his life to thinking about education and creating an educational institution of international significance. Also, the institution he created at Santiniketan proved to be the most global and sustainable among the progressive educational institutions launched by individual thinkers such as Froebel and Russell.

This edition revives a classic work full-length account of Tagore's educational thought and activity, commemorating his 150th birth anniversary. It presents a detailed chronological survey of Tagore's educational writings and institutional activities in the perspective of his life and thought in general. The book also contains a detailed review and critical discussion on almost all major aspects of his educational work.

Compiled by Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.3

Re. 1 per copy

March 2013



Indian Adult Education Association

Stree Shakti –Suvidha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. The Resource Centre conducts a number of activities for the community. Some of the activities recently conducted were:

वाटसन कैंप

स्वच्छता (sanitation) तथा शुचिता (hygiene) के बारे में आवश्यक जानकारी नहीं होने के कारण कई बार लोग, खासतौर पर शहरी इलाकों में बसे अनुन्नत बस्तियों (स्लमों) में रहने वाले गरीब तबके के लोग अमूमन भयानक बिमारियों के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में उन्हें स्वच्छता से जुड़ी सामान्य जानकारियां उपलब्ध कराना अत्यन्त आवश्यक होता है।

जीआरसी द्वारा गत 26 फरवरी 2013 दोपहर 2 बजे कीर्ति नगर स्थित रेशमा कैंप इलाके में ऐसे ही परिवार के लोगों को स्वच्छता संबंधित सामान्य जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए एक 'वाटसन' कैंप लगाया गया जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया।

कैंप में जीआरसी के कार्यकर्ता श्री तौशिफ अहमद, श्रीमती अनिता, सुश्री कविता तथा श्री गोविन्द ने प्रतिभागियों को बताया कि उन्हें कब और कहां-कहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अधिकांश कीटाणु हमारे हाथों के द्वारा ही हमारे शरीर में फैलते हैं और बीमारियां पैदा करते हैं। ऐसे में अपने हाथों को स्वच्छ रखकर हम अनेक बीमारियों से दूर रह स्वस्थ जीवन का आनंद उठा सकते हैं।

कानूनी जागरूकता शिविर

फरवरी माह में जीआरसी द्वारा तीन कानूनी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। प्रथम शिविर 12 फरवरी को आयोजित किया गया जिसमें घरेलू हिंसा अधिनियम पर चर्चा की गयी। दूसरा शिविर 20 फरवरी को आयोजित किया गया जिसमें भारतीय दंड संहिता अधिनियम 498ए, 406 तथा सूचना के अधिकार पर विस्तृत चर्चा की गयी। तीसरा शिविर 25 फरवरी 2013 को आयोजित किया गया जिसमें मानव तस्करी

से संबंधित अधिनियमों पर जानकारी प्रदान की गयी।

कीर्ति नगर स्थित रेशमा कैंप इलाके में आयोजित इन तीनों ही शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। प्रतिभागी महिलाओं को तीस हजारी कोर्ट से आई

अधिवक्ता सुश्री वन्दना भाटिया, जो कि डेलसा (Delhi Legal Services Authority) से भी संबंधित हैं, ने उपरोक्त कानूनी धाराओं के बारे में अत्यंत ही सरल शब्दों में व्यावहारिक जानकारियां प्रदान कीं। सुश्री भाटिया ने उदाहरण सहित यह बताने की कोशिश की कि घरेलू हिंसा अधिनियम, धारा 498ए तथा 406 का व्यावहारिक किन-किन परिस्थितियों में किया जा सकता है। उन्होंने मानव तस्करी के दो महत्वपूर्ण प्रकारों यथा यौन तस्करी एवं श्रम तस्करी के बारे में भी विस्तार से बताया। इन सभी शिविरों में पीड़ित महिलाओं ने विस्तार से अपनी परिस्थितियों तथा स्वयं पर हो रही अत्याचारों का उल्लेख किया जिसे सुश्री भाटिया तथा जीआरसी के सम्बद्ध कार्यकर्ताओं ने ध्यान से सुना। जिन पीड़ित महिलाओं ने कानूनी सहायता प्राप्त करने की इच्छा जाहिर की उन्हें 27 फरवरी 2013 को आयोजित कानूनी जागरूकता शिविर में पुनः आमंत्रित किया गया।



27 फरवरी को कमला नेहरू कैंप के ब्लाक - ए में आयोजित शिविर में अधिवक्ता सलाहकार सुश्री रागिनी ने उन महिलाओं से बातचीत की जो कानूनी सहायता प्राप्त करना चाहती थी। उन्होंने बताया कि महिलाएं



जीआरसी कार्यकर्ताओं के माध्यम से डेलसा से सम्पर्क कर सकती हैं और इस प्रकार की मदद प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने डेलसा और इसके द्वारा प्रदान की जानी वाली कानूनी सहायता के बारे में भी विस्तार से बताया। इन शिविरों को आयोजित करने में कम्युनिटी मोबिलाइजर श्री गोविंद एव सुश्री अनीता तथा एस.एच.जी मोबिलाइजर सुश्री कविता की विशेष भूमिका रही।



स्वास्थ्य शिविर के तहत ओपीडी का आयोजन

जीआरसी द्वारा गत 15 तथा 28 फरवरी को सामान्य एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. नीलू श्रीवास्तव की उपस्थिति में शिव मन्दिर कमला नेहरू कैम्प, कीर्ति नगर में दो ओ.पी.डी लगाये गये। विदित है कि इन इलाकों में सही खान-पान और शुचिता न होने के कारण अधिकतर महिलाएं अरक्तता, कैल्शियम की कमी तथा यौन संक्रमण रोगों से पीड़ित हैं। बच्चों में भी कुपोषण के कारण होने वाली कमियां साफ देखी जा सकती हैं। इसलिए डां श्रीवास्तव ने उपस्थित सभी 45 महिलाओं तथा 20 बच्चों की शारीरिक जांच की तथा उनमें से 5 महिलाओं को आगे जांच के लिए स्थानीय अस्पताल में भेजा। शिविर में फार्मसिस्ट श्री प्रभात कुमार झा द्वारा प्रतिभागियों को कई प्रकार की



आवश्यक दवाईयां भी वितरित की गयी।

पोषाहार शिविर

जेन्डर रिसोर्स सेन्टर, कीर्ति नगर द्वारा जवाहर कैम्प, हुनमान मन्दिर में गत दिनांक 19 फरवरी 2013 को एक पोषाहार शिविर आयोजित किया गया जिसमें कुल 35 महिलाओं ने भाग लिया। इस शिविर में मिशन करवरजेंस के पेनलिस्ट आहार विशेषज्ञ श्रीमती सुनिता पवार द्वारा 'तीन साल तक के बच्चों के लिए समुचित पोषण' विषय पर विस्तृत जानकारी दी गयी। श्रीमती पवार ने कहा कि बच्चों की वृद्धि और विकास पर बराबर निगरानी रखनी चाहिए। इस संबंध में किसी प्रकार के रुकावट का पता चलता है तो समय रहते ही तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करना चाहिए। श्रीमती पवार ने उपस्थित महिलाओं को भोजन में आयोडाइज्ड नमक इस्तेमाल करने की सलाह दी।



शिविर के आयोजन में जीआरसी के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री तौशिफ अहमद, कम्युनिटी मोबिलाइजर श्री गोविंद एवं सुश्री अनीता तथा एस.एच.जी मोबिलाइजर सुश्री कविता की अहम भूमिका रही।



Economic Empowerment of Women Important – Prof. B.S. Garg



Prof. B.S. Garg, President, Indian Adult Education Association while addressing a group of women who

have undergone vocational skill development training in Cutting & Tailoring (6th batch) and Beauty Culture & Health Care (7th batch) at Lifelong Learning Centre, Trilokpuri on February 22, 2013 said that economic empowerment of women is important which can be achieved only by acquiring skills and using the same to earn money. He appreciated the participants who have come forward to take vocational training and requested them to use their newly acquired skills for self-employment and simultaneously look for wage employment. He has also encouraged them to pursue further education through Open Learning System, particularly National Institute of Open Schooling which provides a lot of opportunities with a number of subjects.



Prof. Garg was accompanied during his visit to Trilokpuri by Shri K.C. Choudhary, General Secretary and Dr. M.S. Ranawat, Vice President, Indian

vocational training in the lifelong learning centre and gifts to first three top scorers.

The participants presented cultural programme which included dance,



songs and skit. One of the participants recited a poem titled "Aao Aao Dekhen Aaj Bharat Kitna Azad Hai" written by her.

Adult Education Association. All the three have handed over course completion certificates to the participants who have successfully completed the

Teaching Spoken English to Neo-literates

This is the English translation of a song "Kahani Geet" from the talking comic book (under print) "Meri Bi Suno" which is enthusiastically sung in Hindi by the adolescent boys of SPYM Sahyog de addiction centre. Through the song, we are trying to teach spoken English, a felt need expressed by the boys. The words highlighted are translated in Hindi to familiarize the words and meanings of those words.

We will listen to stories and tell stories
We will read and write stories....
We will tell what happened and how
We will describe what we did
We will listen to stories and tell stories...

कहानी लिखेंगे, पढ़ेंगे हम
अपनी कलम में इतना है दम
मुश्किलों को हंसकर झेलेंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will tell our experience
Our pain will lessen
When we share our sorrows with others
We will listen to stories and tell stories....

कहानी लिखेंगे, पढ़ेंगे हम
अपनी कलम में इतना है दम
मुश्किलों को हंसकर झेलेंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will write and read stories
Our pen is so powerful
We will face all difficulties with smiles
We will listen to stories and tell stories....

कहानी लिखेंगे, पढ़ेंगे हम
अपनी कलम में इतना है दम
मुश्किलों को हंसकर झेलेंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will discover the magic of writing
We will collect pleasant memories
Through writing our own stories
We will listen to stories and tell stories...

कलम की करामात, जानेंगे हम
मीठी जो यादें संजो लेंगे हम
खुद अपनी कहानी लिखेंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will build relationships with people
We will learn to live together with others
We will listen to stories and tell stories
We will read and write stories....

लोगों से नाता, जोड़ेंगे हम
मिल जुलकर रहना सीखेंगे हम
कहानी सुनेंगे, सुनाएंगे हम
पढ़ेंगे, लिखेंगे कहानी को हम

मदुला सेठ

Farewell to Shri Vinod Madan



Shri Vinod Madan, Upper Division Clerk, Indian Adult Education Association retired from service on February 28, 2013. He served the organization 35 years.

Shri Madan was given farewell by the management and members of the staff which was attended by Prof. B.S. Garg,

President, Shri K.C. Choudhary, General Secretary and Dr. M. S. Ranawat, Vice President.

राधेश्याम की तीन बेटियाँ

राधेश्याम की तीन बेटियाँ
 राधेश्याम की तीन बेटियाँ (चिन्ता से)
 राधेश्याम की तीन बेटियाँ
 राधेश्याम की तीन बेटियाँ (गर्व से)
 बिन वारिस बिन सहारा
 बस पूर्ण विराम, वंश नाम,
 राधेश्याम तब विचारे यूँ,
 राधेश्याम हुआ बेचारा..... क्युं?
 अंजु, मंजु, संजु तीनों प्यारी बेटियाँ
 सुन्दर, कोमल, मक्खन मोम गोटियाँ,
 खूब खिलाता, खूब पढ़ाता
 पत्नी संग आनंद मनाता,
 कुंठित परिजन जपते एक ही नाम,
 हाय बेचारा राधेश्याम, हाय बेचारा राधेश्याम,
 तीनों जब कक्षाओं में अक्वल आती,
 गर्व से जगमग छाती फूल जाती,
 खुशियों से झूमता तब राधेश्याम।
 मैं राधेश्याम..... नहीं बेचारा, राधेश्याम
 चिकित्सक बन अंजु ने
 राधे अस्पताल बनाया,
 मंजु ने वित्तीय सलाहकार बन
 अपने क्षेत्र में नाम कमाया,
 संजु ने राधे प्रतिष्ठान बनाया
 जगमग चहुँ ओर हुआ नाम,

राधेश्याम राधेश्याम
 सुर बदले.....
 बेटियों ने जो कर दिखाया
 कुल वंश का नाम भी बढ़ाया,
 अब सब जपते, बस एक ही नाम.
 वाह राधेश्याम, जय हो राधेश्याम.....
 राधेश्याम की तीन बेटियाँ
 राधेश्याम की तीन बेटियाँ
 राधेश्याम की तीन लक्ष्मियाँ।

— प्रो. प्रभा पारीक
 रिसोर्स पर्सन,
 एसआरसी, भरुच

कन्या हूँ, नहीं अभिशाप हूँ

वह सिसकती कोख में
 माँ को पुकारे बार-बार
 क्यों मारती मुझको है तू
 मत कर अलग अपने से माँ
 मेरा कसूर बता सही
 कन्या हूँ, नहीं अभिशाप हूँ
 मत कर मुझे नफरत तू यूँ
 तेरा ही रूप और अंश हूँ
 दिखला दे कतरा रौशनी
 बाहर तू मुझको ले के आ
 दुनिया को बस इतना बता
 क्यों मारूँ, खता इसकी है क्या
 चाहती मैं देखना संसार को
 मेघ, तारे और जमीं आकाश को
 पूरी कर दूँ मैं तेरी हसरत सभी
 गम न मेरे जनम पर करना कभी
 मत घोंट इस आवाज़ को
 हिम्मत जुटा, साहस दिखा
 बेटि ही सरस्वती और लक्ष्मी
 इस सच को, सम्मान से सबको बता
 — कुसुम वीर

Farewell to Shri S.C. Dua



Shri S.C. Dua was given Farewell by the management and members of the staff of Indian

Adult Education Association on February 22, 2013. Shri Dua after retiring from service as Documentation Officer in June 2008 served the Association as Consultant and Senior Consultant upto January 2013.

The function was attended by Prof. B.S. Garg, President, Shri K.C. Choudhary, General Secretary and Dr. M. S. Ranawat, Vice President.

जीआरसी कीर्तिनगर ने निकाली महिला रैली

दिल्ली में कार्यरत तमाम स्त्रीशक्ति सुविधा केन्द्रों (जेण्डर रिसोर्स सेण्टर), द्वारा गत 7 मार्च 2013 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला रैली निकाली गयी। इन रैलियों में हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।



इस अवसर पर स्त्रीशक्ति सुविधा केन्द्र (जेण्डर रिसोर्स सेण्टर), कीर्तिनगर द्वारा भी एक महिला रैली निकाली गयी जो प्रातः 11:30 पर मानसरोवर गार्डन से प्रारंभ हो कमला नेहरू कैम्प पर जा समाप्त हुई। रैली में तकरीबन 150 महिलाओं ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित किसी महिला रैली में ये महिलाएं पहली बार भाग ले रही थीं। स्वाभाविक ही उनके मन में इस दिन की महत्ता के बारे में अनेकों सवाल थे। रैली के प्रारंभ में ही प्रतिभागी महिलाओं ने जीआरसी कार्यकर्ताओं से इस संबंध में जानना चाहा जिसे कार्यकर्ताओं ने विस्तार से बताया। जीआरसी कार्यकर्ताओं ने न केवल इस दिन की महत्ता के बारे में बताया बल्कि उन्होंने यह आग्रह भी रखा कि इस दिवस का उपयोग महिलाएं स्वयं को एकजुट कर अपनी समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं।

रैली में महिलाएं महिला सशक्तीकरण से संबंधित प्लेकार्ड लेकर चल रही थीं और साथ ही साथ नारे भी लगा रही थीं।

ANTARDHVANI - Cultural Festival of University of Delhi

The University of Delhi organizes cultural festival named ANTARDHVANI every year to showcase the talents, achievements, innovations and best practices of the scholars to enable others to see and emulate the knowledge and experience. The university departments are allotted separate stalls in which exhibits are displayed. This year the festival was organized in the Commonwealth Ground (University Ground) for three days from February 22-24, 2013. For the first time the Department of Adult Continuing Education & Extension (ACEE), University of Delhi participated in this cultural event and displayed a large number of folders, models, research findings and audio-visual programmes depicting the achievements and best practices adopted in the field of adult and lifelong learning by the research scholars. It

also displayed various products crafted/produced by transgender community, sex workers and the beneficiaries of gender resource centres. The focus of the materials showcased was mainly on community intervention and extension.



Prof. Dinesh Singh, Vice Chancellor visited the ACEE stall and interacted with the scholars. He desired them to develop academic programmes in Lifelong Learning and professional course on Counselling and Guidance, especially for youth.

Dr. Rajesh, Head of the Department of Adult Continuing Education & Extension with the active support of Dr. V.K Dixit, Dr. Bani Bora, Dr. Jitendra Mishra, Shri Aslam, Shri Pramod Kumar, Shri Biresch Pachisia and Shri Albert Abraham made the department's stall as informative as possible.



Asian Literacy Conference – 2013

Indonesian Reading and Writing Association (Perhimpunan Baca Tulis Masyarakat Indonesia/PBTM) in coordination with International Reading Association (IRA) is organizing Asian Literacy Conference - 2013 at The Grand Santhi Hotel, Jl. Patih Jelantik 1, Denpasar, Bali, Indonesia from September 5-7, 2013. The theme of the conference is **Literacy, Culture and Technology: From Local to Global Perspectives** and will explore approaches, issues and questions related to literacy, culture and technology in language teaching.

Scholars, Teachers, professionals and others interested in literacy and language education may send abstract and/or paper on the following topic areas:

1. Approaches and Methods in Literacy and Language Teaching and Learning.
2. Material Development in Literacy and Language Teaching.
3. Assessment in Literacy and Language teaching and Learning.
4. Technology's Assisted Language and Literacy Teaching and Learning
5. Teacher's Professional Development
6. Integrative Local Curriculum and Instruction
7. Language and Literacy Learning Across Age Level (Children, Teens, Adults or Early Learners)
8. Literature and Culture in Language and Literacy Teaching and Learning (Short Stories, Drama or Poems in Teaching Language and Literacy)

Important Dates

- Abstract submission deadline : April 30, 2013
- Acceptance Notification: June 15, 2013
- Full paper deadline: August 1, 2013

Abstract and Paper Submission

Abstracts sent must meet the following criteria:

1. They should be within the topic areas
2. They should be written in Bahasa Indonesia/Indonesian or English in 150 – 200 words with a title not exceeding twelve words and 75–100 words bio-data. Abstract outside the word limit will not be accepted.
3. They should indicate the type of presentation (paper 30' ; workshop 60' ; poster)
4. They should be submitted online to:
hjmaruanaya@yahoo.com,
misternyoman@yahoo.com,
irenetalakua@yahoo.com
5. For the paper to be published in the conference proceedings, please submit a soft copy of the full paper selected for the conference no later than August 1, 2013. Should this fail, the committee reserves the right to withdraw the paper from the proceeding.

Email: to either one of the e-mails addresses mentioned in point 4

Email subject: 2013 ASIAN LITERACY CONFERENCE PAPER – your name

File name: PAPER 2013_your name

To participate in the conference the fee is as per the following:

- Public participants – IDR 600,000 (before August 13)/IDR 750,000 (after August 13)
- PBTM Members – IDR 600,000
- Overseas Participants – US\$ 100 (before August 13)/ US\$ 150 (after August 13)

Payments should be transferred to Bank Central Asia (BCA) Ambon, (Acc.Name) Irene Talakua & Stella Que, (Acc. No.) KCU AMBON 0440717021



Dayananda Das is no more

Shri Dayananda Das, Former Director, Rourkela JSS expired on March 7, 2013 at Rourkela. He served in JSS from March 16, 1982 to February 28, 2009. He was an active Secretary of Rourkela Saksharta Samiti since inception and steered the Total Literacy Campaign, Post Literacy and Continuing Education Programmes in Rourkela upto 2004. He was an active member of a number of socio-cultural organizations and NGOs.

Shri Dayananda Das was born at Chikkalavasa, Srikakulum district, Andhra Pradesh on February 9, 1949. He had his school education in Ranihat High School, Cuttack, Odisha and MA in History from University of Delhi.

Shri Das before joining Jan Shikshan Sansthan (then Shramik Vidyapeeth) served as Research Assistant in Centre of Study of the Developing Society, New Delhi, Junior Research Assistant in Indian Institute of Education Pune, Research Assistant in Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and Administrative Officer in Asian Workers Development Institute, Rourkela.

The Indian Adult Education Association conveys heartfelt condolences to the members of the bereaved family and prays for the departed soul to rest in peace.

SRC Visakhapatnam: Capacity Building Training Organized

State Resource Centre, Visakhapatnam organized a two day capacity building training for the personnel of six Jan Shikshan Sansthan

-Visakhapatnam, Ongole, Guntur, Eluru, Vijayawada and Tirupathi on February 20-21, 2013. In all 25 personnel including the Directors participated.

The objective of the training programme was to strengthen various personality traits and improve the communication skills of the officials. The deliberations held on the first day of the programme were primarily focused on personality development which was discussed in detail by the resource person Shri B.V. Sathya Nagesh, a reputed hypnotist and Personality Development



Specialist from Hyderabad while the discussion on the second day was focused on improving interpersonal communication skills and team building. The resource person was Shri Bhavaraju Subbarao, Consultant in Thinksoft Consultants Pvt. Ltd., Hyderabad. He explained the nuances of communication skills and their impact on personal and professional relation building.

After the training programme was over the participants visited JSS Visakhapatnam and interacted with the staff members on various aspects of programme planning and implementation. They had a brief discussion with Smt. Y.N. Jayaprada, Chairperson of JSS who is also the Secretary, ZLSS, Visakhapatnam.



Vocational Courses Conducted by ASRA

Aid, Shelter and Respect for Aged (ASRA) is a registered voluntary organization working for the welfare of the underprivileged in New Delhi from the year 2009. As part of its activities vocational training programmes are conducted in different trades which included Computer, Garments Making and Cloth Bags Making.



The computer training course started on December 1, 2012 with 10 students is progressing well. Price Water House

Coopers supported ASRA with 3 computers for the training programme and Microsoft, Noida not only provided study materials to the students but also trained the computer teacher. The evaluation of learning outcome of this course is proposed to be conducted shortly.



Garments Making course is conducted in collaboration with the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) in which 20 women belong to SC, ST, OBC and BPL families are trained in Cutting, Tailoring and Fashion Designing. The course curriculum includes production, sales and marketing and entrepreneurship.

Cloth Bag Making course is supported by Rotary Club of Delhi South. So far two batches have been trained and the bags made during the training programme were purchased by the Rotary Club itself.

- Kusum Vir
Director, ASRA

IAEA NEWSLETTER

Form IV

1. Place of Publication	Indian Adult Education Association 17-B, Indraprastha Estate New Delhi - 110 002
2. Periodicity of	Monthly Publication
3. Printer's name Nationality Address	Dr. Madan Singh Indian 17-B, Indraprastha Estate New Delhi - 110 002
4. Publisher's name Nationality Address	Dr. Madan Singh Indian 17-B, Indraprastha Estate New Delhi - 110 002
5. Editor's name Nationality Address	Dr. Madan Singh Indian 17-B, Indraprastha Estate New Delhi - 110 002
6. Name and address of individuals who own the newspaper and partners or shareholders, holding more than one percent of the total capital	Indian Adult Education Association 17-B, Indraprastha Estate New Delhi - 110 002

I, Dr. Madan Singh, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Dated: 28-3-2013

Sd/-
Dr. Madan Singh
Signature of Publisher



Aggarwal, J C. **Development of education system in India.** Delhi, Shipra, 2012: 422p.

This book includes a comprehensive survey and analysis of the development of education system in India from the Vedic times to the modern times. The book is divided into six segments – education in ancient India; education in medieval India; education in India during of the British period; education in Post independence era; contemporary educational problems and issues and education statistics.

Burton, Diana and Bartlett, Steve. **Key issues for education researchers.** Delhi, Sage, 2009: 192p.

Doing a small-scale research project is a compulsory element of an Education Studies degree. This book will guide and support students through their research, offering practical advice on designing, planning and completing the research, collecting and analysing data and on writing up. It outlines the philosophical approaches underpinning research together with the key concepts and current debates in education research. Chapters cover: Research paradigms, Ethical approaches to research, Research methods including interviewing, questionnaires, observation and experiments, Research diaries and personal biography and Writing up your research.

Chauhan, Sandeep. **Research methodology in education.** Delhi, Pearson Education, 2012: 346 p.

This book explains the basic principles of educational research. It covers aspects like identification of a problem, review of related literature, the core aspect of forming a hypothesis and preparing a research design for the completion of the project. The book also gives an overview of various sampling techniques, data

collection, standardization and data analysis.

Deepak Chawla and Sondhi, Neena. **Research methodology: concepts and cases.** Delhi, Vikas, 2011: 670p.

This book provides a comprehensive and stepwise understanding of the research process with a balanced blend of theory, techniques and Indian illustrations from a wide cross-section of business areas.

Every chapter is illustrated with business problems related to all domains—marketing, finance, human resource and operations. It covers all topics taught in universities and business schools. It included 35 real-time cases researched from all domains of business management and explicit instructions on usage of SPSS for data analysis. The book provides thorough and simplified understanding of the step-wise progression of the research process and two comprehensive cases encompassing the entire syllabus of all universities and business schools in India.

Government of India. **India 2013.** Ministry of Information Broadcasting, Publication Division, 2013.

India 2013, A Reference Annual, gives a comprehensive view of country's progress in the field of rural and urban development, industry and infrastructure, science and technology, art and culture, economy, health, defence, education and mass communication. It also incorporates sections on general knowledge, current affairs, sports and important events. It is a rich source of authentic and definitive data.

Jung, Insung; Wong, Tat Men and Belawati, Tian. **Quality assurance in distance education and e-learning: Challenges and solutions from Asia.** Delhi, Sage, 2013: 336 p.

It documents the existing regulatory framework covering quality assurance (QA) systems in distance education (DE) in a number of Asian countries. It draws on the knowledge and experience of 16 selected DE/e-learning institutions of Asia and

reveals the respective development of QA systems and procedures within these providers/programmes.

The endeavour towards developing QA systems through various stages of testing and development is in response to the growing public concern for the quality of DE as well as staff aspirations for quality. This book, through the selection of cases from the aforementioned institutions, covers a wide range of QA systems and perspectives of quality in DE. These cases present good practices in QA for DE/e-learning, analyse challenges in assuring the quality of DE products and services, offer possible solutions to meet those challenges, and present lessons for other DE providers.

Sharma, Suresh K. **The growth and development of education (2 Vols.).** Vista International, 2012.

In ancient India educationists laid stress on the development of reason nine faculties of young scholars through an encyclopaedia curriculum. Blind memory work was discarded. In the Mahabharata a pedant is subject to an/adverse criticism when he is compared to a spoon. Lord Buddha also criticized blind memory work. Yaska, the earliest commentator of the Rig Veda also condemned blind memory work. The importance of memory work through understanding was not minimized. Improved technique of teaching was devised to cultivate memory through intelligent understanding. Citizenship was also stressed as an objective of education in ancient India. Members of the twice-born caste were trained to discharge their duties to selves and society both as leaders and followers through an ideal programme of education. The educational programme of the Brahmins was highly philosophical and less practical for the discharge of their duties as leaders in society.

– Compiled by Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaeaindia.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.4

Re. 1 per copy

April 2013



Indian Adult Education Association

Stakeholders' Consultative Meet at Mamallapuram



Cooperation and Paris Communique on scaling-up of Literacy (Chairman: Prof. Denzil Saldanha, Presentation by: Smt. Manavi Tripathi).

4. Vision and Action Plan for Collaboration between Universities and NLMA (Chairman: Prof. Denzil Saldanha, Presentation by: Dr. Rajesh).
5. Open House (Chairman: Dr. V. Mohankumar)

The Background papers prepared by Dr. L. Mishra and circulated to the participants well in advance facilitated quality discussion.

The participants during the deliberations supported whole heartedly for a separate legislation on adult education and the rationale given were:

1. So many countries already have such a legislation
2. To formally & legally recognize adult education as an alternative stream of education
3. To make adult education policy and system rather than individual driven
4. India's commitment to international framework
5. To systematize and regulate adult education as so far it is in unorganized sector
6. To provide legitimacy to

A two day Stakeholders' Consultative Meet on New Vision, International Obligations and Legislation for Adult Education was organized by National Literacy Mission Authority at Hotel Tamil Nadu Beach Resort Complex, Mamallapuram (Mahabalipuram) on March 24-25, 2013. In all 45 persons attended representing Planning Commission of India, MHRD, NIOS, SLMAs, Universities,

(NLMA) which was followed by academic sessions. In each session paper relating to the topic chosen was presented by an expert with brief comments by panelists on dais which was followed by general discussion. The topics discussed in the sessions were:

1. 12th Five Year Plan Recommendations on re-engineering of Adult Education and need for a Legislative Framework (Chairman: Dr. S.S. Jena, Presentation by: Shri Jagmohan Singh Raju).
2. Enhanced International Cooperation with reference to CONFITEA VI (Belem Framework for Action) and Literacy Initiative for Empowerment (LIFE) (Chairman: Mr. Alisher Umarov, Presentation by: Shri Prem Chand).
3. Enhanced International Cooperation with reference to Abuja Framework for Action and



Unesco, NGOs, SRCs, TCS, IIM, IRM and EdCIL. The meeting started with the welcome address by Shri S.P.S. Sangwan and inaugurated by Shri Jagmohan Singh Raju, Joint Secretary (AE) and Director General

- indigenous knowledge systems and traditional knowledge
7. To offer the right to basic education (equivalent to 8 years) to every citizen above the age of 14 years
 8. Legislation will lead to augmentation of resources including human, financial and academic
 9. It will unlock the demographic dividend and create global competitive advantage for India
 10. It will create competition in education sector which will lead to excellence
 11. Legislation will ensure accountability of all stakeholders to provide basic education which will lead to learning society
 12. Inclusion, equity and sustainable development
 13. Institutional and implementation framework

The concluding session was presided over by Smt. Sanjukta Mudgal and addressed by Shri S. Ramakrishna. The vote of thanks was given by Shri Manik Mandal.



The NIOS has been organizing a series of lectures by eminent persons to celebrate its Silver Jubilee Year. As a part of this endeavour, a lecture on "Reflecting on Open Educational Practices" was delivered on April 1, 2013 by Dr. Som Naidu, Associate Professor and Director of Learning and Teaching, Charles Sturt University, NSW, Australia, at NIESBUD, NOIDA.

Dr. Kuldeep Agarwal, Director (Academic), NIOS welcomed the gathering and introduced the speaker.

Explaining the concept of 'Open Learning' as that which enables access to education, Dr. Som Naidu spoke about big game changers in this area such as the rising

phenomenon of MOOCs (Massive Open Online Courses) which is transforming education; Open Educational Resources (OER) which provides teaching, learning and research materials in varied formats; Open University which is a virtual collaboration of like-minded institutions creating flexible pathways for OER learners to gain formal academic credit; producing videos to reinvent education which are freely available on the web and Open Badges which are records of achievement signifying accomplishments such as completion of a project, mastering of a skill or marks of experience.

Dr.S.S.Jena, Chairman, NIOS in his address, appreciated the fact quoted by Dr.Naidu that 'distance education gave birth to the instructional designer' and hoped that a credible Open Schooling System would be built in the years to come, by using the big game changers.

Shri. U.N.Khaware, Secretary, NIOS proposed a vote of thanks.

राजस्थान राज्य शाखा द्वारा महिला उत्पीड़न एवं समाधान पर परिचर्चा

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की राजस्थान राज्य शाखा एवं लॉयन एरिस्ट्रोकेट क्लब उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व महिला दिवस के अवसर पर गत 8 मार्च 2013 को एक महिला परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसका विषय था "महिला उत्पीड़न एवं समाधान"। परिचर्चा में लगभग 45 लोगों ने भाग लिया।

परिचर्चा की अध्यक्षता भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली की सह-सचिव श्रीमती इन्द्रा राजपुरोहित ने की। मुख्य अतिथि जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुल प्रमुख श्री भंवरलाल गुर्जर

तथा विशिष्ट अतिथि लॉयन्स क्लब की सदस्य डॉ. सुनिता सिंह थीं। कार्यक्रम का संयोजन राज्य समन्वयक श्री श्यामसुन्दर नन्दवाना द्वारा किया



गया। वर्धमान महावीर कोटा विश्वविद्यालय की प्रो. दामिनी चौधरी ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। परिचर्चा के दौरान डॉ. निलिमा

आर्य, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. अनिता शुक्ला, डॉ. सुमन पामेचा, डॉ. निलम कौशिक, डॉ. एस.के. मिश्रा तथा श्री मलय पानेरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सभी वक्ताओं का मानना था कि महिलाओं के प्रति अपनी मानसिकता में बदलाव लाकर ही हम महिला उत्पीड़न को रोक सकते हैं। सभी ने कहा कि सामाजिक एवं आर्थिक रूप से महिलाओं को आत्मनिर्भर बना कर ही समाज में उनके आत्म सम्मान को सुनिश्चित किया जा सकता है।

— घनश्याम सिंह भीण्डर
जनसम्पर्क अधिकारी

प्रौढ़ शिक्षा संघ के आंचलिक कार्यालय, महू द्वारा व्यावसायिक क्षेत्र में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका पर संगोष्ठी



मार्च 9, 2013 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के आंचलिक कार्यालय, महू द्वारा आशा कला केन्द्र, महू के सहयोग से 'प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय आवश्यकताएं और संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन जिला पंचायत इन्दौर के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाशजी परसावदिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने जिला पंचायत द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वावलम्बन को लक्ष्य बनाकर इन योजनाओं को क्रियान्वित करना होगा और इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करने होंगे। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता श्री मृगाल

पंत ने विभिन्न कृषि उद्योगों में बिचौलियों द्वारा किए जाने वाले शोषण का जिक्र करते हुए लघु उत्पादकों के संगठन पर बल दिया। उन्होंने युवा उद्यमियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए युवाओं को स्व-रोजगार की ओर अग्रसरित होने के लिए प्रेरित किया।

प्रख्यात समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री गीता लखवानी ने कहा कि प्रौढ़ एवं अन्य शिक्षा माध्यमों द्वारा महिलाएं शिक्षित तो हो गयी हैं, किंतु रोजगार के अवसर न मिल पाने के कारण बेरोजगारी की स्थिति आज भी बनी हुई है, ऐसी स्थिति में उन्हें स्वरोजगार की ओर उन्मुख होना होगा। उनका कहना था कि महिलाओं को छोटे-छोटे उद्योग

आरंभ कर उपार्जन करने की ओर अग्रसर होना चाहिए।

कार्यक्रम के आरंभ में श्री चम्पालाल यादव, उपाध्यक्ष आशा कला केन्द्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य लोगों में कौशल का विकास कर जीवन को समृद्ध बनाना है। इसके अंतर्गत क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप संभावनाओं की तलाश करनी होगी।

संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय

प्रौढ़ शिक्षा संघ के महासचिव श्री कैलाश चौधरी ने की। उन्होंने छोटे स्तर पर हो रहे व्यापक शोषण के विरुद्ध संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। श्री चौधरी का मानना था कि शोषण श्रृंखला को तोड़ने के लिए लोगों को प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है।

आभार संस्था के सचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय समन्वयक श्री राजेश चौधरी ने किया।

Samkaleen Hindi Kavita: Vyangya Aur Shilp



(From L to R)
Anita Dubey,
Usha Rai,
Sudhakar Abib,
Suraj Bahadur
Thapa, Usha
Sinha

A book in Hindi written by Dr. Usha Rai on satire titled 'Samkaleen Hindi Kavita: Vyangya Aur Shilp' was released at Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lucknow on April 16, 2013 by Shri Naresh Saxena, a known satirist in the presence of Dr. Anita Dubey, Dr. Sudhakar Abib, Director, UP Hindi Sansthan, Professor Suraj Bahadur Thapa and Professor Usha Sinha of Lucknow University. The writer in this book has highlighted sarcasm and satire connecting with contemporary world which is full of paradoxes, irony and alienation.

Dr. Usha Rai is the Life Member of Indian Adult Education Association.

Stree Shakti –Suvidha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre conducts a number of activities for the community.

गत 5 से 30 मार्च 2013 के दौरान स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर के द्वारा स्थानीय समुदाय के उत्तरोत्तर विकास के लिए 14 विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया गया। इनमें से 3 कार्यक्रम स्वास्थ्य, 7 कार्यक्रम न्यायिक जागरूकता तथा कानूनी सहयोग, 2 कार्यक्रम वाटसन कैंप तथा एक-एक कार्यक्रम क्रमशः पोषण तथा विश्व जल दिवस से संबंधित थे।

वाटसन कैंप



5 मार्च 2013 को बी ब्लॉक, जवाहर कैंप इलाके में अयोजित वाटसन कार्यक्रम में कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर जीआरसी के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री तौशिफ अहमद तथा अन्य कम्युनिटी मोबिलाइजर उपस्थित थे। कार्यक्रम मुख्यतः पेयजल शुद्धिकरण तथा स्वच्छता पर केन्द्रित था। वक्ताओं ने उपस्थित प्रतिभागियों को पेयजल शुद्धिकरण के विभिन्न विधियों तथा सैनिटेशन

से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। इसी प्रकार का एक और वाटसन कार्यक्रम कीर्ति नगर इलाके में 15 मार्च 2013 को भी आयोजित किया गया जिसमें 29 महिलाओं ने भाग लिया।

पोषाहार शिविर



11 मार्च 2013 को रेशमा कैंप इलाके में एक पोषाहार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संदर्भ व्यक्ति के तौर पर सुश्री सुनिता रानी उपस्थित थीं। कार्यक्रम मुख्यतः गर्भवती महिलाओं के लिए आवश्यक समुचित आहार पर केंद्रित था जिसकी पूर्व सूचना स्थानीय इलाके के लोगों तक पहुंचाई गयी थी। फलस्वरूप कार्यक्रम में 32 महिलाओं ने भाग लिया जिसमें कई गर्भवती महिलाएं भी शामिल थीं। संदर्भ व्यक्ति सुश्री सुनिता रानी ने प्रतिभागियों को गर्भधारण से लेकर बच्चे के एक वर्ष आयु प्राप्त करने तक महिला को अपने तथा अपने बच्चे के आहार में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की। सुश्री रानी ने बताया कि आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए तथा विटामिन डी ऐसी महिलाओं के आहार का नियमित अंग होना चाहिए।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम

13 मार्च को ए-ब्लॉक, चूना भट्टी में बलात्कार पीड़िता द्वारा उठाये जाने वाले आवश्यक कदम, 16 मार्च को एफ-ब्लॉक, कमला नेहरू कैंप में निजी सुरक्षा से संबंधित न्यायिक जानकारी, 23 मार्च को सी-ब्लॉक, चूना भट्टी में शिक्षा का अधिकार, 28 मार्च को कीर्ति नगर में बालश्रम संबंधित अधिनियम, 30 मार्च 2013 को डी-ब्लॉक, चूना भट्टी इलाके में



बाल विवाह संबंधित विधिक जानकारी आदि विषयों पर न्यायिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः 25, 20, 26, 32 तथा 53 लोगों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर सुश्री रागिनी एस. राज, अधिवक्ता योगेश कुमार मेहरा, अधिवक्ता वन्दना भाटिया, न्यायाधीश स्मिता गर्ग, न्यायाधीश पूरनचंद, सुश्री कल्पना कौशिक, सहायक निदेशक, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ तथा प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री तौशिफ अहमद ने भाग लिया।

न्यायिक सुझाव तथा सहयोग कार्यक्रम

20 और 30 मार्च को मानसरोवर गार्डन में घरेलू हिंसा से पीड़ित कई महिलाओं को न्यायिक सुझाव तथा सहयोग प्रदान करने के लिए लीगल कॉउंसिलिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोनों ही कार्यक्रमों में विधिक सहयोग प्रदान करने के लिए डेलसा (Delhi Legal Services Authority) से संबंधित अधिवक्ता सुश्री वन्दना भाटिया उपस्थित हुईं। सुश्री भाटिया ने कानूनी सहयोग प्राप्त करने की इच्छा से आयी प्रतिभागियों को समुचित सुझाव प्रदान किया।

स्वास्थ्य शिविर

14 मार्च को कीर्ति नगर स्थित बस्ती विकास केन्द्र में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया



जिसमें महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलू श्रीवास्तव, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी मंचनदानी तथा दंत चिकित्सक डॉ. दीपमाला उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान 200 से भी ज्यादा व्यक्तियों ने संबंधित रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त की। फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा ने पूरे समय उपस्थित रहकर लोगों को आवश्यक दवाईयां प्रदान की।

22 मार्च को कीर्ति नगर तथा 28 मार्च को एफ-ब्लाक, कमला नेहरू कैंप में स्वास्थ्य शिविर के तहत ओपीडी लगाये गये जिसमें क्रमशः 68 तथा 59 महिलाओं ने चिकित्सीय सुझाव प्राप्त किए। दोनों ही



दिन डॉ. नीलू श्रीवास्तव तथा फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा पूरे समय उपस्थित रहे। डॉ. श्रीवास्तव ने 22 मार्च को 1 तथा 28 मार्च को 12 महिलाओं को ओपीडी से चिकित्सा कराने का परामर्श दिया।

विश्व जल दिवस समारोह

25 मार्च को संत निरंकारी ट्रस्ट, चूना भट्टी में जीआरसी द्वारा विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छ पेय जल की महत्ता तथा स्वच्छता की अनिवार्यता को रेखांकित करने तथा इस संबंध में स्थानीय निवासियों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 100 महिलाओं सहित तकरीबन 150 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर प्रख्यात जादूगर श्री इकबाल पाशा, श्रीमती कल्पना कौशिक,



सहायक निदेशक, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ तथा जीआरसी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों में पेयजल की स्वच्छता संबंधित जागरूकता उत्पन्न करने के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, महिलाओं में आपसी संवाद तथा श्री इकबाल पाशा द्वारा आकर्षक एवं अचंभित कर देने वाले जादू का प्रदर्शन किया गया।

अमृत महोत्सव में पुनः रेखांकित हुई हिंदी की महत्ता

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के 75 साल पूरे होने पर गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन समिति के सहयोग से राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का अमृत महोत्सव मनाया गया। 16-17 मार्च 2013, गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली के सभागार में आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में देशभर के विद्वानों के साथ भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के महासचिव श्री कैलाश चौधरी, सहायक निदेशक श्रीमती कल्पना कौशिक तथा श्री बी. संजय, कार्यक्रम अधिकारी ने भी भाग लिया।

महोत्सव का उद्घाटन केन्द्रीय गृह मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा किया गया। समापन समारोह लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती सुषमा स्वराज की गरिमामयी उपस्थिति में समपन्न हुई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अध्यक्ष और न्यायाधीश चंद्रशेखर धर्माधिकारी ने की। सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रस्तावना श्री कैलाश चंद्र पंत ने प्रस्तुत की। विदित है कि श्री पंत भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के आजीवन सदस्य भी हैं। दो दिन चले इस महोत्सव में विद्वानों ने सर्व सम्मति से स्वीकार किया कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं के बीच अंतरसंबंध बनाने में बेहतर भूमिका निभा सकती है।



आजीवन शिक्षा केंद्र त्रिलोकपुरी में परीक्षाओं का आयोजन



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा त्रिलोकपुरी में चलाये जा रहे आजीवन शिक्षा केंद्र में 2 अप्रैल 2013 को ब्यूटी कल्चर एवं हैल्थ केयर के आठवें बैच तथा सिलाई एवं कटाई के सातवें बैच के छात्राओं के लिए प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाएं आयोजित की गईं। ब्यूटी कल्चर एवं हैल्थ केयर की प्रयोगात्मक परीक्षा में प्रशिक्षक द्वारा शिक्षार्थियों से उनके विषय से संबंधित विभिन्न कार्य जैसे फेशियल, आईब्रो, थ्रेडिंग, ब्राइडल मेकअप, आदि कराये गये ताकि उनकी प्रयोगात्मक दक्षताओं को आंका जा सके। मौखिक परीक्षा के दौरान शिक्षार्थियों से संघ की सहायक निदेशिका श्रीमती कल्पना कौशिक द्वारा उनके विषय से सम्बंधित अनेक मौखिक प्रश्न पूछे गये और उनकी दक्षता को आंका गया।

सिलाई के छात्राओं को प्रयोगात्मक परीक्षा के



दौरान 5-5 के दो वर्गों में विभाजित कर बच्चों के कपड़े सिलने का कार्य दिया गया। उन्हें कई तरह की पोशाक सिलने को कहा गया। इसके लिए उन्हें दो घण्टे का समय दिया गया था। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सिले गये कपड़े स्पष्ट बता रहे थे कि उन्होंने बेहतर हुनर प्राप्त किया है।

दोनों ही वर्गों की सैद्धांतिक परीक्षाएं 5 अप्रैल 2013 को लिखित रूप में ली गईं।

Workshop on Counselling Skills for Street Educators

The Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Delhi in collaboration with the National Institute of Social Defence, Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India organized a five days National Workshop on Counselling Skills for Street Educators from March 30 to April 3, 2013 at International Guest House, University of Delhi.

The participants of this workshop were from voluntary organizations functioning in Bihar, Haryana, Madhya Pradesh, NCT of Delhi, Punjab, Rajasthan and Uttar Pradesh. In all 40

persons participated in the workshop.

The workshop was inaugurated by Prof. Anand Prakash, Dean, International Relations, University of Delhi and also took a session on Communication Skills in the academic session. In subsequent sessions the participants had an opportunity to interact with a number of resource persons who are experts/subject specialists working in various fields. They were Dr. R. Giriraj, National Institute of Social Defence, Prof. B.T. Kaul, Faculty of Law, Dr. V.K. Dixit, Associate Professor, Dr. Shankar Choudhary, formerly of Unesco New Delhi, Shri Vijay, Plan International, Dr. J. K.

Mishra, Joint Director, Delhi Government, Dr. Bani Bora, Vishwa Yuva Kendra, Dr. V. Mohankumar, Director, Indian Adult Education Association and Research Scholars Shri Promod Kumar, Shri Santosh Kumar Kappu and Ms. Neha Kumari. The interaction was more on meaning of Counselling, Need for



Counselling, Skills of Counselling and Role of Voluntary organizations.

In the workshop the participants had an opportunity to show their skills through Role Play, Group-work and Individual presentations. They also visited institutions as part of field visit.

On the fifth day of the workshop the concluding session was addressed by Prof. Ajaib Singh, Member, National Commission for Minorities and Dr. R. Giriraj National Institute of Social Defence.

The workshop was planned and conducted by Dr. Rajesh, Head, Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Delhi.

International Conference on Innovative Pedagogy



A two days International Conference on "Innovative Pedagogy in Higher Education for the Millennial Teachers" was organized by the Department of Education, University of Madras on March 15-16, 2013 with the objective of generating ideas for millennial teachers based on Teaching Strategies, Psychological Aspects of Teaching and Learning, Curriculum and Instructional

Design, Techno-pedagogy and Management of Higher Education. The participants were from different countries which included Bangladesh, Canada, Dubai, India, Sri Lanka and USA.

The conference was inaugurated by Prof. R. Thandavan, Vice Chancellor, University of Madras and Key Note Address was delivered by Prof. Cynthia Pandian, Vice

Chairperson, Tamil Nadu State Council for Higher Education. Others who spoke on the occasion were Dr. Keith C. Dicks, Educational Psychology and Curriculum Leader, Toronto, Canada and

Dr. G. Viswanathan, Founder and Chancellor, VIT University, Vellore. While Dr. V. P. Matheswaran, Head Incharge, Department of Education, University of Madras gave welcome address, Smt. C. Girija, Guest Faculty, Department of Education proposed vote of thanks.

In all 164 papers were presented on the following five themes in 14 technical sessions. Each of the themes was introduced by subject experts through Lead papers. The themes were:

1. Teaching Strategies
2. Psychology of Teaching and Learning
3. Curriculum and Instructional Design
4. Techno-pedagogy
5. Management of Higher Education

The concluding session was presided over by Dr. Kalpana Venugopal, Regional Institute of Education, Mysore while the valedictory address was given by Prof. D. Kumaran, Former Head of the Department of Education, University of Madras. Others present on the occasion were Dr. Fermin G. Castillo, Junior Associate Professor, University of Jazeera, Dubai and Prof. T. Kumaraswamy, S.V. University, Tirupati. Dr. V.P. Matheswaran presented the report of the conference and the vote of thanks was given by Smt. C. Vijayalakshmi, Guest Faculty of the Department of Education.



(From L-R) Matheswaran, Viswanathan, Thandavan, Cynthia Pandian, Keith C. Dicks

Capacity Building Training for JSS Staff and Resource Persons

JSS, Noida and Ghaziabad



Dr. V. Mohankumar and the second session was on **Right to Information** by Shri B. Sanjay. In between the sessions the participants were given an opportunity to play a game highlighting the importance of communication and participation.

The methods adopted by the resource persons were lecture, discussion, question-answer session and game. Power Point Presentations were used in all the



sessions and copies of the same distributed to the trainees.

In the concluding session the participants evaluated the training programme by giving their frank opinion about the topics of the academic sessions and delivery of the resource persons.

Vote of thanks was given by Shri George Joseph, Director, JSS, Ghaziabad.

JSS, Sivakasi

Jan Shikshan Sansthan, Sivakasi conducted two days Capacity Building Training Programme to the staff and vocational resource persons on March 21-22, 2013 in the JSS office at Rajapalayam. Around 30 persons participated in

the training. The main objective of this training was to strengthen and



develop the skills of the participants in the areas of Creative thinking, Motivation and Interpersonal relationship

Dr. Rosary Mary, Director, Department of Youth Welfare, Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli was the Chief Resource Persons in the training



programme. The curriculum was transacted in the academic sessions by the resource persons by adopting different training methodologies which included games, lecture, group work, question-answer, discussion, role play, power point presentation and personal life experience sharing.

The training programme was inaugurated by Shri.N.R.Subramaniraja, Managing Director, Jankiram Mills (P) Ltd. and Member of the Chamber of Commerce, Rajapalayam.

Smt. E.Vijayalakshmi, Director, Jan Shikshan Sansthan, Sivakasi planned and organized the training programme.

At the end of the training the participants evaluated the programme by giving their frank



opinion on the subjects and resource persons.

JSS, Kundrakudi

Capacity building training for staff and resource persons was jointly organized by Jan Shikshan Sansthan, Kundrakudi and the Department of Life Long Learning, Alagappa University from March 22, 27 and 28,



2013. Around 30 persons participated in the training. The resource persons were drawn from the Department of Education, Distance Education, Lifelong Learning and Women Development of Alagappa University who dealt the topics on survey of target groups, life and soft skills (Life Enrichment Education), teaching training skills, teaching-learning materials, maintenance of records and registers, learners' assessment.

The programme was inaugurated on the first day by Dr.K.Balakashnan, Chairman, JSS and addressed by Dr.S.P.Denisia, Principal, Alagappa College of Education and the valedictory session on the last day was presided over by Prof. Sethu. Sudalaimuthu, Vice Chancellor, Alagappa University. The valedictory address was given by His Holiness Shri Kundrakudi Ponnambala Adigalar, Founder Chairman of JSS who also distributed the certificates to the participants. The participants were also addressed by Prof.V.Manickavasagam, Registrar, Alagappa University, Dr. K. Balakashnan and Dr.S.P. Denisia.

While Prof. Dr.N.Arunachalam, Head, Department of Lifelong Learning gave welcome address, Shri M.Thiyagarajan, Director, JSS

proposed vote of thanks.

Dr.R.Rajan, Associate Professor, Department of Lifelong Learning, Alagappa University presented a detailed report of the training programme organized.

JSS, Madurai

Jan Shikshan Sansthan, Madurai in collaboration with Madurai Productivity Council organized a two day Capacity Building Training Programme for the staff and resource persons on March 12-13, 2013 at JSS office. The main topic selected for the training was "Human Skill and Office Management" under which the



resource persons spoke on communication skill and presentation skill, report writing and record maintenance, accounts and book keeping, self awareness and motivational skill and team building and interpersonal relationship.

The inaugural session of the training programme was presided over by Smt. Hepzibha Beula Punitha Jayarani, Vice Chairperson of JSS, Madurai and inaugural address was given by Smt. P. Natchiar, Chairperson, JSS, Madurai. Others addressed the participants were Dr. C. Muthuraja, Shri G. Subramanian and Shri R. Subbiah of Madurai Productivity Council.

The concluding address on the last day of the training programme was given by Shri S. Rajagopal, President, Madurai Productivity Council while Smt. Hepzibha Beula Punitha Jayarani presided over the function.



Shri G. Subramanian presented a detailed report of the training programme. Shri Y. Chellappa, Accountant, JSS welcomed the guests and Shri K. S. J. Rajkumar, Director, JSS proposed vote of thanks.

Ph.D. Awarded by University of Delhi



Shri Monoj Kumar Behera and Ms. Bani Bora, Scholars of the Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi have been awarded Ph.D during the 90th Annual Convocation of the University on March 19, 2013. The degrees were conferred on them by Prof. Dinesh Singh, Vice Chancellor, University of Delhi in the presence of the Honourble President of India Shri Pranab Mukherjee, who was the Chief Guest on the occasion.

Shri Monoj Kumar Behera received his Doctorate for his work on 'The Role of Technology in Promoting Reading Habits among Neo-Literates' while Ms. Bani Bora received the same for her work on 'Empowerment of Women through Gender Resource Centres in Delhi'.

The Indian Adult Education Association wishes both of them all success in the years to come.

Training on Mobilization and Management of Community Resources



The National Institute of Public Cooperation and Child Development (NIPCCD) organized a training programme on "Mobilization and Management of Community Resources for Voluntary Organizations" from April 8-12, 2013 at NIPCCD Headquarter, New Delhi. The major objectives of the training programme were to enhance the knowledge and understanding of the participants on the techniques for mobilizing and managing community resources; to reduce their dependency on donor agencies by developing necessary skills and awareness to adopt the techniques as a sustainable alternative for programme implementation; to enable them to manage their financial matters and funds and to provide information on legal framework for voluntary organizations.

Around 26 persons representing different voluntary organizations from Andhra Pradesh, Bihar, Chattisgarh, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Maharashtra, Madhya Pradesh, Orissa and Rajasthan have attended the training programme. Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director, IAEA was also one of the participants.

There were four sessions on each day to cover all important aspects which enabled the participants not only to gain the knowledge and

understanding of the topics but also enabled to acquire necessary skills to practice the same in their organizations/fields of operation. The resource persons were Dr. S.R. Sharma and Dr. S.C. Joshi, Assistant Directors, NIPCCD, Shri Subhasis Ray, Public Cooperation Division, Dr. B. Ramaswami, Director, RIAS Academy and a member Child Welfare Committee, Dr. Joginder Singh, President, Satya India, a NGO, Ms. Anupama Data, Director, HelpAge India, Shri Tara Chand Surya, Awsar India and Dr. Ashok Kumar Seth, Director (Finance & Operations), India Country Office, Plan India. The methods adopted by the resource persons were presentation, lecture, group discussion, question-answer session and field visit.

As part of the training programme the trainees visited the field programmes of Satya India, a leading NGO in the area of Community Development in Mayur Vihar, Phase - III to personally see how resource mapping is done.

The training programme was inaugurated on the first day by Shri Ashok Kumar, Additional Director, NIPCCD while the concluding remarks on the last day were given by Shri Bharat Kumar, Deputy Director, NIPCCD. All the participants received certificate of participation in the concluding session.

भारत ज्योति अवार्ड से सम्मानित हुए प्रोफेसर ए.एच.खान



गत 15 अप्रैल 2013 को 'आर्थिक विकास एवं राष्ट्रीय एकता' विषय पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार के एडल्ट एण्ड कंटिन्यूइंग एजुकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष, सचिव, इंटर फेथ फोरम तथा भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष प्रोफेसर ए.एच. खान को प्रतिष्ठित 'भारत ज्योति अवार्ड' से सम्मानित किया गया। तमिलनाडू तथा असम के पूर्व राज्यपाल डॉ. भीष्म नारायण सिंह के कर-कर्मलों द्वारा प्रदत्त इस सम्मान के तहत प्रोफेसर खान को 'भारत ज्योति अवार्ड' के साथ-साथ 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस' (उत्कृष्टता प्रशस्ति पत्र) भी प्रदान किया गया।

प्रोफेसर खान को यह सम्मान समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में उनके द्वारा प्रदत्त उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है। विदित है कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी प्रोफेसर खान यूनेस्को से सहबद्धता प्राप्त संस्थान 'इंटरनेशनल एसोशिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस' के बिहार राज्य के चांसलर भी हैं। देशभर ख्यासतौर से बिहार और गया - बोध गया एवं उसके पार्श्व-वर्ती क्षेत्रों में मानव अधिकार, अंतर-सामुदायिक संवाद, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता उत्पन्न करने की दिशा में प्रोफेसर खान द्वारा किये गये कार्य आज जग-जाहिर हैं।

Kahani Geet (Story Song)

This is the English translation of a song "Kahani Geet" from the talking comic book (under print) "Meri Bhi Suno" which is enthusiastically sung in Hindi by the adolescent boys of SPYM Sahyog de-addiction centre. Through the song, we are trying to teach spoken English, a felt need expressed by the boys.

कहानी सुनेंगे, सुनाएंगे हम
पढ़ेंगे, लिखेंगे कहानी को हम
हुआ क्या और कैसे, बताएंगे हम
किया क्या था हमने सुनाएंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will write and read stories
Our pen is so powerful
We will face all difficulties with smiles
We will listen to stories and tell stories.....

We will listen to stories and tell stories
We will read and write stories.....
We will tell what happened and how
We will describe what we did
We will listen to stories and tell stories...

कलम की करामत, जानेंगे हम
मीठी जो यादें संजो लेंगे हम
खुद अपनी कहानी लिखेंगे हम
कहानी सुनेंगे

We will discover the magic of writing
We will collect pleasant memories
Through writing our own stories
We will listen to stories and tell stories....

बीती जो हम पर, बताएंगे हम
दर्द हमारा हो जाए कम
दर्द अपना बाटेंगे हम
कहानी सुनेंगे

लोगों से नाता, जोड़ेंगे हम
मिल जुलकर रहना सीखेंगे हम
कहानी सुनेंगे, सुनाएंगे हम
पढ़ेंगे, लिखेंगे कहानी को हम

We will tell our experience
Our pain will lessen
When we share our sorrows with others
We will listen to stories and tell stories.....

We will build relationships with people
We will learn to live together with others
We will listen to stories and tell stories
We will read and write stories.....

कहानी लिखेंगे, पढ़ेंगे हम
अपनी कलम में इतना है दम
मुश्किलों को हंसकर झेलेंगे हम
कहानी सुनेंगे

मृदुला सेठ

Yuva Shakti Mela 2013

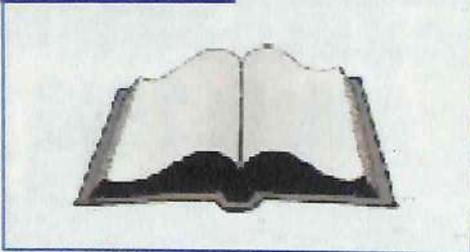


Every year the Department of Development Communication & Extension, Lady Irwin College, University of Delhi organizes Yuva Shakti Mela. This year it was organized on March 5, 2013 in which more than 200 students participated and around 300 persons visited the same. Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director, IAEA also attended the programme.

The Mela directly focussed on the need of families and communities to unite together for common causes and the stalls/counters focused on specific themes like mobilization, participation, gender equity, women's empowerment and sustainable development through interdisciplinary training and multi-faceted programmes.

The Chief Guest in the Mela was Dr. Rajesh, Head of the Department of Adult and Continuing Education, University of Delhi while Ms. Aparna Khanna, Associate Professor was the coordinator for all the arrangements.

(मार्च 2013 अंक में प्रकाशित उपरोक्त रचना के हिन्दी अनुवाद में पेज सेटिंग के दौरान कई पंक्तियों की पुनरावृत्ति हो गई थी। अशुद्धियों को दूर कर कविता पुनः प्रकाशित की जा रही है-संपादक)



Singh, Madhu. **Educational practice in India and its foundations in Indian heritage: a synthesis of the East and West?** Comparative Education, Vol. 49, Issue 1, 2013: pp. 88-106.

The paper examines education practice in India in terms of the division between indigenous cultures on the one hand, and the formal culture of learning and knowledge systems inherited from colonial times on the other. These 'two Indias' are still reflected in the modern educational system in India, seen in the vast differences between the formal school system, whose benefits reach only a minority of the population, and the millions of crafts-persons working in India's informal sector, many without education or training. The paper looks at reasons for these divisions within the culture and history of India's formal, non-formal and informal systems of education and training. The paper also throws light on the aspirations to unite these divided cultures of learning by looking at some of the writings of J.P. Naik, the famous educationist and secretary of the first Report of the Education Commission (1964-66) after India's independence. The analysis needs to be seen against the background of international educational thought which is improving the value, relevance and quality of non-formal and informal learning, as key pillars for building lifelong learning systems.

Malik, Khalid. **Human Development Report 2013: The rise of the South: Human Progress in a Diverse World.** New York, United Nations Development Programme, 2013: 203p.

The 2013 Human Development Report - 'The Rise of the South: Human Progress in a Diverse World' - examines the profound shift in global dynamics driven by the fast-rising new powers of the developing world and its long-term implications for human development.

China has already overtaken Japan as the world's second biggest economy while lifting hundreds of millions of its people out of poverty. India is reshaping its future with new entrepreneurial creativity and social policy innovation. Brazil is lifting its living standards through expanding international relationships and antipoverty programs that are emulated worldwide.

But the 'Rise of the South' analyzed in the Report is a much larger phenomenon: Turkey, Mexico, Thailand, South Africa, Indonesia and many other developing nations are also becoming leading actors on the world stage.

The 2013 Human Development Report identifies more than 40 countries in the developing world that have done better than had been expected in human development terms in recent decades, with their progress accelerating markedly over the past ten years. The Report analyzes the causes and consequences of these countries' achievements and the challenges that they face today and in the coming decades.

Each of these countries has its own unique history and has chosen its own distinct development pathway. Yet they share important characteristics and face many of the same challenges. They are also increasingly interconnected and interdependent. And people throughout the developing world are increasingly demanding to be heard, as they share ideas through new communications channels and seek greater accountability from governments and international institutions.

The 2013 Human Development Report identifies policies rooted in this new global reality that could promote greater progress throughout the world for decades to come. The Report calls for far better representation of the South in global governance systems and points to potential new sources of financing within the South for essential public goods. With fresh analytical insights and clear proposals for policy reforms, the Report helps chart a course for people in all regions to face shared human development challenges together, fairly and effectively.

Sahu, Pradip Kumar. **Research methodology: A guide for researchers in agricultural science, social science and other related fields.** Springer, 2013: 428 p.

The book presents 'RESEARCH', its meaning, intention and usefulness. It reflects current methodological techniques used in interdisciplinary research, as illustrated with many relevant worked out examples. Designing of research programme, selection of variables, collection of data and their analysis to interpret the data are discussed extensively. Statistical tools are complemented with real-life examples, making the otherwise complicated subject like statistics seem simpler. Attempts have been made to demonstrate how a user can solve the problems using simple computer-

oriented programme. Emphasis is placed not only on solving the problems in various fields but also on drawing inferences from the problems. The importance of instruments and computers in research processes and statistical analyses along with their misuse/incorrect use is also discussed to make the user aware about the correct use of specific technique. In all the chapters, theories are combined with examples, and steps are enumerated to follow the correct use of the available packages like MSEXCELL, SPSS, SPAR1, SAS etc.

Leighton, Seth and ICT in Education. **Asia Pacific Ministerial Forum on ICT in Education 2012: Outcome Document.** Bangkok, Unesco, 2012: 15p.

The Asia-Pacific Ministerial Forum on ICT in Education (AMFIE) was designed as an annual platform for policy-level knowledge exchange and dialogue, showcasing a number of promising models and experiences in developing, adapting and/or monitoring ICT in Education policies and practices in countries at different development levels. Participating high-level officials were invited to present specific needs and challenges that their countries face, opening up inter-directional dialogues to initiate or strengthen partnerships between emerging and high-performing countries. AMFIE 2012 represented the third in the series of forums. Organized by UNESCO Bangkok, Intel and Thailand's Ministry of Education, AMFIE 2012 ran under the theme "The Power of ICT in Education Policies: Implications for Educational Practices".

UN. **The Millennium Development Goals Report 2012.** New York, UN, 2012: 68p.

This report is based on a master set of data that has been compiled by an Inter-Agency and Expert Group on MDG Indicators led by the Department of Economic and Social Affairs of the United Nations Secretariat, in response to the wishes of the General Assembly for periodic assessment of progress towards the MDGs. The Group comprises representatives of the international organizations whose activities include the preparation of one or more of the series of statistical indicators that were identified as appropriate for monitoring progress towards the MDGs. A number of national statisticians and outside expert advisers also contributed.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh
Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.5

Re. 1 per copy

May 2013



Indian Adult Education Association

MoU Signed by EC and NLMA for Electoral Literacy

The Election Commission of India (EC) and National Literacy Mission Authority (NLMA), Ministry of Human Resource Development signed a Memorandum of Understanding (MoU) on May 21, 2013 on Electoral Literacy and Greater Participation for a Stronger and Inclusive Democracy at the headquarters of the Election Commission in New Delhi. The MoU was signed by Shri. Akshay Rout, Director General, Election Commission of India and Shri Jagmohan Singh Raju, Director General, NLMA in the august presence of Dr. M.M. Pallam Raju, Union Minister of Human Resource Development, Dr. Shashi Tharoor, Minister of State for Human Resource Development, Shri V.S. Sampath, Chief Election Commissioner, Shri H.S. Brahma and Dr. Nasim Zaidi, Election Commissioners. Others present were Shri R. Bhattacharya, Secretary, Department of School Education and Literacy and senior officials of Election Commission and Ministry of Human Resource Development.

This MoU was the first ever by the Election Commission with a

Government Department and according to it the Commission and NLMA will work jointly to sensitize citizens, especially the vulnerable and disadvantaged including women, SCs, STs, Minorities about their electoral rights and exercise of franchise in the districts where



Saakshar Bharat Programmes are implemented by NLMA through environment building and mass mobilization campaigns, with specific focus on electoral registration and informed and ethical voting. Electoral Literacy will form part of curriculum for adult literacy and basic education.

Dr. M. M. Pallam Raju in his brief address complimented Election Commission for its initiatives on

voter education as the right to vote is one of the most powerful instruments of empowerment. He also said that political empowerment, especially of women, disadvantaged and excluded groups, are the true goals of the Literacy Mission.

Shri V.S. Sampath in his address underlined the commitment of Election Commission for effective partnership with credible and competent organizations to achieve the goal of bridging the deficit in enrolment, particularly among women and the youth. He also said that the Commission will be keen to have another partnership for urban areas to deal with the problems of under registration and urban apathy.

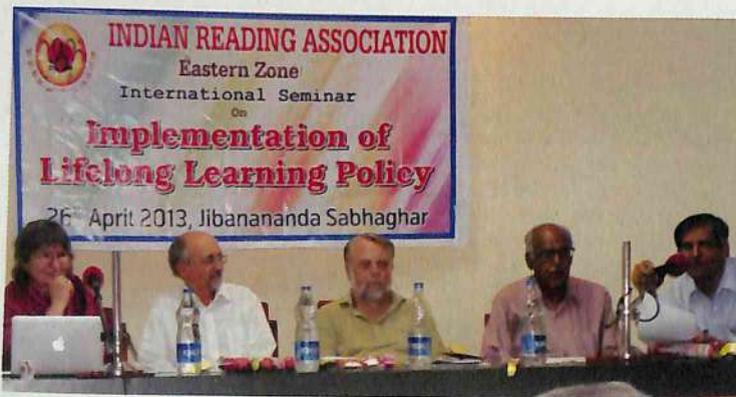
Dr. Shashi Tharoor described the MoU as a historic beginning and innovative collaboration based on common objectives. He said that such convergence could serve as a model for governance for more empowered democracy.

In his address Shri H. S. Brahma said that education alone can instill a sense of pride in citizens about electoral participation.

International Seminar Organized by RAI, Eastern Zone

Reading Association of India (RAI), Eastern Zone organized an International Seminar on Implementation of Lifelong Learning on April 26, 2013 at Jibanananda Sabhaghar, Bangla Academy, Kolkata. The seminar was attended not only by the members of Eastern Zone RAI but also by a number of people interested in lifelong learning and its implementation. Shri K. C. Choudhury, General Secretary, Indian Adult Education Association, New Delhi presided over the seminar.

The seminar had two sessions and the first one was devoted to presentation of papers. The first two papers were presented by Sk. Aktar Ali and Sushanta Mahapatra, Researchers of Lifelong Learning who have completed their M.A in Lifelong Learning from Danish Pedagogic University, Copenhagen (now called Department of Education, University of Aarhus).



Sk. Aktar's paper was titled "Lifelong Learning, a Product" and Sushanta Mahapatra's paper was on "Youth and Lifelong Learning". The third paper titled "Importance of Lifelong Learning" was presented by Shri Sujit K. Datta, Deputy Coordinator, Reading Association of India, Eastern Zone.

The second session was addressed by Prof. Rikke Schultz and Palle Moldrop of Association of World Education. Their papers on Learning through Practical Innovation based on their research on terminally ill diabetic patients drew a lot of appreciation from the audience.

The keynote address was delivered by Prof. Soeren Ehlers, Professor in the Department of Education, University of Aarhus and an international authority on Lifelong Learning. He spoke at length on the implementation of Lifelong Learning throughout the world and its importance in development. During the

general session a number of questions were asked by the audience for clarification and understanding of the subject.

Shri K. C. Choudhury in his presidential address congratulated RAI, Eastern Zone for organizing the seminar on such an important topic and requested the researchers in the area of Lifelong Learning who have presented papers to submit the same for publication in the Indian Journal of Adult Education.

Prof. Asoke Bhattacharya, Coordinator, RAI, Eastern Zone welcomed the guests and the audience.

Recce Conducted at Punjab for Impact Study on Awareness Campaign

Indian Adult Education Association has got an assignment from the Ministry of Social Justice and Empowerment, GOI to conduct an Impact Study on "Awareness Generation and Preventive Education

Campaign on Drug Abuse and Alcoholism in Manipur and Punjab" which was implemented by Nehru Yuva Kendra Sangathan. In this regard a recce was conducted at Mohali and Amritsar on May 1-2, 2013 by a four member team which included Dr. V. Mohankumar, Shri S.C.Dua, Shri B.Sanjay and Shri Jai Bhagawan to establish the actual indicators for the study, to assess the nature and quantum of work done in the field for the success of the campaign.

On the first day the members of the team





met the Shri J.P. Malik, Zonal Director, NYK, Punjab and Chandigarh Zone, Shri J.S. Kooner, Zonal Director, NYK, Haryana, Shri Uttamjot S. Rathore, Deputy Director, NYK, Punjab and Chandigarh Zone, Dr. G.S.Bajwa, District Youth Coordinator, NYK, Chandigarh and Ms. Preeti Sharma, State Project Assistant, Punjab and Chandigarh Zone in the NYK, Camp office at Mohali and discussed in details about the implementation of the project in the state of Punjab.

On the second day the team members met Shri T.S.Raja, District Youth Coordinator, NYK, Amritsar and selected fellow workers in the district, including those

who implemented the campaign in the district which included Ms. Humrit Shelly, District Project Officer, 5 NYCs, 4 Youth Club Presidents, institutional associates, individual volunteers, activists and a drug addict who is now under treatment in the District NYK Office located near Old Civil Surgeon Office, Amritsar.

The team also visited Vivekananda Drug De-Addiction Centre, Amritsar where it met Dr.P.D.Garg, Associate Professor and Head, Department of Psychiatry, Government Medical Collage, Amritsar who explained in detail about the role of the De-Addiction Centre in treating and rehabilitating the addicts. Dr. Garg also made the members of the team to meet a number of in-patients undergoing treatment at the centre.

Special Lecture Organized by NIOS



The National Institute of Open Schooling (NIOS) is organizing series of special lectures as part its Silver Jubilee celebrations. In this context and also to commemorate 150th Birth Centenary celebrations of Swami Vivekananda a special

lecture was organized on May 15, 2013 at Ramakrishna Mission, New Delhi in which Swami Atmapriyanandaji, Vice Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda University, Belur, West Bengal spoke on Value Education vis-a-vis Value of Education - Swami Vivekananda's Educational Thoughts.

The programme began with an introduction to the Ramakrishna Mission by Swami Shantatmanandaji. This was followed by the lecture by Swami Atmapriyanandaji which was based on the premise that Swami Vivekananda's fundamental thoughts on education and their practical applications in the present day context assume increasing relevance for the resuscitation of human values in education.

The lecture threw light on the value of Education vs. Value Education using three beautiful stories from Shri Ramakrishna's Gospel, Chhandogya Upanishad and from Roger Penrose's Emperor's New Mind. Swami Vivekananda's thoughts on the importance of Character building as the aim and end of all education were strongly emphasized. Some of the practices successfully adopted in Ramakrishna Mission's educational institutions to actualize the educational thoughts of Swami Vivekananda were also explained in detail.

The Presidential address was delivered by Dr.S.S. Jena, Chairman, NIOS. Shri U.N. Khaware, Secretary, NIOS proposed vote of thanks.

मुख्य कार्यकारी अधिकारी का जीआरसी दौरा



गत 16 मई 2013 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के महासचिव तथा स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (चीफ फंक्शनरी) श्री कैलाश चौधरी ने स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र का दौरा किया। इस दौरान श्री चौधरी ने जीआरसी के सभी 9 कार्यकर्ताओं से सामूहिक रूप से बातचीत कर वर्तमान में संचालित किये जा रहे विविध कार्यक्रमों की समीक्षा की और उनकी प्रगति का जायजा लिया। श्री चौधरी ने स्पष्ट किया कि स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को उत्तरोत्तर ऊँचा उठाने में जीआरसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यकर्ता आने वाले दिनों में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की गुणवत्ता को लगातार बढ़ाकर इस भूमिका का बेहतर निर्वहन कर सकते हैं। श्री चौधरी ने इसके लिए कार्यकर्ताओं की निजी कार्यकुशलता और नियमित गतिविधियों में आपसी समन्वय तथा तालमेल पर बल दिया। चर्चा में भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की सहायक निदेशक श्रीमती कल्पना कौशिक भी शामिल हुईं।

Stree Shakti –Suvidha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre conducts a number of activities for the community.

पोषण शिविर

स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर के द्वारा गत 8 अप्रैल 2013 को 10/67 कीर्ति नगर इलाके में 4 से 12 आयुवर्ग के बच्चों के आहार से संबंधित जरूरतों को रेखांकित करने तथा 13 मई 2013 को एफ-ब्लाक, कमला नेहरू कैंप में विटामिन 'ए' और 'डी' के अभाव की परिणति को स्पष्ट करने हेतु दो पोषण शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें क्रमशः 28 और 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दोनों ही शिविरों में संदर्भ व्यक्ति के रूप में सुश्री सुनीता रानी उपस्थित हुईं। प्रथम शिविर में सुश्री रानी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में 4 से 12 वर्ष तक का काल अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी अभिभावकों की यह जिम्मेवारी बनती है कि वे संतुलित आहार और इसके विविध घटकों के बारे में विस्तार से समझें और अपने बच्चों के लिए संतुलित आहार के सभी पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। दूसरे शिविर में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में विटामिन 'ए' के अभाव के कारण होने वाली बिमारियों यथा त्वचा रोग, आंखों का संक्रमण, लीवर संक्रमण और विटामिन 'डी' के अभाव में होने वाले बिमारियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी। सुश्री रानी ने प्रतिभागियों को अपने आहार में नियमित रूप से उन सभी अवयवों को सम्मिलित करने का सुझाव दिया जिससे विटामिन 'ए' और 'डी' के अभाव को समाप्त किया जा सके।

स्वास्थ्य शिविर (ओपीडी)

11 अप्रैल 2013 को 52/53 कीर्ति नगर तथा 25 अप्रैल को हरिजन कैंप, कीर्ति नगर में

स्वास्थ्य शिविर के तहत ओपीडी लगाये गये जिसमें क्रमशः 74 तथा 57 महिलाओं ने



चिकित्सीय सुझाव प्राप्त किये। दोनों ही दिन डॉ. नीलू श्रीवास्तव तथा फारमासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा पूरे समय उपस्थित रहे। चिकित्सीय सुविधा प्राप्त करने के उपरान्त सभी लोगों को आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध करायी गयी।

15 मई 2013 को डी-ब्लाक, चूना भट्टी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी मंचंदानी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. आशु गुप्ता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा शर्मा तथा एचआईवी एड्स जागरूकता के लिए कार्यरत श्री पूरन सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान तकरीबन 267 व्यक्तियों ने संबंधित रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त की। फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा ने पूरे समय उपस्थित रहकर लोगों को आवश्यक दवाईयां प्रदान की।

न्यायिक सुझाव तथा सहयोग कार्यक्रम

4, 10 और 20 अप्रैल 2013 को सी-121, मानसरोवर गार्डन में घरेलु हिंसा से पीड़ित कई महिलाओं को न्यायिक सुझाव तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तीन अलग-अलग लीगल कॉउंसिलिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 4 और 10 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में विधिक सहयोग प्रदान करने के लिए सुश्री रागिनी एस. राज, परामर्शदाता तथा 20 अप्रैल के कार्यक्रम में अधिवक्ता श्री योगेश कुमार मेहरा उपस्थित हुए।

सुश्री रागिनी ने घरेलु हिंसा के शिकार कीर्ति नगर निवासी दो महिलाओं क्रमशः बेबी और हसीदा की समस्याओं को विस्तार से सुना और उन्हें समुचित सुझाव प्रदान किया। सुश्री रागिनी ने स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र के कार्यकर्ताओं की मदद से पीड़ित महिलाओं को स्थानीय थाने में केस दर्ज कराने की सलाह भी दी। अधिवक्ता श्री योगेश कुमार मेहरा ने स्थानीय झुग्गी-झोपड़ी इलाके से आई महिला गुड्डी के केस को विस्तार से सुना और बताया कि उनका केस घरेलु हिंसा के तहत आता है। श्री मेहरा ने घरेलु हिंसा अधिनियम की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए गुड्डी को अपनी समस्या हल करने हेतु समुचित सुझाव प्रदान किया।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम

9 अप्रैल को सी-ब्लाक, चूना भट्टी में घरेलु हिंसा, 17 अप्रैल को 5/35, कीर्ति नगर में कन्या भ्रूण हत्या, 20 अप्रैल को मानसरोवर गार्डन में महिला सुरक्षा एवं सलामति तथा 29 अप्रैल को 8/35, कीर्ति नगर में महिलाओं की सलामति आदि विषयों पर न्यायिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः 32, 33, 36 तथा 30 लोगों ने भाग लिया।

इन कार्यक्रमों में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्री योगेश कुमार मेहरा तथा अधिवक्ता सुश्री वन्दना भाटिया ने भाग लिया। दोनों ही संदर्भ व्यक्तियों ने विषय से संबंधित न्यायिक अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किन-किन हालातों में एक पीड़ित महिला घरेलु हिंसा अधिनियम के तहत संरक्षण प्राप्त कर सकती है। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या के पीछे समाज की कुंठित मानसिकता को जिम्मेवार ठहराया और इसके कारण उत्पन्न गंभीर समस्याओं की भी जानकारी प्रदान की। दोनों ही वक्ताओं ने मौजूदा हालातों में महिलाओं की सुरक्षा और सलामति के लिए अपनाये जाने वाले उपायों की भी जानकारी दी।

वाटसन कैम्प

9 अप्रैल 2013 को कमला नेहरू कैंप तथा 15 अप्रैल 2013 को चूना भट्टी इलाके में आयोजित दो वाटसन कार्यक्रमों में क्रमशः 32 और 28 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर जीआरसी के कम्युनिटी मोबिलाइजरस उपस्थित थे। कार्यक्रम मुख्यतः पेयजल शुद्धिकरण तथा अस्वच्छता के विविध कारकों पर केन्द्रित था।

वक्ताओं ने उपस्थित प्रतिभागियों को पेयजल शुद्धिकरण, पेयजल के बेहतर रख-रखाव तथा रिहायशी इलाकों में अस्वच्छता फैलने के विविध कारकों तथा उनसे निजात पाने के तरीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

Padai ka Maza (Joy of reading)

This is the English translation of a poem "Padai Ka Maza" from the talking comic book (under print) "Meri Bi Suno" which is enthusiastically sung in Hindi by the adolescent boys of SPYM Sahyog De-addiction Centre. Through the poem, we are trying to teach spoken English, a felt need expressed by the boys. The words highlighted are translated in Hindi to familiarize the words and meanings of those words.

किताबें बुलाने लगती हैं जब
तस्वीरें बोलने लगती हैं जब

When books start calling you
When pictures start speaking to you

कहानी पढ़ने को मन करने लगता है जब
देश-विदेश घूमने का मजा आने लगता है जब

When you begin wanting to read stories
When you start enjoying travelling to places through books

खेल-खेल में जानकारी बढ़ने लगती है जब
दूसरों के साथ चर्चा का आनंद आने लगता है जब

When you start gaining knowledge through play
When you start enjoying discussions with others

स्वयं की पहचान होने लगती है जब
दूसरों को समझने की चाहत जागने लगती है जब

When you begin to understand yourself
When you start feeling the desire to understand others

तो समझो, आने लगा है
पढ़ाई का मजा

Then you can understand that...
you have found
the joy of reading

मृदुला सेठ

आयोजित हुई सी.एल.एस. की प्रयोगात्मक परीक्षा



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली राष्ट्रीय मुक्त विद्यालययी शिक्षा संस्थान का एक मान्यता प्राप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र (एवीआई) है जो विगत कई वर्षों से पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाण-पत्र कोर्स संचालित कर रहा है। इस वर्ष इस केन्द्र द्वारा संचालित पांचवें बैच के 9 प्रशिक्षणार्थियों ने अप्रैल 2013 में आयोजित परीक्षाओं में भाग लिया। दिनांक 3 से 7 मई 2013 तक इस कोर्स की लिखित परीक्षाएं अमर ज्योति स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में सम्पन्न हुई। प्रयोगात्मक परीक्षा 10 मई 2013 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के मुख्यालय में आयोजित की गई। प्रशिक्षणार्थियों की गुणवत्ता को आंकने के उद्देश्य से उन्हें बसंद बसेंपिबंजपवद ;बद्ध और कमूल कमवपउंस बसेंपिबंजपवद ;क्वद्ध में बसेंपिमक बंजसवहनम कार्ड बनाने का कार्य दिया गया और मौखिक परीक्षा के दौरान उनके विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गये।

प्रायोगात्मक परीक्षाएं श्री मुरारी लाल शर्मा, सहायक निदेशक, इन्फॉर्मेशन सर्विस और श्री जय भगवान, सहायक, आईईए के दिशा निर्देश में सम्पन्न हुई।

Seminar-cum-Discussion on Energy Healing

Indian Adult Education Association (IAEA), Kerala State Branch in collaboration with State Resource Centre, Kerala and Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation organized a seminar-cum-discussion on "Energy Healing" on April 27, 2013 at the Conference Hall of SRC. More than 70 persons participated in the seminar.

Dr. A. Muralidharan Thampi, President, IAEA, Kerala State Branch chaired the session. In his brief address he stressed the need and importance of traditional healing therapies in the present day context, particularly in view of the side effects of modern medicines and huge financial burden on common man. He was of the view that holistic approach of traditional therapies reduces the stress completely eventhough, it takes little more time.

Dr. V. Vijaya Kumar, Hon. Director, Santhigram Holistic Health Care & Research Centre introduced different healing techniques and the importance of such treatments.



Dr. V. J. Devasia, Reiki Master and author of the book on Alternative Therapies discussed at length on the clinical experiences of Reiki practice.

Smt. Vrinda .V.K, Pranic Healer shared her experiences and the power of pranic healing with the audience.

Yogacharya D. Sreekantan Nair discussed on Acupressure – the way of energy healing and Shri N. Mohan Kumar on Reiki – spiritual way of healing.

During the general sessions the experts cleared a number of doubts raised by the participants including the remedial measures for various illness.

Shri Harish Kumar S, Secretary, IAEA Kerala State Branch gave the welcome address while Smt. Asha, State Consultant, Mahila Samakya proposed vote of thanks.



Rajiv Gandhi

"Women are the social conscience of a country. They hold our societies together."

सच का संकल्प

सत्य का संकल्प लेकर तुम चलो
नोच डालो झूठ की हर परत को
भेद डालो भय की बोझिल सलवटें
इतिहास में अध्याय एक नया जड़ो

मत झूठ के साथी बनो
ना मूक बन कायर बनो
आत्म के निज बोध को
चैतन्य कर जागृत करो

सत्य के आव्हान पर
आगे चलो, चलते चलो
झूठ की बाधाओं को
रौंदकर बढ़ते चलो

बढ़ चलो उस पथ जहाँ
सत्य के राही मिलें
गर्वपूरित भाल पर
सम्मान का कुंकम सजे

दो विभामय यश तुम्हारा
मन्दिर के दीपक की तरह
लौ में जिसकी जगमगाए
सत्यमय जीवन तेरा

भारत की माटी धन्य हो
वीर बन कुछ कर चलो
होना निराश ना तुम कभी
यह जन्म सार्थक कर चलो

— कुसुम वीर

RTE has Teething Problems

The Right to Education Act came into existence on April 1, 2010 in which every child was guaranteed the fundamental right to 8 years of quality education – one that helps them to acquire basic literacy and numeracy, enjoy learning without fear and feel valued and included irrespective of where they come from. Now the



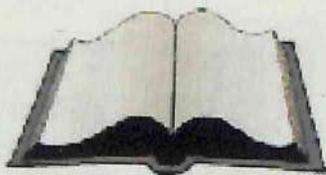
Act is three years old and an analysis reveals that implementation of this Act has teething problems in the quality and content eventhough, there has been substantial increase in the financial allocation for Sarva Shiksha Abhiyan. The amount allocated in 2009-10 was Rs.12,825 crore which has increased to Rs.27,258 crore in 2013-14.

According to the UNICEF Representative in India the problems included dropouts, learning abilities of children and non-availability of professionally qualified teachers.

Despite opening of 3.5 lakh schools in the last ten years, 99% of the India's rural population has a primary school within a one kilometer radius, enrollment of 11 million more children in elementary schools from 2009-10 to 2011-12, eight million children remain out of school and integration of these children into an age-appropriate class remains a significant challenge. Millions of children dropout of school before completing the full cycle of elementary education.

Learning assessment show that many of the children who do remain in school are not learning the basics of literacy and numeracy or the additional knowledge and skills necessary for their all-round development as specified under the Act. As per Annual Status of Education Report (ASER), 31.4% of the children studying in class 3 cannot read words in their own language and 70.1% of the children cannot solve a two-digit subtraction problem. The percentage of students studying class 5 who were unable to read the text of class 2 was 46.3% in 2010 which increased to 53.2% in 2012. The same way students studying class 5 who were unable to solve simple two-digit subtraction problems that involved carry-overs was 29.1% in 2010 which has risen to 46.5% in 2012.

According RTE Act teachers will be empowered as key change agents in schools, ensuring their competence as professionals able to reflect on and improve their own practice. While it is encouraging that some states have 96% professionally qualified teachers but many states have only less than 70%.



Alam, M. Religion, community and education. Delhi, Oxford University Press, 2012.

Religion-based educational disparities, especially relative educational backwardness amongst the Muslims in India, are the focus of serious debate. The 2006 Sachar Committee Report regenerated public interest and attention in this important issue. Yet, considerable gaps exist in our understanding of the dynamics of religion and access to education. This book draws a framework to understand educational disparities in schooling between the Hindus and Muslims in Bihar. The study draws upon national-level data as well as focused fieldwork carried out in Bihar's Patna and Purnia districts. This book highlights the larger historical path that have shaped educational development as well as the forms of disparities therein vis-à-vis the minorities in India. It contends that the relative educational backwardness of the Muslims reflects underlying socio-economic patterns that are often overlooked. Thus, the Muslims should not be seen merely as homogeneous socio-cultural aggregates.

Mandal, Sayantan. From policy to guidelines: meta-morphosis of lifelong learning in India. In: International journal of lifelong education, v. 32, no. 2, March-April, 2013, p. 190-208.

The main objective of the paper is to gain a better insight into this metamorphosis in three consecutive stages; from recommendations, to policies and finally to guidelines. It uses Peter Jarvis's theoretical framework to analyse the tensions in reshaping the

dimensions of LLL in a certain context, yet gives flexibility for new analytical inputs. Based on the analysis, it is possible to generalise two major perspectives of LLL in Indian policies; a competitive and skill-oriented one, which is more global in nature. The other possesses a traditional nature and addresses basic educational needs. The process of metamorphosis is going through a major transition phase while facing resistance from several levels. This encourages further research on the complexities of LLL at different levels and contexts to gain better insights.

Mishra, Veerendra ed. Human Trafficking: The Stakeholders' Perspective. Delhi, Sage, 2013: 428p.

Trafficking of persons is a modern-day form of slavery, threatening the dignity and security of millions of people throughout the world. Virtually every country in the world and every state of India is affected by this crime as a place of origin, transit or destination for victims. This book highlights the various issues of human trafficking, including perspectives of various stakeholders.

The book argues that crime cannot be dealt with only by applying piecemeal tactics. Instead, it will require an organised professional, multi-disciplinary and multi-agency approach, calling for concerted, collaborative and participatory efforts of all stakeholders.

The essays in this book are organised into different themes such as sexual exploitation, child trafficking, trafficking outside India, legal aspects, state experiences and case studies.

Singh, Madhu. Educational practice in India and its foundations in Indian heritage: a synthesis of the East and West? In: Comparative education, v. 49, no. 1, Feb. 2013, Routledge: p. 88-106.

The paper examines education practice in India in terms of the division

between indigenous cultures on the one hand, and the formal culture of learning and knowledge systems inherited from colonial times on the other. These 'two Indias' are still reflected in the modern educational system in India, seen in the vast differences between the formal school system, whose benefits reach only a minority of the population, and the millions of crafts-persons working in India's informal sector, many without education or training. The paper looks at reasons for these divisions within the culture and history of India's formal, non-formal and informal systems of education and training. The paper also throws light on the aspirations to unite these divided cultures of learning by looking at some of the writings of J.P. Naik, the famous educationist and secretary of the first Report of the Education Commission (1964-66) after India's independence. The analysis needs to be seen against the background of international educational thought which is improving the value, relevance and quality of non-formal and informal learning, as key pillars for building lifelong learning systems.

Unesco. UNESCO Guidelines for the recognition, validation and accreditation of the outcomes of Non-formal and Informal Learning. Hamburg, Unesco, 2012: 12p.

The aim of these Guidelines is to propose principles and mechanisms that can assist Member States in developing or improving structures and procedures to recognise all forms of learning, particularly the outcomes of non-formal and informal learning. While the Guidelines are not legally binding, Member States' authorities are expected to make efforts to implement the Guidelines as appropriate to their specific national context.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh
Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.6

Re. 1 per copy

June 2013



Indian Adult Education Association

PRIs alone can make SB Programmes a Success – Dr. Pallam Raju

The Union Minister of Human Resource Development, Dr. M.M. Pallam Raju has said that the success of Saakshar Bharat Programmes much depends on the efforts of Panchayati Raj Institutions as the elected members of Gram Panchayats are given the responsibility to implement the same. He was addressing a convention of Ministers of Adult Education and Panchayati Raj and District Panchayat Presidents of Saakshar Bharat States at Vigyan Bhawan, New Delhi on June 13, 2013. The main objective of the conference was making 'Har Gram Panchayat Saakshar, Bharat Saakshar' making Gram Panchayats 100% literate.



Dr. Pallam Raju expressed satisfaction over the increase in literacy rate as per 2011 Census. The literacy rate was 64.8% in 2001 which has increase to 73% in 2011. He was also particularly happy about the increase in female literacy which according to him was the result of strengthening both school education and

literacy. He concluded his speech with the recommendation that Saakshar Bharat programme needs more budgetary allocation as it not only makes non-literate adults literate but also prevent the neo-literates relapse to illiteracy.

Shri Montek Singh Ahluwalia, Deputy Chairman, Planning Commission in his address emphasized the need and importance of literacy programmes to increase the percentage of literacy and reiterated that funds would not be a problem for the promotion of literacy in the country.



Dr. Shashi Tharoor, Union Minister of State for Human Resource Development while addressing the gathering said that a few strategic limitations that still affect the programme are that though Saakshar Bharat has been conceived and designed as a coherent, cohesive and attractive programme, it continues to be implemented in a truncated form and with an approach with heavy emphasis on basic



literacy. The programme also suffers from low priority that implementers as well as the targeted group sometimes accord to Literacy. Moreover, there is also a gap as delivery structures at State and sub-State levels, especially at Gram Panchayat level, are either absent or not fully capacitated and empowered. Hence, a wide gap between programme design and implementation on ground and a constrained delivery compared to the potential that the programme design offers.



Shri Pradeep Jain 'Aditya', Union Minister of State for Rural Development also addressed the participants.

Shri R. Bhattacharya, Secretary, Department of School Education and Literacy gave the welcome address and Shri Jagmohan Singh Raju, Director General, National Literacy Mission Authority made a presentation on Saakshar Bharat.

Data Collection at Manipur for the Impact Study

A team of four members from Indian Adult Education Association – Dr. V. Mohankumar, Shri S.C. Dua Shri B. Sanjay and Shri Jai Bhagwan visited four sample districts of Manipur from June 12-20, 2013 to collect data for the impact study on Awareness Generation and Preventive Education Campaign on Drug Abuse and Alcoholism implemented by Nehru Yuva Kendra Sangathan and funded by Ministry of Social Justice and Empowerment. The team covered around 98 villages in 16 blocks namely Kakching and Thoubal, Chandel, Machi, Tengnoupal, Moreh, Khengjoy and Chakpikarong, Tadubi, Mao, Paomata, Purul, Phaibung and Willong and Bishnupur and Moirang of Thoubal, Chandel, Senapati and Bishnupur districts.

The team used standardized interview schedules while



collecting the data and the persons interviewed were NYK Zonal



Director, State Project Officer, District Youth Coordinators, District Project Officers, NYCs, Youth Club representatives, Village Chairmen, Panchayat Presidents/Members, Asha workers and teachers, Representatives of NGOs and other socio-religious organizations who played an important role in the campaign, Artists who performed street plays, Resource Persons and selected addicts who have been rehabilitated or in the process of rehabilitation. The data

collection also included collection of case studies/success stories and visit to drug de-addiction centres.

The evaluators also met and interacted with Deputy



Commissioners of all the selected districts.

Stree Shakti –Suvridha Kendra (GRC-SK), Kirti Nagar

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre conducts a number of activities for the community.

पोषण शिविर

स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर द्वारा गत 10 जून को पोषण शिविर का आयोजन 8/35 कीर्ति नगर में किया गया। इसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया। आहार विज्ञ श्रीमती सुनिता रानी ने उपस्थित महिलाओं तथा किशोरियों को अल्पव्रतता (एनीमिया) के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि एनीमिया से ग्रस्त व्यक्ति को किस प्रकार का आहार दिया जाना चाहिए। किशोरियों के सहयोग से सलाद से भरपूर रायता तथा चटपटी चना चाट बनवाकर उपस्थित महिलाओं को इसकी विधि की जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य शिविर (आपीडी)

जीआरसी द्वारा गत माह 3 तथा 9 मई को एवं इस माह 13 जून को स्वास्थ्य शिविर के अर्न्तगत तीन ओपीडी 8/35 कीर्ति नगर तथा माया पुरी झुग्गी बस्ती, कीर्ति नगर में आयोजित की गई जिसमें क्रमशः 62, 59 तथा 52 महिलाओं व बच्चों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां अर्जित की। तीनों ही दिन डॉ. नीलू श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा तथा जीआरसी कम्युनिटी मोबलाइजर्स उपस्थित थे।

न्यायिक सुझाव तथा सहयोग कार्यक्रम

घरेलू हिंसा तथा न्यायिक सुझाव हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में जीआरसी द्वारा गत माह तीन अलग-अलग दिनों में 2, 18 तथा 24 मई को कानूनी जागरूकता शिविर तथा मुफ्त कानूनी सलाह के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें श्री योगेश मेहरा, श्रीमती वन्दना भाटिया तथा श्रीमती रागिनी एस राज द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों तथा विभिन्न

मुद्दों पर कानूनी सहायता तथा जानकारी उपलब्ध करायी गई। श्री योगेश मेहरा ने उपस्थित महिलाओं को यौन हिंसा एक्ट के बारे में भी विस्तार से बताया तथा उनसे आग्रह किया कि यौन हिंसा पर वे चुप न रहें, आवाज उठाएं ताकि इस प्रकार की प्रताणाओं को पहली सीढ़ी पर ही रोका जा सके। विशेषकर छोटे बच्चों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'अपने बच्चे से खुल कर बात करें तथा उसे इसके बारे में पूरी जानकारी दें। बच्चे के साथ मित्रों की तरह व्यवहार करें तथा उसकी दिन भर की गतिविधियों एवं उसके आस-पास के लोगों पर भी नजर रखें। घरेलू हिंसा से संबंधित केस में एक महिला तथा उसके पति को जीआरसी सेन्टर पर पुनः बुलाया गया ताकि दोनों की काउंसलिंग की जा सके।



वाटसन कैम्प

कमला नेहरू कैम्प तथा 106/67 फर्नीचर ब्लॉक में 17 एवं 28 मई तथा 11 जून को वाटसन कैम्प आयोजित किये गये जिसमें कर्मशः 27, 26 और 25 महिलाओं ने भाग लिया। वाटसन कैम्प मुख्यतः स्वच्छता तथा पीने के पानी की सफाई के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित किया जाता है। उपरोक्त कैम्पों में कम्युनिटी मोबलाईजर्स तथा कार्यक्रम अधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को सफाई तथा इसकी निरन्तरता बनाए रखने हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि बढ़ती गर्मी के साथ-साथ पेय जल तथा जल संबंधी समस्याएं भी बढ़ती हैं। अगर ऐसे में जल का सदुपयोग न किया जाए तो पानी की कमी होना स्वाभाविक ही है। विशेषकर मानसून से पहले पेयजल का सही संरक्षण अनिवार्य है वरन् संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।



विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून को जीआरसी के कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इसमें करीब 120 बच्चों तथा 40 महिलाओं ने भाग लिया। उपस्थित महिलाओं में कुछ लड़कियां सिलाई, सौन्दर्य तथा स्वास्थ्य सर्वेदन पर संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से भी थीं।

सबसे पहले उपस्थित बच्चों को पर्यावरण क्या है, पर्यावरण दिवस क्यों मनाया जाता है तथा हम किस प्रकार पर्यावरण को प्रदूषण से बचा सकते हैं, पालिथिन या प्लास्टिक का इस्तेमाल हमें कम से कम क्यों करना चाहिए आदि की जानकारी विस्तार से दी गई। तत्पश्चात एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था पर्यावरण संरक्षण। बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों में से तीन सबसे अच्छे चित्र चुनकर उन्हें इनाम भी दिए गए। पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता फैलाने के लिए बच्चों तथा जीआरसी स्टाफ द्वारा एक रैली का भी आयोजन किया गया जिसे मानसरोवर गार्डन से कमला नेहरू कैम्प तक ले जाया गया। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संघ की सहायक निदेशिका श्रीमती कल्पना कौशिक भी मौजूद थीं।



श्री कैलाश चौधरी का अभिनन्दन



राजस्थान मुक्तिनाथ समिति, बीकानेर द्वारा मुक्ति परिसर, ब्रह्म बगीचा में 20 जून को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के महासचिव श्री कैलाश चौधरी का शॉल, स्मृति चिन्ह, श्रीफल एवं साहित्य भेंट कर सम्मान तथा अभिनन्दन किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् एवं शिविरा पत्रिका के वरिष्ठ संपादक श्री ओमप्रकाश सारस्वत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट श्री हीरालाल हर्ष ने की।

सम्मान समारोह में बोलते हुए श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि देश के विकास में शिक्षा एवं साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका है, शिक्षा एवं विकास एक दूसरे के पूरक हैं। भारत को विकसित देश बनाने के लिए निरक्षरता उन्मूलन अत्यन्त आवश्यक है, विकास के पथ पर पहुंचने का रास्ता साक्षरता है। असाक्षरों एवं नवसाक्षरों के जीवन में प्रेरणा का संचार साक्षरता के माध्यम से संभव हो रहा है। मानवीय मूल्यों, परम्पराओं, प्रगति की लालसा हेतु भावी संभावनाओं को पहचान प्रदान करने के साथ साक्षरता अभियान गुणात्मक उन्नयन की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है। उन्होंने देश के पढ़े-लिखे युवाओं का आह्वान किया वे साक्षरता आन्दोलन से जुड़कर लोक चेतना के इस मिशन को गतिशील बनाने के लिए अधिक सक्रिय प्रयासों में भागीदार बनें। श्री चौधरी ने कहा कि साक्षरता के लिए किए गए समेकित एवं सुनियोजित प्रयासों से सुपरिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि अब समय साक्षरता से स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाने का है इसके तहत हमें व्यवसायिक शिक्षा पर अधिक ध्यान देना होगा और इसके लिए भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ निरन्तर सक्रियता से कार्य कर रहा है।

मुख्य अतिथि श्री सारस्वत ने कहा कि निरक्षरता उन्मूलन के इस खास कार्यक्रम में खास मुद्दों जैसे साम्प्रदायिक सौहार्द, बालश्रम, जीवन मूल्य, ग्राम विकास, महिला सशक्तीकरण, पंचायती राज, स्वास्थ्य एवं जल संरक्षण के अभियानों को वरीयता से जोड़ा जाना चाहिए। श्री सारस्वत ने कहा कि श्री चौधरी गत पांच दशक से भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के माध्यम से देश भर में आयोजित विविध कार्यक्रमों के कारण सक्रिय रहे हैं, उन्होंने श्री चौधरी के साथ अनेक विषयों पर गहन विचार-विमर्श भी किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट श्री हर्ष ने कहा कि मुक्ति संस्था का अशिक्षा, गरीबी,

बीमारी एवं बेकारी से मुक्ति का यह अभियान भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सहयोग से सतत रूप से चलता रहेगा। श्री हर्ष ने आग्रह किया कि भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ को देश के करोड़ों युवाओं को जोड़ते हुए सम्पूर्ण भारत में चेतना अभियान संचालित करना चाहिए।

मुक्ति के सचिव श्री राजेन्द्र जोशी ने कहा कि समय-समय पर इन अभियानों के विषय वस्तु एवं नामकरण बदलते रहे हैं परन्तु प्रौढ़ शिक्षा संघ श्री चौधरी के नेतृत्व में निरन्तर कार्य कर रहा है। श्री जोशी ने मुक्ति समिति के कार्यों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में शिक्षाविद् श्री खुशालचंद रंगा, श्री बृजगोपाल जोशी, संस्कृतिकर्मी श्री चन्द्रशेखर जोशी ने भी अपने विचार रखे।

International Conference on Achieving Literacy for All

The National Literacy Mission Authority jointly with Unesco and Unesco Institute for Lifelong Learning, Hamburg, Germany is organizing a three day International Conference in New Delhi on Achieving Literacy for All - Effective Approaches to Scale-up Literacy, Reduce Gender Disparities and Create a Literate World from July 18-20, 2013 in which around 120 participants are expected to participate. The international participants will be from Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Brazil, China, Egypt, Eritrea, India, Indonesia, Maldives, Mexico, Nepal, Nigeria, Pakistan, Papua New Guinea, Timor Leste and Sri Lanka apart from resource persons and literacy and gender specialists from Unesco. The national participants will include policy makers, literacy managers/functionaries, civil society, academia and other stakeholders.

In order to organize the conference the M/o Human Resource Development, Department of School Education and Literacy has constituted two committees, one is Steering Committee headed by Secretary (SE&L) and the other Executive Committee headed by JS (AE) & DG, NLMA. The Executive Committee includes non-officials like Prof. S.Y. Shah (JNU), Dr.V.Mohankumar (IAEA), Dr. Rajesh (DU) and Shri S. Ghosh (EdCIL).

आत्मनिर्भरता के लिए साक्षर भारत जरूरी है - श्री जगमोहन सिंह राजू



गत 4 जून 2013 को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण के महानिदेशक श्री जगमोहन सिंह राजू ने मध्यप्रदेश के 42 जिलों में संचालित साक्षर भारत कार्यक्रम की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के वंचित वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए साक्षर भारत कार्यक्रम बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि साक्षर भारत कार्यक्रम में पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ सतत शिक्षा व समतुल्यता से भी लोगों को जोड़ा जा रहा है ताकि ग्रामीण समाज के भाई-बहन राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीन शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के माध्यम से नवसाक्षर होने के बाद तीसरी, पांचवी, आठवीं या आगे की पढ़ाई भी निरन्तर जारी रख सकें।

इस दौरान राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण के मुख्य सलाहकार श्री एस.पी.एस. सांगवान, अवर सचिव श्री सुजीत कुमार, राज्य साक्षरता प्राधिकरण के संचालक श्री शोभित जैन, अपर मिशन संचालक श्रीमती अरुणा गुप्ता, संयुक्त सचिव डॉ. अरुण सिंह, सह संचालक श्री प्रभाकर श्रीवास्तव, राज्य संसाधन केन्द्र, इन्दौर की निदेशक श्रीमती अंजली अग्रवाल, राज्य संसाधन केन्द्र, भोपाल के प्रभारी निदेशक श्री संजय सिंह राठौर सहित 42 जिलों की जिला लोक शिक्षा समितियों के अधिकारियों ने भी अपनी राय रखी।

इस अवसर पर श्री राजू ने सीहोर जिले की दो ग्राम पंचायतों भीलखेड़ी और लसूडिया खास का दौरा कर लोक शिक्षा केन्द्रों का अवलोकन किया और जन प्रतिनिधियों, ग्रामीण महिला शिक्षार्थियों, प्रेरकों, स्वयंसेवी महिला शिक्षिकाओं से भेंट कर गांवों में चल रहे साक्षरता कार्यक्रम के बारे में भी विचार-विमर्श किया। अंत में उन्होंने भोपाल एस.आर.सी द्वारा प्रकाशित आंखर पंचायत प्रवेशिका का भी अवलोकन किया।

Seminar on Forensic Science in Crime Detection



The State Resource Centre, Kerala in joint collaboration with Indian Adult Education Association, Kerala State Branch and Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation organized a one day seminar on Forensic Science in Crime Detection at Thiruvananthapuram on May 25, 2013. The seminar was held in the conference hall of State Resource Centre in which around 30 persons participated. Dr. V. M. Sasi Kumar, Executive Director, Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation presided over the programme.

The theme paper on Forensic Science in Crime Detection was presented by Smt. N.G. Nisha, Assistant Director, Forensic Science Lab, Thiruvananthapuram. In her presentation she narrated in detail about



the importance of Forensic Science and the need for awareness of the same among the general public. She further said that eventhough Kerala is a highly literate state but people in general have very little knowledge and awareness on the importance of Forensic Science and hence, she desired the urgent need for forensic education at different levels. She was also of the opinion that media should play a major role in educating the public.

While Smt. R. Jayasree, Programme Coordinator, State Resource Centre, Kerala gave the welcome address, Shri. Harish Kumar, Member, Executive Committee of Indian Adult Education Association proposed the vote of thanks.

Prof. Anil Sarkar passed away



Prof. Anil Sarkar, founder President, West Bengal State Branch of IAEA, former President of Paschimbanga Nirakshar Durikaran Samity (PBNDS) and Vice President of All India Council for Mass Education and Development (AICMED) expired on June 16, 2013.

He served the University of Calcutta, Department of Commerce as a lecturer and retired in 1995. He was an academican and organizer of the Teacher's Movement. He was also a member of the Senate and Syndicate of Calcutta University and associated with Teacher's Association in different capacities. He was involved in the Literacy movement launched by PBNDS and AICMED. He also became the General Secretary of Asiatic Society, Kolkata twice. Prof. Sarkar was a life member of IAEA from 1998.

IAEA conveys heartfelt condolences to the members of the bereaved family and prays for the department soul to rest in peace,

Workshop on Professional Development

As part of observance of International Literacy Week – 2013 University-Community-Industry Interface-II, the Department of Adult, Continuing Education & Extension, Faculty of Social Sciences, University of Delhi is organizing a two day Workshop on Professional Development in Lifelong Learning & Extension in Higher Education: Skill Enhancement & Employability in SAARC countries on September 7-8, 2013. The main objective of the workshop is to interact on professional development in the field of lifelong learning and extension, upgrade post graduate content and references through academic discourse and to create a platform for community, university and industry interaction.

A number of sub-themes have been identified for which the organizers have invited articles and papers. Those who are interested attend can register their names alongwith the registration fee which is Rs.300/- for students, Rs.500/- for research scholars, Rs.1000/- for teachers/professionals/NGO representatives/Industry and commerce and US\$ 100 for international delegates.

Dr. Rajesh, Head, Department of Adult, Continuing Education & Extension is the contact person. Contact No. 011-27667280 and e-mail: workshoponpd@gmail.com

Workshop to Develop Booklet on Talking Comics

As part of SPYM – Sahyog Padhai Ka Maza Project, a one day workshop was organized in the Indian Adult Education Association on May 31, 2013 to develop second talking comic booklet as reading material for neo-literates based on comics generated by the boys of Sahyog de-addiction centre. Around 13 resource persons/subject specialists from different NGOs participated in the workshop. After an analysis the resource persons have chosen 3 stories out of 15 for publication under the title Meri Bhi Suno-2. The components in the booklets include points for reflections, questionnaire (comprehensive, attitudinal and reflective), words for improving English vocabulary and English translation of the dialogues. Suggestions for design and layout of the booklets were also tentatively decided in the workshop.

Dr. Mridula Seth, Director, PKM Project, SPYM gave the welcome note and introduction about the project was given by Dr. Sarita Anand, Associate Professor, DCED, Lady Irwin College. Ms. Nadira Chaturvedi, Director, Aseem Library gave an overview of the activities of Literacy-Library Shayog. Group work was coordinated by Dr. Aparna Khanna and Dr. Sarita Anand.

Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director, Indian Adult Education Association also participated in the workshop.

Report on Developing Functional Competencies for Adult Learners

The committee constituted by National Literacy Mission Authority under the Chairmanship of Prof. H. S. Srivastava, Former Dean, NCERT, New Delhi to develop functional competencies for adult learners submitted its report to Shri Jagmohan Singh Raju, Director General, National Literacy Mission Authority on May 28, 2013. The other members of the committee were Prof. R.D. Shukla, Former Head, Department of Education of Science and Mathematics, NCERT, Prof. (Smt.) V. S. Anand, Former Head, Hindi Cell, NCERT, Prof. Utpal Mallik, Former Head, Department of Computer Education, NCERT, Prof. Chandra Bhushan, Retd. Professor, Education Technology, NCERT, Dr. (Smt.) Kamala Menon, Principal, Mirambika Free Progress School, Sri Aurobindo Ashram-Delhi Branch, Prof. (Smt.) Mamta Agrawal, Former Professor, Department of Education, Measurement and Evaluation and Prof. I.K. Bansal, Former Head, Department of Elementary Education, NCERT.



The committee in its recommendation detailed subject-wise competencies equivalent to standard V, VIII and X of formal school system. Before presenting the report the recommendations given were discussed by the Chairman and members of the committee with selected external experts

which included Prof. J.S. Rajput, Former Director, NCERT, Prof. B.P. Khandelwal, Former Director, NIEPA, Dr.S.S.Jena, Chairman, Nation Institute of Open Schooling, Dr. V.Mohankumar, Director, Indian Adult Education Association and Dr. O.P. Sharma, Deputy Director, IGNOU (representing Dr. C.K. Ghosh, Head, National Centre for Innovation in Distance Education, IGNOU), Dr. L. Mishra, Chief Consultant, TSG-NLMA and Shri S. Ramakrishna, Director Incharge, Directorate of Adult Education were also present.

At the end it was decided to have further consultation with the stakeholders before the recommendations are implemented.

Son of Industrial worker has become Entrepreneur – A Real Life Story



worked for five years in one of the large industries. During this five year period he has risen from the Lathe Operator to Assistant Manager.

His dream of becoming big has increased day by day because of self-confidence, knowledge and skills and managerial ability acquired in his professional career. Hence, he approached a nationalized bank for financial help which he could get without much difficulty. He purchased Rs.25 lakh worth of CNC Machine and started his own business in Coimbatore in a rented shed of Small Industries Development Corporation (SIDCO) in the name of Shree Balaji Engineering in the year 2009. Soon he became successful and he started getting a lot of business from various industries. On seeing his business prosperity and success, the bank again sanctioned a loan of Rs.35 lakh to purchase another CNC Machine and Generator with the capacity of 80 KVA. During this period Prakash also completed a diploma course in Mechanical Engineering as a part time student in a Polytechnic College.

Today Prakash is an entrepreneur with a turnover of Rs.75 lakh per year. Nine CNC Operators work under him, some of whom are having degree in engineering. His machines work 24 hours in three shifts. He has already purchased 1.5 acre of land to establish his industry permanently and has drawn up a plan for expansion.

Prakash says that his dreams have come true but he is not going to be satisfied with this progress. He would like to go up further to reach many more heights in the years to come.

Prakash was born to a poor family with meager income. His father was an industrial worker whose monthly wages could barely meet the needs of all the members of the family. Prakash like any other enterprising person born in the industrial city of Coimbatore wanted to become not only a well educated person but also well settled in life. Unfortunately, he could not continue the studies in school beyond 10th standard. This did not stop his determination to do something great in life but he was also sure that with the minimum qualification he had, he may not be able to reach the desired heights in the professional career. Hence, he was looking for some alternatives. One day he came to know about Jan Shikshan Sansthan, Coimbatore and casually entered into it to know what he can get from this institution. After going through the list of vocational skill development courses being organized in the sansthan, he chose the six months Machinist course which not only offered him two hours of classroom teaching which included life enrichment education and 8 hours of practical work in the well known industrial establishment. Prakash was lucky to get immediately after the training a job in which he was Machinist and Turner.

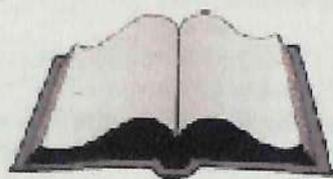
After five years in job he wanted to change the field of work to become Computer Numerical Control Lathe Operator and also desired owning such a machine of his own. Hence, he again came to Jan Shikshan Sansthan to pursue the course. Unfortunately, he could not fulfill the eligibility conditions to be the CNC Lathe Operator as fixed by the industries. However, with the pursuance of the sansthan Prakash got admission as a special case and underwent the six months course with all sincerity. In this course also he was given hands-on training in the industry. Immediately after successful completion of the training he

ZLSS and SRC Enter in Limca Book of Records

Vizianagaram Zilla Lok Shiksha Samiti and Visakhapatnam State Resource Centre have been entered in Limca Book of Records (2013 Edition) for their collective efforts to make around 4.78 lakh persons to take the test on March 18, 2012 conducted by National Institute of Open Schooling to assess the literacy skills gained by them.

The certificate was handed over to the Collector at Vizianagaram in a function which was attended by Additional Joint Collector, District Education Officer, DIET Principal, Heads of all the Departments, Block (Mandal) level Officers, Block Coordinators, Teaching Community and Media.





ASER. PAHELI Report 2011: People's assessment of health, education and livelihoods. New Delhi, ASER Centre, 2012: 163p.

PAHELI stands for people's assessment of health, education and livelihoods. PAHELI is a household survey which looks at the provision of basic services at the village level through key central government social schemes and the links of these services to households. The schemes covered in PAHELI are Sarva Shiksha Abhiyan, ICDS, public health services, PDS and MGNREGS.

The PAHELI toolkit can be used to assess and understand the status of human development in any given area. It can be used for a census in a hamlet, village or panchayat. It can be also be used in a sample survey of a block or district. For PAHELI 2011, the toolkit was used to create a district report card for human development. PAHELI was conducted in eight districts selected across seven states. Sixty villages were randomly selected in each district, and twenty randomly chosen households were surveyed per village. The findings were captured in the form of a district report.

Kenny, Charles . *Schooling Is Not Education! Using Assessment to Change the Politics of Non-Learning: A Report of the Center for Global Development Study Group on Measuring Learning Outcomes.* Washington, Center for Global Development , 2013: 28p.

This report suggests that implementing assessment regimes that allow stakeholders to compare across schools, districts, and countries would cost a small fraction of current education budgets. It

calls for international support for national assessment efforts including financial and technical assistance.

The report is being released as discussions about what should replace the Millennium Development Goals are highlighting education quality as an issue, and pressure is building from civil-society groups, employers, and parents worldwide to ensure schooling translates into learning.

Rajan, S. Inudaya ed. *India Migration Report 2013: Social Costs of Migration.* Routledge, 2013: 364 p.

This book is an assessment of an often-neglected space in migration research — social, psychological and human costs for both migrants and the families they leave behind — based on qualitative and quantitative research findings.

Globally, the focus of migration research has consisted of the intersections of migration and remittances. This overemphasis on remittances obscures the contributions and sacrifices made by migrants and their families. With this backdrop in view, India Migration Report 2013 documents issues such as:

- Children's negotiation of parental migration
- Coping mechanisms adopted by women left behind
- Utilization of social networks by the elderly during a health crisis
- Demographic implications of migration
- Household management and child care by spouses of migrant nurses
- Lifestyle management by the elderly, who migrate with their children, in the absence of other traditional and familiar kinship structures
- Transition costs involved in peasant migration
- Social costs of migration in the case of emigration to the Gulf region
- Broader impacts of migration on the family

The book also includes articles dealing with nurses' migration, skilled mobility, informalization of labour markets, mobility of women workers, global financial crisis and return migration, remittances management and a critical assessment of bilateral mobility agreements among nations to protect Indian workers.

Rao, Nirmala and others. *Teaching in Primary Schools in China and India: Contexts of Learning.* Routledge, 2013: 210 p.

This book compares primary education in urban and rural China and India. It focuses on how the sociocultural context including educational policy, educators and parents' beliefs, and the conditions under which teaching and learning occur shape classroom pedagogy and determine children's attainment.

This in-depth, authentic, comparative analysis of the two largest educational systems in the world is a must-read for scholars interested in the teaching and learning in these two rapidly developing Asian cultures. A common set of questions has been addressed in diverse contexts. The book includes videotaping of mathematics and language lessons, interviews with parents and educators, questionnaires with parents, teachers and children and tests of children's mathematics attainment — and this done in 3 locations in China, 3 in India and 12 schools in total.

Unesco. *Schooling for Millions of Children Jeopardized by Reductions in Aid: Fact Sheet.* Unesco Institute for Education, No.25, 2013: 11p.

This fact sheet shows that progress in reducing the number of children out of school has come to a virtual standstill just as international aid to basic education falls for the first time since 2002.

Compiled by Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaeaindia.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.7

Re. 1 per copy

July 2013



Indian Adult Education Association

International Conference on Achieving Literacy for All

A three day International Conference on Achieving Literacy for All: Effective Innovative Approaches to Scale-up Literacy, Reduce Gender Disparities and Create a Literate World was organized by National Literacy Mission Authority jointly with UNESCO and UNESCO Institute for Lifelong Learning at India Habitat Centre, New Delhi from July 18-20, 2013. Around 100 delegates participated in the conference both from India and abroad. The foreign delegates were from Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Brazil, Egypt, Indonesia, Nepal, Nigeria, Papua New Guinea, Sri Lanka and Timor Leste.



[From Left] Arne Carlsen, Lise Grande, M.M. Pallam Raju, R. Bhattacharya, Shigeru Aoyagi

From UNESCO Ms. Lise Grande, UN Resident Coordinator and UNDP Resident Representative to India, Mr. Shigeru Aoyagi, UNESCO Representative to Bhutan, India, Maldives and Sri Lanka and Director, UNESCO New Delhi office, Mr. Abhimanyu Singh, Director, UNESCO Beijing, Mr. Subbarao Ilapavuluri, Chief of Literacy and Non-formal Education, UNESCO Paris, Mr. Arne Carlsen, Director, UNESCO Institute for Lifelong Learning, Hamburg, Mr. Alisher Umarov, Chief of Education, UNESCO New Delhi and Ms. Ulrike Hanemann, UNESCO Institute for Lifelong Learning, Hamburg

attended the conference. The conference was inaugurated by Dr. M.M. Pallam Raju, Minister of Human Resource Development, Govt. of India. In his address he said that his Ministry has up-scaled all efforts and there may not be any difficulty in achieving 80% literacy rate by 2015 and full literacy in another decade. He also said that efforts are being made to restructure the adult education system with paradigm shift to lifelong education and if required legislative process will be initiated to integrate formal, non-formal and

informal learning and to formally recognize all forms of education other than formal. Recognition, validation and accreditation of learning obtained through adult education will be formalized by setting-up equivalency framework. In her address Ms. Lise Grande, UN Resident Coordinator and UNDP Resident Representative to India said that more than 700 million people across the world do not know reading, writing and arithmetic and most of them are in India, China, Pakistan and Bangladesh. However, she

complemented India for fighting illiteracy and making achievements in the field of education sector.

Mr. Shigeru Aoyagi, UNESCO Representative in India and Director, UNESCO New Delhi office also addressed the gathering.

The welcome address was given by Shri R. Bhattacharya, Secretary, Department of School Education and Literacy, M/o Human Resource Development, Govt. of India and vote of thanks was given by Shri Jagmohan Singh Raju, Joint Secretary (Adult Education) and

Director General, National Literacy Mission Authority.

There were seven plenary sessions with specific themes and two group work sessions. Themes of the plenary sessions were:

1. Accelerating Literacy Efforts and Expanding Access to Adult Basic and Continuing Education through Innovation.

2. Sharpening our Gender Lens.

3. Saakshar Bharat – India's Flagship Literacy Mission.

4. Innovative Systems and

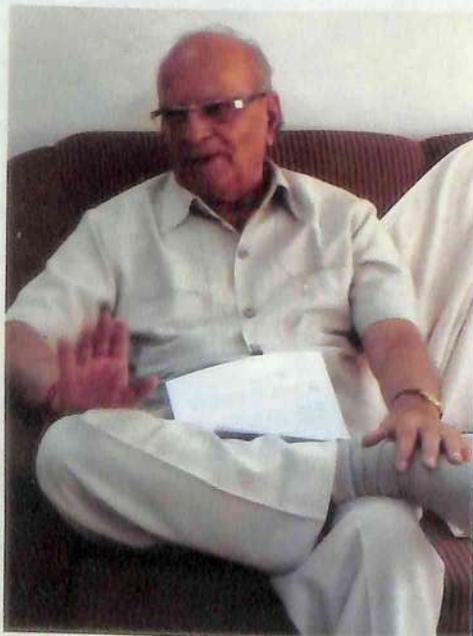
Processes in Saakshar Bharat.

5. Literacy, Empowerment and Inclusive Development.

6. Advocacy, Environment Building and Mass Mobilization.

7. Innovations in Institutional Strengthening and Financing of Adult Literacy, Basic Education and Continuing Education Programmes, Specially for Women.

The valedictory address was given by Dr. Shashi Tharoor, Minister of State for Human Resource Development, Govt. of India.



Prof. B.S. Garg, Chancellor, Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth – Deemed University, Udaipur and President, Indian Adult Education Association had an interaction with Shri B.Sanjay, Programme Officer, IAEA during his visit to Delhi on July 15, 2013. He shared his views on the importance and role of voluntary organizations in community development. Prof. Garg spent

VAs have Great Role in Community Development

– Prof. Garg

long years not only in the field of teaching and education but also worked at grassroots level as a worker and community organizer. His interest in the life and development of people, particularly tribal communities in Udaipur district made him to think of working for them by integrating extension and outreach activities for all the departments of the university as an integral part of academic activities. His association with Indian Adult Education Association is also more than 50 years. He served the organization in different capacities and till date guiding for its development.

Following is the excerpts of the interaction:

Sir, how you developed interest in the area of community development?

When I was a young boy I have seen the enthusiasm of elders participating actively in the freedom struggle led by Mahatma Gandhi. The economy of India was very poor and development was not visible at all. One can see struggle in day-to-day life, but even in poverty people thought only of the country and well being of the people. This has embedded deep in my mind, memory and thought and made me to do something for the people of my country. My conviction and commitment became stronger when I joined Rajasthan Vidyapeeth and started working

closely with Late Manishi Pt. Janardan Rai Nagar. Eventhough, I occupied a number of academic and administrative posts in my long career, I still cherish my work in the remote villages as a volunteer in adult education.

Sir, you worked as a volunteer, what is your opinion about the voluntary organizations?

I have very good opinion about the voluntary organizations as I am part and parcel of the same. As I said earlier whatever I have achieved in my professional career as a teacher in the university was due to the voluntary service done in the community. My Guru Pt. Janardan Rai Nagar was more a community organizer and educator than an administrator. He has also inculcated voluntarism in our mind by sending us to the community for social work. We took our work seriously as most of the population of India immediately after independence was non-literate and practically no visible prosperity on the ground.

Sir, what do you really mean a voluntary organization?

Very simple. A group of socially conscious individuals coming together spontaneously with institutional approach to accomplish a specific purpose or purposes to enhance the overall quality of life of people in the community/society is known as voluntary organization. It is an age old practice and tradition that India has witnessed throughout its history. I consider myself fortunate enough for starting my own professional career primarily with a voluntary organization of repute and popularly known as Rajasthan Vidyapeeth and later with Indian Adult Education Association.

Sir, would you like to share something more about Rajasthan Vidyapeeth?

Rajasthan Vidyapeeth was founded by Manishi Pt. Janardan Rai Nagar in the erstwhile Mewar state which had a prime objective to educate poorest of the poor in the Tribal areas of Rajasthan. You are aware that Udaipur district has the largest population of tribals. It began its journey in 1937 as Hindi Vidyapeeth and became Rajasthan Vidyapeeth in 1948.

Vidyapeeth with a mission to literate those who have no access to education made literacy a non-formal education programme. Even during those days Rajasthan Vidyapeeth started an institution for adult and continuing education and a school in far flung tribal area of Udaipur. Today Rajasthan Vidyapeeth is recognized as a Deemed University.

Sir, what is the difference between a voluntary organization and a non-government organization?

While voluntary organization is an age old practice, the emergence of non-government organization is of a recent origin in the history of philanthropic activities. Groups of individuals dedicated for the cause of community development rely upon their own resources or the resources of the community itself while, in the NGO culture, volunteers largely depend on the budgetary sanctions from the schemes of government or other national or international agencies. It is appreciable that governments across the world have realized their limits in serving the cause of the masses and are trying to rope in NGOs for implementing welfare measures by sanctioning grants to NGOs.

Sir, whether you are seeing a sort of inferiority in the NGO work?

No, absolutely not. I am also an ardent votary of NGO movement in all walks of socio-economic life of the nation and the world. What I am trying to underline here is the need of self sustained community work on the lines of early days of voluntary organizations. We need government support but that alone will not do. We, the people have a constant role to play. We all have observed the havoc that nature has created in Uttarakhand. Government agencies came for the rescue but what about the community effort. I will not hesitate to note that it was absolutely missing. This has never been the trend in our country in earlier days. People, from nearby locality, always rush to rescue of their fellow brothers. If it is missing in Uttarakhand it is largely because of the absence of that voluntary action/effort I am referring to.

Sir, you have witnessed the working of voluntary organizations as well as NGOs in the post independent India. Would you like to give any message to the present generation?

No. Eventhough I spent more than 65 years of my life in the service of people, particularly rural areas, I still feel I am yet to learn more. But at the same time I feel that the spirit of voluntarism is diminishing day by day and number of organizations are interested to do community work more for money. This trend needs to be reversed. The service done to poor and down trodden is equal to the service to the God. I believe in the commitment and strength of today's youth population, which is abundant in India and I am sure they will be the agents of change in the years to come.

GRC-SK, Kirti Nagar is run under the aegis of Indian Adult Education Association and funded by Govt. of NCT of Delhi. This resource centre conducts a number of activities for the community.

पोषाहार कैम्प

जुलाई 8, 2013 को जीआरसी द्वारा माया पुरी झुग्गी क्षेत्र में एक पोषाहार कैम्प आयोजित किया गया। इस कैम्प के दौरान बारिश होने के कारण इसका स्थान परिवर्तन किया गया। इस कैम्प में कुल 32 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कैम्प का विषय 'तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए पौष्टिक आहार' था। बच्चों के लिए फलों से बना रस तथा चिड़वे से बनी खीर बनाना सिखाई गई। जो बच्चों के साथ-साथ माताओं को भी बहुत पसन्द आई। बनाने में आसान, स्वादिष्ट तथा पौष्टिकता के गुणों से भरपूर दोनों आहारों ने सभी को आनन्दित कर दिया। उपस्थित महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था। जीआरसी स्टाफ द्वारा महिलाओं को वहां संचालित होने वाले दोनों कोर्स के बारे में भी बताया गया।

ओ पी डी

जून तथा जुलाई माह में 27 जून तथा 11 जुलाई को क्रमशः 52/53 कीर्ति नगर तथा वधवा कैम्प में ओपीडी आयोजित की गई जिसमें कुल 55 (39

महिलाओं तथा 16 बच्चों) तथा दूसरी ओपीडी जिसमें कुल 60 (55 महिलाओं तथा 5 बच्चों) ने स्वास्थ्य लाभ लिया। अधिकतर महिलाओं में जो सामान्य तकलीफ पाई गई पैर की पिण्डलियों में दर्द थी, जो कि



मुख्यतः कैल्शियम की कमी के कारण होता है। डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने दवाईयों के साथ-साथ महिलाओं को अपने खान-पान में भी कैल्शियम की समुचित मात्रा को सम्मिलित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि किस किस आहार द्वारा कैल्शियम प्राप्त किया जा सकता है। श्री प्रमात आवश्यक दवाईयों के वितरण हेतु उपस्थित थे।

हैल्थ कैम्प

इस वर्ष का प्रथम हैल्थ कैम्प 15/35 बस्ती विकास केन्द्र में जुलाई 12, 2013 को आयोजित किया गया। इस हैल्थ कैम्प का



विषय था 'स्तन कैंसर'। महिलाएं हमारे समाज का महत्वपूर्ण अंग है 'जानकारी ही बचाव है' स्तन कैंसर पर जानकारी देने तथा स्वयं अपनी जांच महिला कैसे कर सकती है के बारे में बताने के लिए चार डाक्टरों की एक



टीम राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट, रोहिणी से आई हुई थी। प्रस्तुतीकरण के दौरान स्तन कैंसर पर आधारित आंकड़ों, तथ्यों, पूर्व संकेतों तथा स्वयं निरीक्षण आदि विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। भारत में महामारी की तरह फैल रही इस बीमारी के प्रति युवा महिलाओं को जागरूक होने पर विशेष जोर दिया गया। कैम्प के दौरान बारिश के कारण इस बार स्वास्थ्य लाभ पाने वालों की उपस्थिति केवल 197 रही।



हैल्थ कैम्प में एक महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलू श्रीवास्तव, बाल रोग विशेषज्ञ तथा दवाई वितरण के लिए फार्मासिस्ट श्री प्रमात भी उपस्थित थे। इस दौरान ज्वाइंट चीफ फंक्शनरी श्रीमती कल्पना कौशिक तथा मॉनिटरिंग आफिसर श्री इरफान खान भी उपस्थित थे।

वाश ट्रेनिंग तथा वाश सेशन

गत 29 जून को जीआरसी सेन्टर में एक वाश ट्रेनिंग का आयोजन किया गया जिसमें 21 लोगों ने प्रतिभाग किया। जीआरसी स्टाफ ने उपस्थित लोगों को विभिन्न जानकारी प्रदान की तथा उनके साथ मिलकर कई प्रयोग भी किए।



व्यक्तिगत सफाई, हाथों की सफाई, खाना बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए तथा सेहत का पैगाम नामक किताब में उपलब्ध जानकारी से भी लोगों को अवगत कराया। पूरे स्टाफ ने मिलकर उक्त जानकारी को सांझा किया।

18 जुलाई को वाश का एक सेशन हरिजन बस्ती, कीर्ति नगर में जी आर सी स्टाफ द्वारा लिया गया। सर्वप्रथम, स्टाफ द्वारा जीआरसी द्वारा किए जा रहे कार्यों का संक्षेप में वर्णन किया गया तत्पश्चात स्वच्छता विशेषकर हाथों



की सफाई कैसे और कब-कब की जाए की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रश्नोत्तर द्वारा इस विषय पर उनकी जानकारी बढ़ाई। इस सेशन में 36 महिलाएं/बच्चे उपस्थित थे। हाथों की सफाई तथा नियमितता बनाए रखने के लिए नेल कटर्स

बाल विवाह गैर कानूनी है। कानून के अनुसार विवाह के समय पुरुष की आयु 21 वर्ष तथा महिला की आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। कम उम्र में विवाहित लड़कियों को सेक्स तथा गर्भधारण से जुड़ी समस्याएं होने की प्रबल संभावना रहती है। परिपक्वता के अभाव में महिलाएं अक्सर घरेलू हिंसा, सेक्स संबंधी ज्यादतियों तथा समाजिक बहिष्कार की शिकार होती हैं। कम उम्र में विवाह होने के कारण लड़कियां पढ़-लिख नहीं पातीं और निरंतर गरीबी, बीमारी और लिंगभेद के जाल में फंसी रहती है। बाल विवाह के लिए गरीबी, लड़कियों की शिक्षा का निचला स्तर, लड़कियों को आर्थिक बोझ समझना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं परम्पराएं आदि कारण जिम्मेदार हैं। 2001 की जनगणना के अनुसार देश में 18 वर्ष से कम उम्र के 64 लाख लड़के-लड़कियां विवाहित हैं। बाल विवाह उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा कई कड़े कानून बनाए गए तथा लड़कियों की शिक्षा और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए जिनसे निश्चित रूप से बाल विवाह की दर गिरी है। लेकिन आज भी यह कुप्रथा कई राज्यों विशेषकर राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा तथा केरल में चली आ रही है।



भी जीआरसी द्वारा वितरित किए गए।

कानूनी जागरूकता शिविर

गत जून 22, तथा 24 जून को 10/67 फर्नीचर ब्लॉक तथा माया पुरी झुग्गी बस्ती में महिलाओं को कानूनी जागरूकता के तहत श्री योगेश मेहरा द्वारा आर. टी. आई, महिला सुरक्षा तथा घरेलू हिंसा के विषय में जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस सेशन में 20 तथा 25 महिलाओं ने हिस्सा लिया तथा



अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी प्राप्त की। उपस्थित महिलाओं में से तीन महिलाओं को अपने व्यक्तिगत मुद्दों पर सलाह तथा सुझाव प्रदान करने के लिए जीआरसी में आकर श्रीमती रागिनी एस. राज से मिलने के लिए बुलाया। फायर स्टेशन, कीर्ति नगर में जुलाई 3, 2013 को आयोजित कैम्प में बाल विवाह विषय पर अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

जुलाई 10, 2013 को जीआरसी सेंटर पर कानूनी सलाह के लिए उपस्थित अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज द्वारा श्रीमती नसरीन को घरेलू हिंसा तथा पति से गुजारा भत्ता प्राप्त करने में कानूनी सहायता प्रदान की तथा बताया कि उनका अगला कदम क्या होना चाहिए। अन्य उपस्थित दो और महिलाओं को उन्होंने कानूनी जानकारी प्रदान की।

जुलाई 10, 2013 को जीआरसी सेंटर पर कानूनी सलाह के लिए उपस्थित अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज द्वारा श्रीमती नसरीन को घरेलू हिंसा तथा पति से गुजारा भत्ता प्राप्त करने में कानूनी सहायता प्रदान की तथा बताया कि उनका अगला कदम क्या होना चाहिए। अन्य उपस्थित दो और महिलाओं को उन्होंने कानूनी जानकारी प्रदान की।

अपराध	धारा	सज़ा
सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कार्य एवं अश्लील गीत गाना	धारा 294	3 माह की कैद या जुर्माना या दोनों
महिला की शालीनता भंग करने की मंशा से की गई अश्लील हरकत	धारा 354	2 वर्ष
महिला के साथ अश्लील हरकत या अपशब्द कहना	धारा 509	1 वर्ष
महिला की सहमति के बगैर गर्भपात कराना	धारा 313	आजीवन कारावास या 10 वर्ष कैद/जुर्माना
अपहरण, भगाना या स्त्री को शादी के लिए मजबूर करना	धारा 366	10 वर्ष
पहली पत्नी के रहते दूसरा विवाह करना	धारा 494	7 वर्ष
दहेज	धारा 304	(क) आजीवन कारावास
दहेज मृत्यु	धारा 304	(ख) आजीवन कारावास
पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता,	धारा 498 ए	3 वर्ष
बेइज्जती करना, झूठे आरोप लगाना	धारा 499	2 वर्ष
आत्महत्या के लिए दबाव बनाना	धारा 306	10 वर्ष
बलात्कार	धारा 376	10 वर्ष तक की सजा या उम्रकैद

जुलाई 17, 2013 को श्री योगेश मेहरा द्वारा हरिजन कैम्प, कीर्ति नगर में उपस्थित 32 महिलाओं को भारतीय दण्ड संहिता की धारा नं. 376 जिसके तहत बलात्कार के दोषी को सजा दी जाती है। धारा 354 जो कि किसी

भी महिला पर शारीरिक बल का इस्तेमाल के खिलाफ दण्डित करती हैं के बारे में विस्तार से बताया। धाराएं जो महिलाओं पर होने वाली क्रूरता के खिलाफ महिलाओं को सहारा प्रदान करती हैं - तालिका में दी गई हैं।

Data Collection at Rupnagar and Patiala for Impact Study



A three member evaluation team of Indian Adult Education Association, New Delhi visited Rupnagar and Patiala districts of Punjab from July 22-27, 2013 to collect data for the Impact study on the "Awareness Generation and Preventive Education Campaign for the Prevention of Drug Abuse and Alcoholism" implemented by Nehru Yuva Kendra Sangathan, Ministry of Sports and Youth Affairs, GOI. The members of the team were Shri B.Sanjay, Shri S.C.Dua and Shri Jai Bhagwand. The team reached Chandigarh on July 22, 2013 and had a detailed discussion with the Zonal Directors of Punjab and Haryana Shri

J.P.S. Malik and Shri J.S.Kooner at NYKS Camp Office, SAS Nagar, Mohali to have their views on various aspects of the project/programme implementation.

The evaluation collected data from 60 villages in 5 blocks namely Anandpur Sahib, Chamkaur Sahib, Morinda, Nurpur Bedi and Roper of Rupnagar district and 70 villages in 6 blocks viz. Bhunerheri, Ghanour, Patiala, Patran, Samana and Sanour of Patiala district by administering interview schedules on Youth Club Members, Panchayat Presidents/Members, Representative of NGOs, Artists of Cultural Groups, Resource persons and a few addicts who have been rehabilitated or in the process of rehabilitation and their family members. Data was also



collected regarding case studies/success stories and visit to drug de-addiction centres.

The evaluation team also met Shri Pradeep Kumar Agarwal, Deputy Commissioner, Rupnagar and Shri



G.K.Singh, Deputy Commissioner, Patiala to solicit their opinion regarding the efficacy of the awareness campaign in their districts.



सफल हुए सी.एल.एस के विद्यार्थी

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार का एक मान्यता प्राप्त व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र है। इस प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा विगत कई वर्षों से पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाण-पत्र कोर्स संचालित किया जा रहा है। अप्रैल-मई 2013 में इस कोर्स के पाचवें बैच के 8 विद्यार्थियों में से 7 विद्यार्थी परीक्षा में सफल हुए। जिसमें प्रथम स्थान बबीता, द्वितीय स्थान रिकी और तृतीय स्थान हीरा ने प्राप्त किया। इस बैच में एक उल्लेखनीय बात यह है कि अब तक संचालित 5 बैचों में से सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली विद्यार्थी (बबीता) इसी बैच से है। बबीता ने सबसे ज्यादा अंक हासिल कर भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ का नाम रोशन किया है। भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ इन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



बबीता (प्रथम स्थान)



रिकी (द्वितीय स्थान)



हीरा (तृतीय स्थान)



नीरज



अनुज



दीपिका आर्य



रवि कुमार मुद्गल

National Workshop on Vision and Action Plan for Collaboration between Universities and National Literacy Mission Authority

A two day national workshop sponsored by National Literacy Mission Authority (NLMA) was organized by the Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi on July 11-12, 2013 at the International Guest House in the University Campus. The objective of the workshop was to prepare the Vision and Action Plan for Collaboration between the Universities and NLMA with a view to augment the effective implementation of Adult Education and Lifelong Learning Programmes in the XII Five Year Plan. Around 39 participants from 21 universities and 8 organizations attended the workshop.

The inaugural session was presided over by Prof. M.M Chaturvedi, Director, Cluster Innovation Centre, University of Delhi and the inaugural address was given by Shri Jagmohan Singh Raju, Director General, NLMA. In his address he urged the participants to bring out a viable plan of action which will expand the mandate of the Departments of Adult, Continuing Education and Extension/Departments of Lifelong Education in Universities. He desired the departments to become the fulcrum of the universities to spread the importance of lifelong learning.

Prof. M.M. Chaturvedi in his



presidential address stated that the Departments of Adult Education have immense potential to pull the student resources and support them in developing right attitude towards social responsibility.

Dr. Rajesh, Head, Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi in his welcome address presented the broad objectives of the workshop.

The first business session was addressed by Dr. S.Y. Shah, Professor, Group of Social Sciences, Jawaharlal Nehru University, New Delhi. He said that as on date there are not many research studies conducted in the field of adult and lifelong education in India. Even few studies conducted are mostly on the implementation of programmes in the field on campaign mode. For want of quality research in adult education the credibility of the programmes has been lost and their prime of slots in the programme planning.

Hence, he desired the Adult Education Departments to take-up quality research on priority basis, particularly on the government programmes and schemes.

Thereafter, the participants were divided into groups with the specific topics for discussion.

On the second day the group leaders have presented their reports. This session was presided over by Dr. V.Mohankumar, Director, Indian Adult Education Association. In this session Shri Z.H. Qureshi from State Resource Centre, Jamia Millia Islamia and Ms. Neelu Jain, Director, Jan Shikshan Sansthan, Peeragarhi, New Delhi briefed the participants about the role of SRC and JSS in adult education.

The workshop was planned and conducted by Dr. Rajesh with the active support of the faculty and research scholars which included Dr. J. P. Dubey, Dr. V.K.Dixit, Dr. Bani Bora, Shri Pramod Kumar, Shri Santosh Kappu, Shri Albert Abraham and Shri Ashlam.

महिला जागरूकता शिविर का आयोजन

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ (उत्तर प्रदेश) इकाई, द्वारा ग्रामोत्थान संस्थान उ.प्र., लखनऊ तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 4.7.2013 को एक आठ दिवसीय महिला जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 4 जुलाई 2013 से 11 जुलाई 2013 तक आयोजित इस शिविर का उद्घाटन डा. मदन सिंह, चैयरमैन, प्रदेश इकाई द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि एवं ग्राम दादपुर बंधरा, लखनऊ के ग्रामवासियों के साथ महिला प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। विशेष अतिथियों के रूप में क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपति श्री तेज प्रताप सिंह; न्यायाधीश श्री पी. एस. छाबड़ा; निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ श्री श्रीपति रस्तोगी एवं कार्यक्रम सहायक श्री ओम प्रकाश तथा भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की कार्यकारिणी समिति की सदस्य डा. उषा राय उपस्थित रहीं। इस उद्घाटन सत्र में स्थानीय प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकगण, पूर्व प्रधान, आशा बहुएं तथा ग्राम स्तर के अन्य विकास विभागों के प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया।



(बायें से) तेज प्रताप सिंह, श्रीपति रस्तोगी, मदन सिंह, पी. एस. छाबड़ा, एस. सी. उपाध्याय, उषा राय

आठ दिवसीय महिला जागरूकता शिविर में महिला विकास से जुड़े विविध विषयों की विस्तृत चर्चा की गई। विषयवार निम्नलिखित संदर्भ व्यक्तियों ने अपना-अपना योगदान निम्नलिखित के अनुसार किया:

क्र.स.	विषय	संदर्भ व्यक्ति
1.	महिलाओं की स्थिति – घर, गांव एवं समाज में महिलाओं का स्तर, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मामलों में निर्णय का अधिकार, राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी, महिलाओं के साथ भेदभाव, मजदूरी, रोजगार की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।	डा. उषा राय, सामाजिक कार्यकर्ता ने
2.	महिलाएं और कानून,	श्री पी. एस. छाबड़ा न्यायाधीश (से.नि.),
3.	स्वास्थ्य और महिलाएं,	श्रीमती शशी सिंह, आशा बहु,
4.	सामुदायिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विज्ञान,	डा. पंकज चौरसिया,
5.	महिलाएं और प्रौद्योगिकी पर्यावरण,	डा. एस. सी. उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र.
6.	महिलाएं और अर्थव्यवस्था,	श्री श्रीपति रस्तोगी, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ,
7.	महिलाओं की ग्रामीण और खण्ड स्तर की गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका और	श्री पी. एस. छाबड़ा न्यायाधीश (से.नि.) तथा
8.	महिलाओं के उत्थान के लिए उपलब्ध विभिन्न संगठन पर स्वयं के विचार व्यक्त किए।	श्रीमती सरोज पाण्डेय, ए.एन.एम. एवं श्रीमती मालती

उक्त शिविर के संचालन में श्रीमती मालती, क्षेत्रीय कार्यकर्ता का विशेष सहयोग रहा। शिविर के अन्तिम दिन 11 जुलाई को अपराह्न 3.30 बजे आयोजित समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान 'दादपुर' श्री राम सरन यादव ने की।

Seminar on Monsoon Diseases – Prevention and Management

The State Resource Centre, Kerala in collaboration with Indian Adult Education Association Kerala State Branch and Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation organised a seminar on “Monsoon Diseases – Prevention and Management” at the Conference Hall of SRC on June 26, 2013.



Dr. N.G.K. Pillai, renowned Ayurveda Medical Practitioner and former Director of Regional Research Institute (Ayurveda) made a presentation on the monsoon diseases and how to prevent the same with locally available medicines. He explained in detail



[From Left] N.G.K. Pillai and A. Muraleedharan Thampi

about the treasure of traditional medicinal plants grown all over Kerala and how they can be utilized fully to effectively prevent the diseases which include

chicken guinea and dengue fever. He also shared his rich experience gained in the last 35 years of service in the field of Ayurveda treatment. At the end the participants asked a number of questions for which he gave suitable answers and clarified the doubts.

Dr. Muraleedharan Thampi, President, IAEA Kerala State Branch presided over the seminar. In his address he said that Kerala is having the great tradition of Ayurveda treatment and hence, there is a need of exploring the traditional remedies for the seasonal diseases.

Shri Harish Kumar S. Media Officer, SRC Kerala and EC Member of IAEA gave welcome address while Ms. J. Jayasree, Programme Coordinator, SRC Kerala proposed vote of thanks.

Puliyur Kesigan Award to Dr. Matheswaran



Dr. V. P. Matheswaran, Faculty of Adult Education and Head In-charge, Department of Education, University of Madras has been awarded Puliyur Kesigan Award 2013 for his writings in the field of education. The award has been instituted by Puliyur Kesikan Literary Forum, Chennai.

In a solemn function the award was handed over to Dr. Matheswaran by Justice S.Jagadeesan, Hon'ble Judge of Madras High Court. Others present on the occasion were Dr. G Vijayaragavan, Director, World Tamil Research Institute, Smt. Cho. Kalaiselvi, Founder Secretary, Puliyur Kesikan Literary Forum, Shri R. Gandhi, Senior Advocate, Dr. Saradha Nambi Aruran, Former Commissioner of RTI and Shri S.P. Muthuraman, Film Director.

Dr. Matheswaran is the Life Member of Indian Adult Education Association.

नेपाल प्रतिनिधि मण्डल का उत्तराखण्ड भ्रमण



गत 24 जून 2013 से 26 जून 2013 को नेपाल के एक छः सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने उत्तराखण्ड का दौरा किया। प्रतिनिधि मण्डल में श्री बाबूराम पौडल, निदेशक, एन. एफ. ई. सी, श्री सुशील पाण्डे, उप-निदेशक, नेटकौम, श्रीमती रेनुका पाण्डे, डी.ई.ओ., श्रीमती रिबिका अमर्त्य, अनुसचिव, डी.ई.ओ., श्री चूडामणी फुयाल, अनुसचिव, आर. ई. डी, तथा यूनेस्को की प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर मिस कक्कानांग घेताले शामिल थी।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण के परामर्शदाता डॉ. आर. पी. पाठक की अगुवाई में दिनांक 24 जून 2013 को प्रतिनिधि मण्डल ने राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, उत्तराखण्ड तथा राज्य संसाधन केन्द्र, देहरादून का भ्रमण कर वहाँ के अधिकारियों से संचालित कार्यक्रमों के संबंध में विचार विमर्श किया।



इसके उपरान्त दिनांक 25 जून 2013 को जन शिक्षण संस्थान, देहरादून का भ्रमण कर प्रतिनिधि मण्डल ने संस्थान के विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान प्रौढ़ शिक्षा में जन शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर एक पावर प्वाइंट का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

अंत में प्रतिनिधि मण्डल ने जन शिक्षण संस्थान द्वारा क्षेत्र में चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों-सहसपुर ब्लॉक में नयागाँव पेलियो में दरी प्रशिक्षण कार्यक्रम व भूडपुर गाँव में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का भ्रमण किया तथा प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण व व्यावसाय की सम्भावनाओं से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने जन

शिक्षण संस्थान, देहरादून के कार्यक्रमों की सहराना की तथा इच्छा व्यक्त की कि असाक्षरों, नव-साक्षरों व कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए चलाए जा रहे प्रकार के उपयोगी कार्यक्रम वे अपने देश में भी संचालित करना चाहेंगे।

—इन्द्रजय सिंह असवाल
निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, देहरादून

MoU Signed between GRI, Gandhigram and CCCU, UK



[From Left] Patrick, Vivienne Griffiths, M.A.Sudhir, SM.Ramasamy, N.Narayanasamy

In order to promote common interest in education, particularly higher education, through cooperation and mutual respect a Memorandum of Understanding was signed between the Gandhigram Rural Institute – Deemed University, Gandhigram, Dindigul District, Tamil Nadu and Canterbury Christ Church University, UK on July 5, 2013 at Gandhigram. The MoU was signed on behalf of Gandhigram Rural Institute by Dr. N. Narayanasamy, Registrar and the Vice Chancellor on behalf of Canterbury Christ Church University. This MoU valid for five years will establish a special relationship between these two great Institutions and facilitate exchange and learn from each other the innovative ideas in teaching, research and extension by sending students, research scholars and teachers to enhance their knowledge and experience.

On this occasion Dr.S.M.Ramasamy Vice-Chancellor, Dr.N.Narayanasamy, Registrar, Dr.M.A.Sudhir, Dean, Faculty of Rural Development, Dr.R.Subburaman, Head of the Department, Dr.L.Raja, Professor and other members of the staff of Gandhigram Rural Institute, Dr.Patrick, Professor, Prof. Vivienne Griffiths, Director of Research and other staff and students of Canterbury Christ Church University were present.

सैलाब

दूर-सुदूर से
अनगिनत लोग
गए थे ऊँचे पहाड़ों पर
पूजा और अर्चन को
शिव के आराधन को
मुट्ठी में कैद थीं
अनगिनत मन्तें
मन में नई आस थी
केदारनाथ दर्शन की
अचानक तभी एक
आया था झंझावात
आसमां का सीना चीर
फट पड़ा था मेघनाथ
क्रोध में उफनता
चट्टानों को फेंकता
धरती धंसाता
उमड़ा महा सैलाब
छा गया था हर तरफ
घटा घोर अंधकार
बदहवासी का आलम था
चीत्कार-हाहाकार
इस त्रासदी ने सबको
हिला के रख दिया था
इंसान का गुरुर
चकनाचूर कर दिया था

एक आपदा जो बरसी
ऊँचे आसमान से
ज़लज़ला था कोई
या, हिमाला सुनामी थी
थरथराते लोग भय से
भूख से बेहाल थे
पानी के बीच होकर भी
प्यास से परेशान थे
सबकुछ बिखर गया था
विनाश की त्रासदी में
बिखर गई अभिलाषाएं
लुट चुकी थीं मन्तें
खुले आसमां के नीचे
उनके उदास चेहरे थे
लाशों के ढेर पर वो
अपनों को ढूँढते थे
सैलाब में ज़िन्दा ही
कितने ही बह गए थे
लाशों में तब्दील होकर
गंगा में बह गए थे
गुम हो गए हजारों
पर्वत के आगे-पीछे
बेसुध, बेजान, निष्प्राण
वक्त की गर्त तले दबे थे

- कुसुम वीर

I am Proud to be a Resource Person

I am Sulochana living in Kopaneri tribal settlement located under Perianaickenpalayam Forest Range in Coimbatore district. My settlement is situated in the beautiful Western Ghats in between Palakkad in Kerala and Coimbatore in Tamil Nadu. I do not belong to tribal community; but I was born and brought up in the forest like any other child born in the tribal family.



Originally my forefathers belonged to Tiruchirappalli district and after the demise of my grand parents my father who was 15 years then moved to Pillur Dam site when it was under construction. He worked there as a construction labourer, married to my mother who belongs to one of the most backward communities and finally settled in Kopaneri Tribal settlement. When I completed my senior secondary education in a residential school adjoining to the foothills of Western Ghats I got married to a close relative of mine. Unfortunately, my marriage became a disaster as my husband deserted me after my two sons were born. It was a rude shock to me but I reconciled soon and started taking care of my children with a meagre income I got from a petty shop which I opened in the jungle itself. Life was miserable and I did not know what to do.

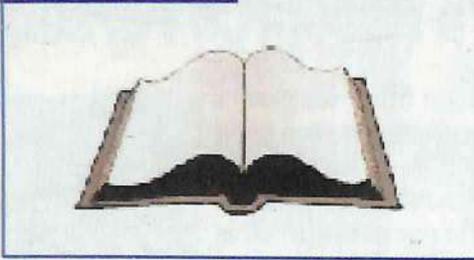
One day in September 2010 I got a call from the Forest Range Officer to join alongwith other tribal boys and girls for a seven days vocational training programme in Warlie Art using pots, cloth and hard board conducted in the forest itself with the help of Coimbatore Jan Shikshan Sansthan. I not only learnt the craft well but also got an opportunity to undergo advanced training in Warlie Art, Shell Craft and Soap Making. When I learnt that Coimbatore JSS helps to sell the finished products through Tribes India Show Room in Bengaluru I got the confidence that I can also do business. I got opportunity to take part in the exhibitions conducted by TRIFED, Forest Department, FICCI Flo both in Coimbatore and Thiruvananthapuram.



Seeing my enthusiasm and efficiency Coimbatore JSS made me a Resource Person for Arts and Crafts and my training centre is the tribal settlement. My joy found no

limits when I got an appreciation from Shri.JiJi Thomson, IAS, Managing Director, TRIFED during his visit to Coimbatore JSS on March 23, 2012 and selected for state award on the recommendation of Coimbatore JSS from the Crafts Council of Tamil Nadu during its Silver Jubilee Year in the month of March 2013. I got Rs.5000/- as cash prize.

Now I feel that my life has become a meaningful one as I give training to the native inhabitants living in the forest area and personally see the transformation taking place in the life of tribal people. I sincerely acknowledge the services of Coimbatore JSS for all its support.



Bansal, Parul. **Youth in Contemporary India: Images of Identity and Social Change**. Springer, 2012: 281 p.

This book is a study of 'identity' in Indian urban youth. It is concerned with understanding the psychological themes of conformity, rebellion, individuation, relatedness, initiative and ideological values which pervade youths' search for identity within the Indian cultural milieu, specifically the Indian family. In its essence, the book explores how in contemporary India the emerging sense of individuality in youth is seeking its own balance of relationality with parental figures and cohesion with social order. The research questions are addressed to two groups of young men and women in the age group of 20-29 years-Youth in Corporate sector and Youth in Non Profit sector. Methodologically, the study is a psychoanalytically informed, process oriented, context sensitive work that proceeds via narrations, conversations and in-depth life stories of young men and women. Overall, the text reflects on the nature of inter-generational continuity and shifts in India.

Helpage India. **Elder abuse in India: Report 2012**. New Delhi, HelpAge India: 2012: 31p.

The Year 2012 study on Elder Abuse in India by HelpAge, spanned 20 cities where HelpAge India is operating Elder Helplines, interviewing 5600 elders (280 in each location) covering SEC A, B,C &D. The cities covered were: Delhi NCR, Mumbai, Kolkata, Bangalore, Hyderabad, Guwahati, Patna, Chandigarh, Panaji, Ahmedabad, Shimla, Jammu, Kochi, Bhopal, Bhubaneswar, Puducherry, Jaipur, Chennai, Dehradun, & Lucknow. Main Findings of the study are: 31% of older persons reported facing abuse. More than half of those abused were facing it for more than 4 years and all these were facing multiple forms of abuse, 24% older people faced abuse almost daily, 75% of those who faced abuse lived with family and 69% were owners of the house in which they were living. The primary abuser was the son in 56% cases, followed by the daughter-in-law with 23% cases. More than 50% of those abused, had faced this situation for more than 5 years. 33% faced it for

up to 3 years and less than 1 % faced it for more than 6 years, 55% of those abused, did not report it to anyone. More than 80% of these did not report the matter to uphold family honor, 62% older persons suggested the most effective mechanisms to tackle Elder Abuse was sensitization of children and strengthening of intergenerational bonding and 38% stated it to be economic independence, 18% older persons did not know about any of the currently available redress mechanisms. 36% knew about one and 46% knew two or three of the options. The older persons considered disrespect, neglect and verbal abuse as Elder Abuse. Disrespect, followed by neglect and verbal abuse, were thought to be the form in which Elder Abuse was most prevalent in our society, 6% older persons did not know what constitutes Elder Abuse, 81% older persons thought that Elder Abuse was prevalent in our society. Only 22% older persons considered the prevalence rate of Elder Abuse in society to be high; an equal proportion considered it to be low and 56% said it was moderate. Most of the abused older persons experienced disrespect; neglect and verbal abuse. Little less than 50% of the older persons had seen cases of Elder Abuse in their surroundings. Out of those who reported abuse, 49% elders chose a family member for reporting/confiding about it, Police Helplines and services were known to majority of the respondents but were never used, probably due to lack of trust or to maintain family honor, Delhi NCR witnessed a rise in abuse from last year, with 29.82% elders stating they faced abuse, as against 12% the year before. Mumbai (Maharashtra) followed a close second to Delhi NCR with 29.46 %, Bhopal (MP) ranked the highest in Elder Abuse with 77.12% elders stating they faced abuse, followed closely by Guwahati (Assam) with 60.55% and Lucknow (UP) with 52%.5. Other than Bhubaneswar (Odisha) with 23.31%, Eastern India on an overall basis had high percentage of Elder Abuse with Guwahati(Assam) - 60.55% & Kolkata (WB) - 40.93%, Jaipur (Rajasthan) reported a miniscule 1.67% cases of Elder Abuse, 11% of older women and 6% older men did not have any knowledge about the currently available reporting and redress mechanisms. None of the respondents knew about all the available mechanisms, 19% older women knew about one mechanism as compared to 17% men, and 21% women knew 2 or 3 mechanisms as compared

to 25% older men.

O'Grady, Anne. **Lifelong Learning in the UK: An introductory guide for Education Studies**. Routledge, 2013: 126 p.

The book gives an introduction to lifelong learning and the impact it has on all areas of society. Assuming no prior knowledge of the subject, it explores what lifelong learning is, where learning can and does take place and who is accessing it. The book highlights different strands to lifelong learning; it examines the concept of lifelong learning drawing on key policy initiatives and strategies. Each section outlines the types of individuals who are most likely to access lifelong learning within and across these strands including, for example, migrants, refugees and asylum seekers, unemployed adults, carers and guardians, older age-groups and returning learners. Chapters covered in this book are adult and community learning; higher education; further education; work-based learning; prison and probation learning.

Unesco. **EFA Goal 5: Gender Equality (Asia-Pacific End of Decade Notes on Education for All)**. Bangkok: UNESCO Bangkok, 2012, 64 p.

The Asia-Pacific End of Decade Note on Education for All: Goal 5 - Gender Equality covers EFA goal 5: "Eliminating gender disparities in primary and secondary education by 2005, and achieving gender equality in education by 2015, with a focus on ensuring girls' full and equal access to and achievement in basic education of good quality."

The Asia-Pacific End of Decade Notes (EDN) is a series of joint UNESCO-UNICEF publications that present a review of regional and national progress toward the six EFA goals, take stock of the progress, persisting issues and remaining challenges in achieving the goals, and highlight examples of innovative policy reforms and strategies, particularly those aimed at reducing disparities in access to and quality of education. The EDNs also emphasize the policy, capacity and governance gaps to be addressed in order to achieve EFA goals in the region. The six reports build on the findings of the Asia-Pacific EFA Mid-Decade Assessment (2006-2008), which examined EFA progress and gaps at the mid-way point of the 2000-2010 decade.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.8

Re. 1 per copy

August 2013



Indian Adult Education Association

IAEA Executive Committee Met at Mumbai



The meeting of the Executive Committee of Indian Adult Education Association was held under the Chairmanship of

brief introductory remarks and Shri K.C. Choudhary, General Secretary extended warm welcome to the members.



Prof. B.S. Garg, President on August 8, 2013 at at Hotel Silver Inn, Andheri (E), Mumbai. In all 17 members and 2 special invitees attended the meeting.

At the beginning of the meeting Prof. B.S. Garg gave

Thereafter, the committee confirmed the minutes of the last meeting held at Tirupati on December 16, 2012, approved the report of activities of the Association carried out during January-July, 2013, Audited Statement of Accounts for 2012-13 and one



Institutional membership and 9 Life membership.

The committee also decided to hold the 60th All India Adult Education Conference at Udaipur from January 10-12, 2014 in collaboration with JRN Rajasthan Vidyapeeth Deemed University and with the theme of the



India celebrates its 67th *Independence Day* on August 15, 2013. We salute all those who had participated in the struggle for freedom.



conference "Lifelong Learning in Higher Education".

Other items approved by the committee include election schedule for Council and Executive Committee including the Office Bearers for the term 2014-16, appointment of Returning and Joint Returning Officers to conduct the election and presentation of Nehru and Tagore Literacy Awards.

The committee passed a resolution to congratulate the National Literacy Mission Authority for the excellent work done under Saakshar Bharat due to which it has got Unesco King Sejong Literacy Prize for the year 2013.

At the end the members condoled the death of Shri P.N. Singh, Director, State Resource Centre ADRI, Ranchi, Shri Dayananda Das, former Director, Rourkela Jan Shikshan Sansthan, Shri Chandrakant Sharma, a veteran social worker of Mhow, Prof. Anil Sarkar, founder President, West Bengal State Branch of IAEA, Smt. Namrata Khandelwal daughter-in-law of Shri S.C. Khandelwal.

ANNOUNCEMENT

All India Adult Education Conference

The Indian Adult Education Association is organizing Sixtieth All India Adult Education Conference at Udaipur, Rajasthan from January 10-12, 2014 in collaboration with JRN Rajasthan Vidyapeeth Deemed University.

The theme of the conference is "Lifelong Learning in Higher Education" and the sub-themes are:

- Lifelong Learning - Role of Institutions of Higher Learning
- Lifelong Learning - Role of Open Schools and Universities
- Research and Evaluation in Lifelong Learning
- Role of Vocational Skill Development Training Institutions in Lifelong Learning
- Role of NGOs in Lifelong Learning

All are cordially invited to attend the conference. Those who desire to attend the conference may remit the prescribed registration fee of Rs.1000/- before November 30, 2013 towards boarding and lodging charges through a separate Demand Draft drawn in favour of "Indian Adult Education Association" payable at New Delhi.

The fee charged will be Rs.1500/- for those who register their names from December 1, 2013 to December 31, 2013. In view of limited accommodation available persons not registered as a delegate will neither be allotted accommodation nor will be permitted to attend the conference.

The delegates are requested to confirm their participation by e-mail: iaedelhi@gmail.com and send their Registration Forms by post to General Secretary, Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 alongwith the Demand Draft. Registration form is printed in this newsletter.

Those who desire to present thematic papers in the conference may send the same to IAEA on or before November 30, 2013 through e-mail: directoriae@gmail.com clearly specifying as "Conference Thematic Paper".

K. C. Choudhary
General Secretary, IAEA

National Meeting of Reading Association of India held at Mumbai



wanted the same to be more affordable.



At the end Dr. V. Mohankumar, General Secretary, RAI proposed vote of thanks.



The one day meeting of Reading Association of India (RAI) convened by Mumbai Chapter was held on August 8, 2013 at Hotel Silver Inn, Marol, Mumbai in which members from Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Delhi, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh and West Bengal have participated. The members were addressed by Prof. B. S. Garg, President, IAEA, Shri K.C. Choudhary, Founder President, RAI, Smt. Kallolini Hazarat, Chairperson, Mumbai Chapter, Shri H.C. Parekh, President Elect, RAI and Prof. S.Y. Shah, President, RAI.

Smt. Doris Saldanha from Western Zone, Dr. Asoke Bhattacharya from Eastern and Smt. Kalpana Kaushik from Northern Zones presented reports of activities conducted so far.



During the discussion the members appreciated the quality of reading materials available in the website of International Reading Association (IRA) but expressed the problems faced by them to download the journals as the process found to be cumbersome and time consuming. Hence, they desired the difficulties may be sorted out on an urgent basis so that more persons are attracted to use the materials. The members also felt that IRA journals and books are expensive despite 20% discount and



M.A in LLL to Start in University of Delhi

The University of Delhi is introducing a Masters Degree Course in Lifelong Learning and Extension in the Department of Adult, Continuing Education & Extension from the academic year 2014-15. This course will be in semester with field-work, internship, internal assessment and practicum as an integral part. In semester III and IV there will be an optional paper. Internship will be in government and non-government organizations and the intake capacity of students will be 34.

The university is already having six papers in Discipline-II of the four year undergraduate programme which is being introduced from the academic year 2013-14 in the affiliated colleges of Delhi University.

Dr. Rajesh
Head: Dept. of ACEE

"We have envisioned a prosperous India. An India which has got rid of centuries old burden of poverty, hunger and disease. Where the light of education has driven away the darkness of ignorance and superstition".

– Dr. Manmohan Singh
Prime Minister in his Independence day address - 2013

Stree Shakati Suvidha Kendra (SSSK), Kirti Nagar

Samajik Suvidha Sangam, also known as Mission Convergence, is a unique initiative of Government of NCT of Delhi for holistic empowerment of women from vulnerable and most vulnerable sections of society. For this purpose a number of Stree Shakati Suvidha Kendras (SSSK) or Gender Resource Centres (GRCs) are working in various J.J. Clusters, resettlement colonies and villages across Delhi. The SSSK Centres help women to not only avail the benefits of various welfare schemes of the government but also get access to services and facilities under the Mission, including vocational training, health care, education and many more.

SSSK, Kirti Nagar is run under the aegis of IAEA from September 15, 2012.

Following are the activities/programmes organized/conducted at SSSK-Kirti Nagar:

वाश ट्रेनिंग तथा वाश सेशन

जीआरसी कीर्ति नगर द्वारा गत 18 जुलाई, 30 जुलाई तथा 13 अगस्त को क्रमशः एफ-ब्लॉक, कमला नहेरू कैम्प, जीआरसी परिसर तथा 5/35, कीर्ति नगर इलाके में तीन स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः 30, 10 तथा 30 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। इन सभी स्वच्छता कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना था ताकि वे सभी अपने दैनंदिन जीवन में सफाई संबंधित उपायों तथा मापदण्डों का उपयोग कर अपने तथा अपने परिवार को रोगमुक्त रख सकें। संदर्भ व्यक्ति के तौर पर इन कार्यक्रमों में जीआरसी प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर, स्वयं सहायता समूह मोबिलाइजर, कम्युनिटी मोबिलाइजर तथा ब्यूटी इंस्ट्रक्टर उपस्थित रहे। सभी संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को स्वच्छ रहने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

29 जुलाई को जीआरसी परिसर में एक वाश ट्रेनिंग का भी आयोजन किया गया जिसमें 10 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग के दौरान संदर्भ व्यक्तियों ने बताया कि स्वच्छता चाहे परिवार की हो या समुदाय की यह सभी की सामूहिक जिम्मेवारी है जिसे सुनिश्चित करने के लिए सभी को अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत सफाई, हाथों की सफाई, खाना बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए तथा सेहत का पैगाम नामक किताब में उपलब्ध जानकारी से भी लोगों को अवगत कराया।

विधिक जागरूकता

गत 24 जुलाई को जीआरसी परिसर में अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज की उपस्थिति में विधिक सहायता प्रदान करने हेतु व्यक्तिगत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित एकमात्र प्रतिभागी श्रीमती कमलेश, पत्नी श्री मंगबली, झुग्गी क्रमांक 83, मायापुरी ने अपनी समस्या बताकर श्रीमती रागिनी से समुचित सुझाव प्राप्त किया।

7 अगस्त को जीआरसी द्वारा 5/35, कीर्ति नगर, बस्ती विकास केन्द्र में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा उपस्थित रहे। श्री मेहरा ने प्रतिभागियों को विकलांग व्यक्तियों के अधिकार से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया।

पोषाहार शिविर

जीआरसी द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए गत 12 अगस्त को हरिजन कैम्प में एक पोषाहार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति श्रीमती सुनीता रानी ने प्रतिभागियों को बताया कि सामान्यतया उपलब्ध सामग्रियों से भी पौष्टिक आहार बनाया जा सकता है जो गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होता है। उन्होंने चना युक्त सलाद तथा खीर बनाने की विधि से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।



जोआरसी द्वारा 5/35, कीर्ति नगर बस्ती विकास केन्द्र में गत 25 जुलाई तथा 7 अगस्त को दो ओपीडी क्लीनिक आयोजित किये गये जिनमें क्रमशः 57 तथा 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें एक को छोड़कर सभी महिलाएं ही थीं। दोनों ही



दिन ओपीडी में डॉ. नीलू श्रीवास्तव तथा फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झां उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने डाक्टर से स्वास्थ्य संबंधित सलाह प्राप्त किया तदुपरांत श्री प्रभात कुमार ने प्रतिभागियों को आवश्यक दवाईयां भी वितरित की।



Saakshar Bharat has won King Sejong Literacy Prize 2013



As part of its commitment, UNESCO supports effective literacy policies and programmes and honours excellence and innovation in the field of literacy throughout the world. Every year, on the occasion of International Literacy Day on 8th September UNESCO awards the International Literacy Prizes to institutions, organizations and individuals whose efforts contribute to the promotion of dynamic literate societies.

This year Saakshar Bharat has been given UNESCO King Sejong Literacy Prize.

Saakshar Bharat (Literate India) is India's Rural Adult Female Literacy Mission launched by the Prime Minister of India on September 8, 2009 and came into operation from October 1, 2009. The main goal of the mission is to raise the literacy level to 80% (from 73% in 2011), reduce gender gap in literacy to 10% points (from over 16% points in 2011) and bridge urban-rural disparity in literacy level. The programmes under Saakshar Bharat reach out to cover all adults in rural

India in the age group 15 and beyond with the primary focus on women. It envisages making 60 million non-literate women and 10 million non-literate men literate by 2017.

Saakshar Bharat is the world's largest literacy programme with a futuristic vision and contemporary character, design and architecture. It is fully compliant with Belem Framework of Action, Abuja Declaration and LIFE. Its distinctive innovative features include: focus on women; learner centric with appropriate pedagogical approach; curriculum design process participative and upholds diverse lifelong learning needs of learners with a right perspective; teaching in mother tongue; offers alternative approaches to literacy; decentralized and devolved management; increased role of the elected Panchayati Raj Institutions (Local self Government) alongwith local communities; good governance; effective use of ICT; robust monitoring; scientific learner's

assessment; convergence, and respectable budgetary support.

The allocation of funds for Saakshar Bharat is based on adult female illiterate population in the districts covered under the programme in various states. The share of funding between Central and State Government is in the ratio of 75:25. During 30 months between 2009-12, the funding of the programme was to the tune of Rs.14,850 million. However, for the period 2012-17, a sum of Rs.46,000 million have been allocated for this programme.

In the last three years (September 2009 to March 2013) a number of achievements have been made by Saakshar Bharat which includes:

- Programmes rolled out in the rural areas of 372 low female literacy districts in 25 states by setting-up 1,48,072 Adult Education Centres in equal number of villages.
- These Centres are manned by 2.30 lakh Preraks out of these half of them are women.
- 20 lakh persons have been trained as voluntary teachers.
- More than 300 lakh primers in a number of Indian languages and dialects have been produced and distributed.
- Nearly 20 lakh adults have been skilled through vocational skill development programmes.
- Over 200 lakh have been certified as literate and of these 70% are women.

King Sejong Literacy Prize was created in 1989 by the Government of the Republic of Korea. This Prize is named in honour of King Sejong whose outstanding contribution to literacy was the creation of the native Korean alphabet 'Hangul' over 500 years ago. The award consists of a sum of US\$ 20,000, a silver medal and a certificate.

Election to Council and Executive Committee of IAEA including Office Bearers PROGRAMME

1.	Date of publication of list of members	Tuesday	1-10-2013
2.	Last date for filing objection, on the list of members entitled to vote	Tuesday	8-10-2013
3.	Date for decision on objection, if any	Thursday	10-10-2013 11:00 a.m.
4.	Date of final publication of list of members entitled to vote	Friday	11-10-2013 11:00 a.m.
5.	Last date for receiving nomination papers	Wednesday	11-12-2013 till 1.00 p.m.
6.	Publication of the list of nomination papers received	Wednesday	11-12-2013 at 5.00 p.m.
7.	Date of scrutiny of the nomination papers	Thursday	12-12-2013 11:00 a.m.
8.	Date of publication of list of candidates	Thursday	12-12-2013 (immediately after scrutiny)
9.	Last date for withdrawal of candidature	Friday	10-1-2014 before 1.00 p.m.
10.	Publication of final list of candidates	Friday	10-1-2014 at 5.00 p.m.
11.	Date and Time of General Body Meeting	Saturday	11-1-2014 9.00 a.m.
12.	Date and time of the meeting of Individual Members to elect "Council Members" from amongst Individual Members	Saturday	11-1-2014 (9.15a.m. to 10.30 a.m.)
13.	Date and time of the meeting of Institutional Members to elect "Council Members" from amongst Institutional Members	Saturday	11-1-2014 (10.30 a.m.)
14.	Date and time of meeting of Council to elect Office Bearers and Executive Committee Members	Sunday	12-1-2014 (9.00 a.m. to 10.00 a.m.)
15.	Declaration of Results (immediately after completion of counting)	Sunday	12-1-2014 (immediately after counting)

(Dr. V. Mohankumar)
Returning Officer

(KC Choudhary)
General Secretary



Estd : 1939

Indian Adult Education Association

17-B Indraprastha Estate, New Delhi-110002, INDIA
Phones: 23379282, 23379306 Fax: 23378206
E-mail:iaeadelhi@gmail.com, directoriaea@gmail.com
Website: www.iaea-india.org, www.iiale.org

F.No. IAEA/A&F/3-6/2012-13

August 26, 2013

NOTICE FOR GENERAL BODY MEETING

Sir/Madam,

The next meeting of the General Body of Indian Adult Education Association will be held on January 11, 2014 at 9:00 a.m. in Udaipur, Rajasthan.

Following are the agenda items for the meeting:

1. Confirmation of the minutes of last meeting of the General Body held on December 16, 2012 at Tirupati.
2. Adoption of the Annual Report of the Association for the year 2013.
3. Adoption of Audited Statement of Accounts for the year 2012-13.
4. Appointment of Auditors for the year 2014-15 and 2015-16.
5. Election of 30 members for Council from among the individual members (General: 20 and Women: 10)
6. Election of 70 members for Council from among the institutional members.
7. Any other matter with the permission of the chair.

All the members are cordially invited to attend.

(K.C. Choudhary)
General Secretary

To all the Members of the Indian Adult Education Association.

Copies of the Annual Report 2013 and Audited Statement of Accounts 2012-13 can be collected by the members at the office of the 60th All India Adult Education Conference at Udaipur either on January 10th or 11th, 2014.

Capacity Building Training SRC, Bharuch

On the request of State Resource Centre, Bharuch, Gujarat a two day Capacity Building Training for the members



of the staff of SRC and Jan Shikshan Sansthan was organized by Indian Adult Education Association on August 16-17, 2013. In all 21 persons participated in the training. Dr. V. Mohankumar, Director and Shri B. Sanjay, Programme Officer, Indian Adult Education Association acted as Resource Persons.

After a brief inaugural session in which Prof. Z.S.Saiyed, Chairman, SRC, Bharuch was the Chief Guest and introduction of participants, the academic sessions started immediately. There were 9 academic sessions in all and on the first day the topics

covered were Communication, History of Adult Education in India, Programme Planning (Planning a Training Programme, Monitoring and Evaluation), Saakshar Bharat and Role of SRC and Interpersonal Relationship.

On the second day the topics covered were Self-Help Groups, Report Writing and Success Stories, Right to Education and Legal Literacy and Right to Information.

The methods adopted by the resource persons were lecture, discussion and question-answer session. Copies of the Power Point Presentations used in the sessions were given to all the participants.

After each presentation the participants had an opportunity to get clarification on specific issues/points raised in the general discussion.

The last session on the second day was devoted to group work to prepare model training proposal. The participants were divided into two groups and at the end the group leaders made presentation in the general session which generated a lot of discussion.

In the concluding session the participants evaluated the



training programme by giving their free and frank opinion both on the topics chosen for academic sessions and delivery of the resource persons.



KSLMA has got New Director

Dr. Geetha Sajeew, Associate Professor, Department of Mathematics, Baslios Poulouse II Catholicos College, Piravom, Ernakulam District has joined as the Director of Kerala State Literacy Mission Authority.



Dr. Geetha is not only having vast experience in the field of teaching in different educational institutions but also serving as a member of Ankamaly Block Panchayat from 1995-2000 and District Panchayat of Ernakulam from 2000-2005.

प्रमाण पत्र वितरण समारोह

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में आजीवन शिक्षा केंद्र के माध्यम से 2 कोर्स चलाए जा रहे हैं। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 14 अगस्त 2013 को केंद्र में ब्यूटी कल्चर एवं हेल्थ कैयर के 8वें बैच और सिलाई एवं कटाई के 7वें बैच के शिक्षार्थियों को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की सहायक निदेशिका श्रीमती कल्पना कौशिक द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान आजीवन शिक्षा केंद्र के प्रशिक्षार्थियों ने स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य पर रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीत से हुई। कई पंजाबी गीतों पर भी नृत्य प्रस्तुत किए गए। आजीवन शिक्षा केंद्र के प्रशिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम आजीवन शिक्षा केंद्र के समन्वयक श्री जय भगवान की देखरेख में सम्पन्न हुआ।



60th All India Adult Education Conference, Udaipur, Rajasthan

REGISTRATION FORM

Name		
Age and Date of Birth		
Complete Postal Address with pin code Office:		
	Residence:	
Whether you require accommodation (Please tick the relevant one)	YES <input type="checkbox"/>	NO <input type="checkbox"/>
Telephone Numbers	STD Code:	
	Office:	
	Residence:	
	Fax No.:	
	Mobile:	
	e-mail:	
Date of arrival at Udaipur		
Date of departure from Udaipur		
Date:	Signature	

REGISTRATION FORM FOR
60th All India Adult Education Conference, Udaipur

बरखा

उमड़ - घुमड़ मेघराज
चढ़ के हिंडोल आज
बरखा की बूँदन संग
धरती करे रास राग

आसमाँ के आँगन से
छपक - छपक, छलक - छलक
चमक चपल चितवन सी
बिजुरि करे नृत्य आज

फूट पड़ा अंकुर अब
टूँठ हुई शाख से
चूमे पवन मुख कोमल
बेलें मुस्काई आज

मद्धम - मद्धम रोशनी में
धुंध अब छंटने लगी है
राह आते स्वप्न दीखे
आस फिर जगने लगी है

अँजुरी में सुमन सजे
मुठ्ठी में खाब बंधे
भावों के साज बजे
मनवा हिलोर उठे

कोयल की कूक मधुर
कुसुमित है शाख उधर
उमगों के मृदंग संग
मन मयूरी थिरक उठे

- कुसुम वीर

Impact Study: Data Collected at Amritsar, Firozpur and Bathinda Districts



For the study given to Indian Adult Education Association by the M/o Social Justice and Empowerment, Govt. of India to assess the impact of "Awareness Generation and Preventive Education Campaign for the Prevention of Drug Abuse and Alcoholism" in Manipur and Punjab conducted by Nehru Yuva Kendra Sangathan, Ministry of Sports and Youth Affairs, the data was collected in the last batch of three districts of Punjab - Amritsar, Firozpur and Bathinda from August 1-10, 2013. The three member evaluation team included Shri B. Sanjay, Shri S.C.Dua and Shri Jai Bhagwan. Dr. V. Mohankumar was also with the evaluation team in Amritsar.

The evaluation team collected data from 61 villages in 9 blocks namely Ajnala, Attari, Chogawan, Harsha Chhina, Jandiala Guru, Majitha, Rayya, Tarsika and Verka in Amritsar district, 71 villages in 10 blocks viz. Abohar, Fazilka, Firozpur, Ghall Khurd, Guru Har Sahai, Jalalabad, Khuiya Sarwar, Makhua, Mamdot and Zira in Firozpur district and 85 villages in 8 blocks viz. Bathinda, Bhagta, Mour, Nathana, Phull, Rampura, Sangat and Talwandi Sabo in Bathinda district by administering interview schedules on Youth Club Members, Panchayat Presidents/Members, Representative of NGOs, Artists of Cultural Groups, Resource persons and a few addicts who have been rehabilitated or in the process of rehabilitation and their family members. Data was also collected regarding case studies/success stories and visit to drug de-addiction centres.



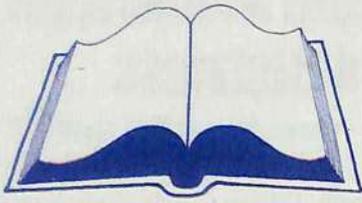
Apart from interacting with S/Shri Samson Masih, Sarbjeet Singh Bedi, Jagjit Singh Mann, District Youth Coordinators of Amritsar, Firozpur and Bathinda the evaluation team also had interaction with Shri T.S. Raja, former District Youth Coordinator, Amritsar, Sardar Veer Singh



Lopoke, Chairman, District Planning Board, Amritsar, Shri Rajat Agarwal, Deputy Commissioner, Amritsar and Shri Manjit Singh Narang, Deputy Commissioner, Firozpur with regard to the effectiveness of the awareness campaign conducted in their districts.

The evaluation team had the benefit of witnessing a live performance of a skit based on drug abuse by a youth at Saheed Bhagat Singh Memorial School, Lopoke which was reportedly enacted in almost all the villages as part of motivation during the campaign. The performance was one of the best as the skit perfectly reflected how youths are attracted for drug addiction and at the end how they lose their lives.





Bhattacharjea, Suman. **Inside Primary Schools: A study of teaching and learning in rural India.** New Delhi, Assessment Survey Evaluation Research, 2011: 94p.

This is a longitudinal study, tracking 30,000 rural children in Std 2 and Std 4 across five Indian states of Andhra Pradesh, Assam, Himachal Pradesh, Jharkhand and Rajasthan. These children, their classes, schools and families were tracked over a period of 15 months to take a comprehensive look at the factors in school, in the classroom and in the family that correlate with children's learning outcomes. The study offers important inputs for action as states begin to implement the Right to Education Act.

Kangaspunta, Kristiina and Chatzis, Ilias. **Global Report on Trafficking in Persons: 2012.** Vienna, United Nations Office on Drugs and Crime. 2012: 98p.

This Report provides an overview of patterns and flows of trafficking in persons at global, regional and national levels, based on trafficking cases detected between 2007 and 2010 (or more recent). The report also includes a chapter on the worldwide response to trafficking in persons. The Country Profiles of the Global Report present a national level analysis for each of the 132 countries covered by the report.

Victims are trafficked around the world for sexual exploitation, forced labour, begging, petty crimes, removal of organs and for other exploitative purposes. Trafficking in persons is a truly global phenomenon: between 2007 and 2010, victims from at least 136 countries were detected in 118 countries worldwide.

Because of this diffusion as well as the hidden nature of trafficking crimes, it is difficult to estimate the size of the problem.

Many countries have recently passed a legislation criminalizing trafficking in persons as a specific offence. However, definitions of human trafficking vary, as does the capacity to detect offenders and victims. Even though, there is a general increase in the number of prosecutions and convictions globally, the overall criminal justice response to trafficking in persons appears to remain very weak.

Rajan, S Irudaya. **Internal Migration and Youth in India: Main Features, Trends and Emerging Challenges: Discussion Paper.** New Delhi, Social and Human Sciences (UNESCO), 2013: 36p.

This paper - Assesses the demographic profile of the youth for the last 50 years such as their education, employment and unemployment and marital status, and projects the social and economic characteristics of future youth populations in India (1951-2051); Presents a disaggregated analysis of youth migrants by streams of migration, educational status, occupational status of migration and motivations for migration based on the 2001 Census; Presents a disaggregated analysis of India's internal migration and its overall characteristics based on two rounds of the National Sample Surveys: 49th round (1993-94) and 64th round (2007-2008); Analyses youth migration streams (composition, volume and profiles) based on the four rounds of Kerala Migration Surveys conducted by the Centre for Development Studies in 1998, 2003, 2008 and, in particular, the 2011 round; Examines the linkages and gaps between migration and existing youth policies such as the proposed National Youth Policy 2012; and Summarises key research outputs and policy

recommendations to enable better inclusion of youth migrants.

UN. **The Millennium Development Goals Report: 2013.** New York, United Nations, 2013: 6p.

The report says the Millennium Development Goals (MDGs) have been the most successful global anti-poverty push in history. Significant and substantial progress has been made in meeting many of the targets—including halving the number of people living in extreme poverty and the proportion of people without sustainable access to improved sources of drinking water. Remarkable gains have been made in the fight against malaria and tuberculosis. There have been visible improvements in all health areas as well as primary education.

Report 2013 looks at the areas where action is needed most: hunger, maternal health, sanitation and environmental protection, for example. This report also shows that the achievement of the MDGs has been uneven among and within countries.

Highlights of the report are: The proportion of people living in extreme poverty has been halved at the global level; Over 2 billion people gained access to improved sources of drinking water; Remarkable gains have been made in the fight against malaria and tuberculosis; The hunger target is within reach; Environmental sustainability is under severe threat; Most maternal deaths are preventable, and progress in this area is falling short; Access to antiretroviral therapy and knowledge about HIV prevention must expand; Too many children are still denied primary education and There is less aid money overall, with the poorest countries most adversely affected.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

Editor: Dr. Madan Singh

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.9

Re. 1 per copy

September 2013



Indian Adult Education Association

60th All India Adult Education Conference

The Indian Adult Education Association is organizing Sixtieth All India Adult Education Conference at Udaipur, Rajasthan from January 10-12, 2014 in collaboration with JRN Rajasthan Vidyapeeth Deemed University.

The theme of the conference is "Lifelong Learning in Higher Education" and the sub-themes are:

- Lifelong Learning - Role of Institutions of Higher Learning
- Lifelong Learning - Role of Open Schools and Universities
- Research and Evaluation in Lifelong Learning
- Role of Vocational Skill Development Training Institutions in Lifelong Learning
- Role of NGOs in Lifelong Learning

All are cordially invited to attend the conference. Those who desire to attend the conference may remit the prescribed registration fee of Rs.1000/- before November 30, 2013 towards boarding and lodging charges through a separate Demand Draft drawn in favour of "Indian Adult Education Association" payable at New Delhi.

The fee charged will be Rs.1500/- for those who register their names from December 1, 2013 to December 31, 2013. In view of limited accommodation available persons not registered as a delegate will neither be allotted accommodation nor will be permitted to attend the conference.

The delegates are requested to confirm their participation by e-mail: iaeadelhi@gmail.com and send their Registration Form by post to General Secretary, Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 alongwith the Demand Draft.

Those who desire to present thematic papers in the conference may send the same to IAEA on or before November 30, 2013 through e-mail director@iaea.org clearly specifying as "Conference Thematic Paper".

K. C. Choudhary
General Secretary, IAEA

Programme for Election to Council, Executive Committee including Office Bearers

1	Date of publication of list of members	Tuesday	1-10-2013
2	Last date for filing objection, on the list of members entitled to vote	Tuesday	8-10-2013
3	Date for decision on objection, if any	Thursday	10-10-2013 11:00 a.m.
4	Date of final publication of list of members entitled to vote	Friday	11-10-2013 11:00 a.m.
5	Last date for receiving nomination papers	Wednesday	11-12-2013 till 1.00 p.m.
6	Publication of the list of nomination papers received	Wednesday	11-12-2013 at 5.00 p.m.
7	Date of scrutiny of the nomination papers	Thursday	12-12-2013 11:00 a.m.
8	Date of publication of list of candidates	Thursday	12-12-2013 (immediately after scrutiny)
9	Last date for withdrawal of candidature	Friday	10-1-2014 before 1.00 p.m.
10	Publication of final list of candidates	Friday	10-1-2014 at 5.00 p.m.
11	Date and Time of General Body Meeting	Saturday	11-1-2014 9.00 a.m.
12	Date and time of the meeting of Individual Members to elect "Council Members" from amongst Individual Members	Saturday	11-1-2014 (9.15 a.m. to 10.30 a.m.)
13	Date and time of the meeting of Institutional Members to elect "Council Members" from amongst Institutional Members	Saturday	11-1-2014 (10.30 a.m.)
14	Date and time of meeting of Council to elect Office Bearers and Executive Committee Members	Sunday	12-1-2014 (9.00 a.m. to 10.00 a.m.)
15	Declaration of Results (immediately after completion of counting)	Sunday	12-1-2014 (immediately after counting)

(Dr. V. Mohankumar)
Returning Officer

(KC Choudhary)
General Secretary

International Literacy Day Celebrated Gale and Gaiety



the International Conference on Literacy, Peace and Development in South Asia, State Education Ministers and representatives from State Literacy Mission Authorities, State Resource Centres, Jan Shikshan Sansthan, Zilla Parishads, Academia, NGOs, Schools, Literacy Activists and Civil Society.

The International Literacy Day was celebrated in India with all gale and gaiety. The national level function was organized by the National Literacy Mission Authority, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India at Vigyan Bhawan, New Delhi on September 8, 2013 in which the Hon'ble President of India, Shri Pranab Mukherjee was the Chief Guest. The occasion was also a celebration for Saakshar Bharat for completing four years as it was launched by the Prime Minister of India on this day in 2009.

In his address the Hon'ble President said that literacy is a



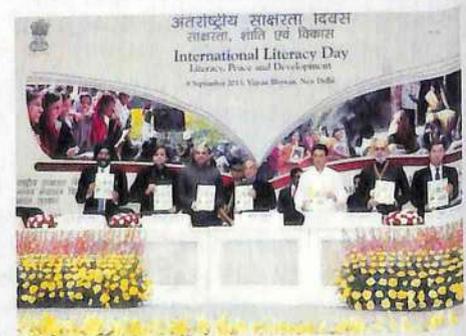
The function was attended by more than 1000 participants that included delegates from SAARC countries who participated in

basic human necessity and also a crucial parameter of socio-economic development. It is a cornerstone for all categories of education,

including lifelong learning. It plays a key role in sustainable development resulting in peace and harmony. He was happy that the International Literacy Day 2013 was observed in India with a special focus on "Literacy, Peace and Development".

The Hon'ble President while appreciating the steady progress made in literacy levels in India after independence also felt that still the country has to go a long way to reach the world average of 84% due to huge accumulated backlog of non-literates. Hence, he called upon the countrymen to put-in renewed vigour and concerted efforts to improve the literacy rate so that it reaches atleast 80% with drastic reduction in the gender disparity in literacy levels as visualized in the Twelfth Five Year Plan.

Dr. M.M. Pallam Raju, Union Minister of Human Resource Development launched the



Basic Education Programme for adults and formally released the learning materials by handing over the first copy to the Hon'ble President. In his address he said that Saakshar Bharat is aimed to make India a learning society with

International Literacy Day

International Literacy Day is celebrated all over the world on the 8th of September every year to mobilize public opinion for the cause of literacy. For the first time, problem of illiteracy was discussed at the international level in the World Congress of Ministers of Education at Tehran on September 8, 1965. Subsequently, UNESCO in its 14th session in November 1966 had declared this day as the International Literacy Day.

Hence, the first International Literacy Day was celebrated on September 8, 1967 and this year it is 47th in series.

Achievement of Saakshar Bharat 2009-2013

- 1.48 lakh Lok Shiksha Kendras (Adult Education Centres) established.
- 15.5 lakh Voluntary Teachers mobilized.
- 2.13 crore adults certified as literate.
- 18.5 lakh adults skilled in different vocations.
- Literacy rate increased from 64.8% in 2001 to 73% in 2011.

education. Saakshar Bharat provides an opportunity for the learners to acquire equivalency through basic education programme and learn skills through vocational skill development training programmes for livelihood.

Dr. Shashi Tharoor, Union Minister of State for Human Resource Development while addressing the gathering spoke of the important link between literacy and development.

Shri Jitin Prasada, Union Minister of State for Human Resource Development in his address detailed the relevance of literacy and education to the economy.

In this function the Hon'ble

President gave away "Saakshar Bharat Awards" to selected institutions which have done outstanding work in the field of literacy and skill development.

Mr. Shigeru Aoyagi, Unesco Representative to Bhutan, India, Maldives and Sri Lanka readout the message for International Literacy Day received from Unesco.

Shri R. Bhattacharya, Secretary, Department of School Education and Literacy, Govt. of India gave the welcome address and the vote of thanks was given by Shri Jagmohan Singh Raju, Joint Secretary (Adult Education) & DG, National Literacy Mission Authority.

Stree Shakati Suvidha Kendra (SSSK), Kirti Nagar

Samajik Suvidha Sangam, also known as Mission Convergence, is a unique initiative of Government of NCT of Delhi for holistic empowerment of women from vulnerable and most vulnerable sections of society. For this purpose a number of Stree Shakati Suvidha Kendras (SSSK) or Gender Resource Centres (GRCs) are working in various J.J. Clusters, resettlement colonies and villages across Delhi. The SSSK Centres help women to not only avail the benefits of various welfare schemes of the government but also get access to services and facilities under the Mission, including vocational training, health care, education and many more.

SSSK, Kirti Nagar is run under the aegis of IAEA from September 15, 2012.

Following are the activities/programmes

organized/conducted at SSSK-Kirti Nagar:

ओपीडी क्लीनिक

जीआरसी द्वारा 5/35, बस्ती विकास केन्द्र, कीर्ति नगर में गत 22 अगस्त तथा 12 सितंबर 2013 को दो ओपीडी क्लीनिक आयोजित किये गये जिसमें क्रमशः 61 तथा 78 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों ही दिन ओपीडी में डॉ. नीलू श्रीवास्तव तथा फार्मासिस्ट श्री प्रभात कुमार झा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने डॉ. नीलू श्रीवास्तव से स्वास्थ्य जांच कराई। तदुपरान्त श्री प्रभात कुमार झा ने सभी प्रतिभागियों को डाक्टर के निर्देशानुसार आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराई।

विधिक सलाह कार्यक्रम

इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान जीआरसी द्वारा कानूनी सलाह प्रदान करने के लिए तीन विधिक सलाह कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम कार्यक्रम 21 अगस्त 2013 को सी-121,

मानसरोवन गार्डन, कीर्ति नगर तथा शेष दो कार्यक्रम 29 अगस्त एवं 11 सितंबर 2013 को जीआरसी परिसर में ही आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में क्रमशः 2, 3 और 1 महिलाओं ने कानूनी सलाह प्राप्त किये। तीनों ही अवसरों पर संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज उपस्थित हुई जिन्होंने घरेलु हिंसा तथा लेबर कोर्ट के संबंध में उपस्थिति महिलाओं को समुचित सुझाव प्रदान किये।

विधिक जागरूकता शिविर

गत 21 अगस्त और 4 सितंबर 2013 को जीआरसी द्वारा जवाहर कैम्प और विधवा कैम्प, कीर्ति नगर में दो अलग-अलग विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें क्रमशः 29 और 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों ही कार्यक्रमों में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा उपस्थित रहे। श्री मेहरा ने प्रतिभागियों को वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार अधिनियम 2007 तथा कन्या भ्रुण हत्या से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से

बताया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों तथा महिलाओं ने श्री मेहरा द्वारा प्रदान की गयी जानकारी की सराहना की।

वाश ट्रेनिंग

24 अगस्त 2013 को जीआरसी द्वारा चूना भट्टी में एक वाश ट्रेनिंग का आयोजन किया गया जिसमें 16 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग के दौरान संदर्भ व्यक्तियों के तौर पर प्रोजेक्ट कार्डिनेटर तथा कम्युनिटी मोबिलाइजर्स ने उपस्थित प्रतिभागियों को पीने के पानी के शुद्धिकरण तथा



स्वच्छता को बनाये रखने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की।

वाश सेशन

जीआरसी कीर्ति नगर द्वारा गत 22 अगस्त तथा 10 सितंबर 2013 को जवाहर कैम्प तथा 8/35 कीर्ति नगर इलाके में दो स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः 31 तथा 35 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। इन सभी स्वच्छता कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना था ताकि वे सभी अपने



दैनंदिन जीवन में सफाई संबंधित उपायों तथा मापदण्डों का उपयोग कर अपने तथा अपने परिवार

को रोगमुक्त रख सकें। कार्यक्रम में अपने आस-पास के परिवेश को स्वच्छ रखने पर विशेष बल दिया गया। संदर्भ व्यक्ति के तौर पर इन कार्यक्रमों में जीआरसी प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर, स्वयं सहायता समूह मोबिलाइजर, कम्युनिटी मोबिलाइजर तथा ब्यूटी इंस्ट्रक्टर उपस्थित रहे। सभी संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को स्वच्छ रहने के बारे में विस्तार से बताया।

पोषाहार शिविर

जीआरसी द्वारा वृद्ध अवस्था के अनुकूल भोजन विषय पर गत 9 सितंबर को 5/35, कीर्ति नगर में एक पोषाहार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति श्रीमती सुनीता रानी ने प्रतिभागियों को वृद्ध अवस्था में शरीर की आवश्यकता और उसके अनुकूल भोजन के बारे



में बताया। उन्होंने सहज रूप से उपलब्ध सामग्रियों में वृद्धावस्था के लिए क्या-क्या लेना उचित है इसकी चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने मीठा दलिया तथा टमाटर सूप बनाकर प्रतिभागियों को इसके बनाने की विधि से भी अवगत कराया।

कैरियर मेला

गत 29 अगस्त 2013 को नागलोई में ज्वालापुरी

स्थित सैण्ट्रल पार्क में एक कैरियर मेला का



आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से सांय 5 बजे तक चले इस मेले का आयोजन तीन स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्रों यथा एमएसएम, दीपशिखा तथा कलावती द्वारा संयुक्त

रूप से किया गया जिसमें सभी कार्यक्रम क्रियान्वयन एजेन्सियों (Programme Implementing Agency - PIA) यथा आईसीएसआईएल, सौफ्टडॉट, डीएवी-आईटीसी, बीकानेर, सीएसी, वीएलसीसी, ग्रास एकेडमी ने अपने-अपने स्टाल लगाए। स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना पर केन्द्रित इस मेले में प्रतिभागियों के समक्ष उन क्षेत्रों की प्रस्तुति दी गई जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में जीआरसी की टीम भी उपस्थित थी। इस कैरियर मेले में जीआरसी कीर्ति नगर के लाभार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

स्टाफ मीटिंग

गत 16 सितंबर 2013 सांय 4 बजे जीआरसी कीर्तिनगर में स्टाफ मीटिंग आयोजित हुई। जीआरसी के ज्वाइंट चीफ फंक्शनरी श्रीमती कल्पना कौशिक की उपस्थिति में हुई इस बैठक में जीआरसी द्वारा संचालित तमाम गतिविधियों की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। इस दौरान आने वाले दिनों में जीआरसी द्वारा आयोजित जाने वाले हैल्थ कैम्प के संबंध में भी विस्तार चर्चा की गयी। श्रीमती कौशिक ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि हैल्थ कैम्प दौरेन सभी लाभार्थी बिना किसी कठिनाई समुचित रूप से स्वयं का जांच करा आवश्यक दवाईयां प्राप्त कर सकें।

Farewell to Shri Devi Dutt



Shri Devi Dutt, Photocopy Operator, Indian Adult Education Association retired from service on August 31, 2013 after serving the organization for 42 years.

Shri Dutt was given farewell by the management and staff which was attended by Prof. B.S. Garg, President, Shri K.C. Choudhary, General Secretary, Dr. M. S. Ranawat, Vice President, Dr. Madan Singh, Treasurer and Shri Mrinal Pant, Member, Executive Committee.

International Conference on Literacy, Peace and Development



The National Literacy Mission Authority, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India organized a one day International Conference on Literacy, Peace and Development in South Asia at Vigyan Bhawan, New Delhi on September 7, 2013. Apart from the Indian participants which included a number of State Education Ministers, the delegates from SAARC countries who attended the conference were from Afghanistan (Leader of the delegation: Mr. Ghulam Farooq Wardak, Minister of Education, Government of Afghanistan), Bhutan (Leader of the delegation: Maj. General V. Namgyel), Pakistan (Leader of the delegation: Mr. Salman Bashir, High Commissioner of Pakistan to India) and Sri Lanka (Leader of the delegation: Mr. Mohan Lal Grero, Member of Parliament).

Unesco was represented by Mr. Shigeru Aoyagi, Unesco Representative to Bhutan, India, Maldives and Sri Lanka.

While inaugurating the conference the Vice President of India, Shri M. Hamid Ansari said that literacy, peace and development are inextricably interlinked and in the absence of literacy, people get excluded from the benefits of development, while they endure its costs, such as unemployment, lower wages and social insecurity, consequently impacting development itself. He emphasized that literacy is a necessary condition for peace to prevail and to tackle the very roots of conflicts arising due to ignorance, intolerance, economic hardship, social injustice, political oppression.

Shri Ansari also expressed concern that Education in South

Asia suffers from the twin problem of lack of access and quality. In majority of the SAARC Member Countries, enrolment of children of primary school age has only recently crossed the global level. However, due to high levels of dropout the literacy rates remain low. He further said that around 398 million adults, almost half of world's illiterate population, live in South Asia out of which women and girls constitute nearly two-thirds of the illiterate adult population, making the magnitude of the problem even greater. Hence, he called for the enhanced cooperation in the field of literacy and education among the South Asian countries.

Shri Ansari concluded his address by quoting Mr. Nelson Mandela who called education the most powerful weapon which one can use to change the world. Hence, he desired the SAARC countries through literacy and education for all strive and ensure the societies remain enriched by the best traditions of their own culture and heritage and yet remain open to the light of science and progressive thought.

Dr. M.M. Pallam Raju, Union Minister of Human Resource Development and Dr. Shashi Tharoor, Union Minister of State for Human Resource Development also addressed the gathering.

While the welcome address was given by Shri R. Bhattacharya, Secretary, Department of School Education and Literacy, Govt. of India, the vote of thanks was given by Shri Jagmohan Singh Raju, Director General, National Literacy Mission Authority.

In the inaugural session apart from screening of a short film on Saakshar Bharat, selected few successful learners were given the literacy certificates also.

Immediately after the inaugural session was over, the first business session was presided over by Dr. M.M. Pallam Raju. The theme of the session was "Alliance for Literacy, Peace and Development in South Asia". The delegation leaders from SAARC countries presented their country reports, which was followed by a general session in which a number of participants from the audience expressed their opinion on the theme and also a few raised questions for which answers were given.



Asian Literacy Conference at Bali, Indonesia

A three day Asian Literacy Conference was organized by PBTM of Indonesia in cooperation with the International Development in Asia Committee (IDAC) at Bali from September 5-7, 2013. The main theme of the conference was "Literacy, Culture and Technology: from Local to Global Perspectives". However, the International Development in Asia Committee had set an extra item to discuss on the "Importance of Family and Community Support for Literacy Development in Early Years". Hence, both the themes have highlighted the importance of family-community-school partnership to prepare children for multi-literacy learning in the technological world of 21st century.

Around 250 delegates from different countries attended the conference including six from India. They were Smt. Kalpana

Kaushik, Smt. Doris Saldanha, Smt. Shilpa Shah, Dr. Vaishali Sawant, Prof. Syam Atluri and Dr. Ebornis Jeyrwa.

Dr. Vaishali Swant presented a paper on "Use of Research Blogs by Pre-Service Teachers".

The conference offered a forum for professional exchange of knowledge, experience and skills relating to literacy, culture and technology in the teaching context.

The International Development in Asia Committee (IDAC) is an IRA committee charged with the promotion of IRA membership and affiliate/council development in Asia. It identifies and support professional development projects in the region and reports on activities to the International Development Coordinating Committee (IDCC) and International Reading Association. It also publicizes IRA awards and grants, encourages applications from the region and

assists with proposal development for IRA grants. Currently IDAC has the representation from 13 countries in Asia where there are active IRA affiliates or local councils.

The IDAC meeting was held in between the conference in which country reports were presented by the affiliates including update on membership. Some of the important decisions taken by the committee included allowing Dr. Yuen-fan Lornita WONG to continue as Chair for one more year and Ms. Ety Marjati Hoesein as Vice Chair, postponement of discussion to split Asia into two regions and holding of Asian Literacy Conference 2014 in Bangladesh and in India in the year 2015.

Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director, IAEA who is also the Membership Officer of Reading Association of India (RAI) participated on behalf of Prof. S.Y. Shah, President, RAI.

DG, NLMA received UNESCO King Sejong Literacy Prize for 2013

Unesco King Sejong Literacy Prize winners for 2013 are the National Literacy Mission Authority (NLMA), India and the Federation of Associations for the Promotion of Guera Languages (FAPGL), Chad.

India received the prize for Saakshar Bharat programme launched in 2009 with a vision of making 70 million adults literate by 2017. The programme

benefits almost 10 million persons each year which is available in 26 languages of 25 regions.

At a solemn

King Sejong Literacy Prize was created in 1989 by the Government of the Republic of Korea. This Prize is named in honour of King Sejong whose outstanding contribution to literacy was the creation of the native Korean alphabet 'Hangul' over 500 years ago.

The award consists of a sum of US\$ 20,000, a silver medal and a certificate.

function held at UNESCO Headquarters in Paris on September 9, 2013 Shri Jagmohan Singh Raju, Joint Secretary (Adult Education) & Director General, National Literacy Mission Authority received the King Sejong Literacy prize from Ms. Irina Bokova, Director General, UNESCO.



श्री गुरुवेय नमः



भारतीय परम्परा में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यहां स्वयं भगवान भी कहते हैं कि मुझे नमन करने के पहले अपने गुरु की वंदना करो। आधुनिक युग में एक शिक्षक के जीवन को पूर्णरूपेण जीने का आदर्श जिन शिक्षकों ने राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत किया उनमें प्रख्यात चिन्तक एवं दार्शनिक भारत रत्न डॉ. एस. राधाकृष्णन का नाम सर्वोपरि है। डॉ. राधाकृष्णन

ने अपने शिक्षक जीवन की शुरुआत मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज के एक प्राध्यापक के रूप में की। तदुपरान्त वे मैसूर और कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर रहे। इसके बाद उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति पद को सुशोभित किया। डॉ. राधाकृष्णन दो वर्षों के लिए यूनेस्को में भारत के राजदूत भी रहे। स्वाधीन भारत में विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (University Education

commission) के वे प्रथम अध्यक्ष थे। उनके निदेशन में दिये गये सुझाव आज भी भारत में उच्च शिक्षा के विकास एवं गुणवत्ता के पथ प्रदर्शक हैं।

डॉ. राधाकृष्णन सादगी और गरिमामयी मानव जीवन के प्रतीक थे। आगे चलकर वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति बने पर मन से वे आजीवन एक अध्यापक ही रहे। इसलिए उनके जन्म दिन 5 सितंबर को राष्ट्र शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है।

ILD Celebrated at Magadh University



On the occasion of International Literacy Day a one day seminar on "Right to Education in Human Rights Perspective"

was jointly organized by the Department of Adult and Continuing Education, Department of Education, Magadh University, Bodh Gaya and Bihar Chapter of Indian Adult Education Association on September 8, 2013. Prof. K.B. Sharma, Director, Institute of Physiotherapy was the Chief Guest, Dr. D.K. Yadav, Registrar, Magadh University was the Guest of Honour and Dr. D.D. Roy, Director, Institute of Library Science was the speaker. The programme was presided over by Shri Dwarko Sundrani, Chairman, Bihar Chapter of IAEA. The participants included the faculty from different departments, post graduate students, administrators, social workers and media persons.

Shri A.H. Khan, Assistant Director & HOD, A&CE and Vice President, IAEA in his Keynote address stressed the importance of education to understand and avail the benefits of human rights. He also said that illiteracy is the major reason for the people to suffer due to human rights violations. Hence, Shri Khan called upon the students and educated community to extend all support to literacy programmes being implemented in the country either by participating in the same as activists or as passive supporters.

Dr. Dhanenjay Dheeraj, Assistant Professor, Department of Education welcomed the guests and Dr. S.S. Das, Programme Officer, Department of Adult and Continuing Education proposed vote of thanks.

लखनऊ जन शिक्षण संस्थान को मिला सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में विशेष योगदान करने के लिये उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के 10 ग्राम प्रधानों को शाल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।



जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ को यह सम्मान कौशल विकास एवं साक्षरता कार्यक्रमों में उसके द्वारा किये गये महत्वपूर्ण योगदान के लिये प्रदान किया गया। संस्थान के निदेशक श्री श्रीपति रस्तोगी ने यह राज्य स्तरीय सम्मान श्री वसीम अहमद, मंत्री, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. से प्राप्त किया।

जन शिक्षण संस्थान इन्दौर ने मनाया साक्षरता सप्ताह

जन शिक्षण संस्थान इन्दौर ने अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर साक्षरता सप्ताह मनाया जो 7 से 14 सितंबर 2013 तक चला। इस दौरान प्रतिदिन साक्षरता संबंधित



गतिविधियां यथा साक्षरता संवाद, नव साक्षर लेखन, साक्षरता पंचायत, लाभार्थियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अलग-अलग महिला कौशल विकास केन्द्रों पर आयोजित किये गये।

समारोह के समापन के अवसर पर 14 सितंबर 2013 को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित लाभार्थियों को उपयोगी साहित्य वितरित किये गये। इस अवसर पर श्रमिक शिक्षा केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक श्री एच.के.मीणा तथा ग्रामीण पत्र सूचना कार्यालय के सहायक निदेशक श्री मधुकरराव पवार भी उपस्थित रहे।

संपूर्ण कार्यक्रम जन शिक्षण के निदेशक डॉ. बी. एस. बघेल की देखरेख में आयोजित हुआ।

Prestigious Award Conferred on Shri K. L. Zakir



Shri Kashmiri Lal Zakir, a famous writer in Urdu has been conferred Fakhare-Haryana (फखर-ए-हरियाणा) Award by the Hon'ble Governor of Haryana, Shri Jagannath Pahadia in a glittering function held at Haryana Raj Bhawan, Chandigarh recently for his yeomen service for the development of Urdu language through his writings.

Shri Zakir has in his credit 134 books written in Urdu, Hindi and Punjabi which include novels, short stories, plays, travelogues and anthologies. He has also written books for use in adult education, workers education, environment education and population education.

One of his famous novels 'Karmanwali' was adopted as a full length play by the National School of Drama and staged not only in Delhi but also in various cities of India. Based on this novel a serial in Punjabi titled 'Mera Ranjha Mera Jogi' was made and telecast on Jalandhar and Srinagar Doordarshan Kendras.

Shri Zakir in his long academic life has received a number of awards and felicitations which include Padma Shri in the year 2006. He is now 94 years old but is still young in his enthusiasm and spirit. Even today he devotes a lot of time for reading and writing.

He is the Life Member of Indian Adult Education Association from the year 1974 and recipient of Nehru Literacy Award in 1991.

Sensitization Programme for College Students

As part of International Literacy Day celebrations, the Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Pune organized a sensitization programme for college students at A.C. Divekar College, Varwad in which around 200 students participated. The main objective of the programme was to enable the students to understand the need of transforming India a learning society and make all round progress with inclusive growth.

The students were addressed by senior faculty from University of Pune which included Prof. Tej Niwalikar, Director, Board of Extra Mural Studies, Dr. Dhananjay Lokhande, Director and Dr. Satish Shirsath, Associate Professor, Department of Adult, Continuing Education & Extension and Dr. R. M. Chitnis, Principal of the College. All the speakers stressed upon the importance of literacy and the need for adult education to enable the non-literates to acquire functional literacy skills and vertically move to acquire further education through open learning system.

Dr. L.K. Shitole gave the welcome address while Prof. Surwase proposed vote of thanks.

The entire programme was coordinated by Prof. M.N. Waghmare.

Refresher Course in Lifelong Learning and Extension

The UGC Academic Staff College, University of North Bengal, Siliguri, Darjeeling district, West Bengal organized a 21 days refresher course for the teaching faculty of universities and colleges in Lifelong Learning and Extension from September 3-23, 2013. In all 19 persons participated in the course from different disciplines like Economics, Education, Extension, History, Physical Education, Political Science, Rural Economics, Sociology and Social Work from B.N. Mandal University, Madhepura, Bihar, North Maharashtra University, Jalgaon, Maharashtra, Gulbarga University, Gulbarga Karnataka, Vijayanagara Sri Krishnadevaraya University, Bellary, Karnataka, Bangalore University, Karnataka, Nagaland University, Lumami, Nagaland, Maharashtra.



Dibrugarh University, Dibrugarh, Assam, Gauhati University, Guwahati, Assam, Sikkim University, Gangtok, Sikkim and University of North Bengal, Siliguri, West Bengal.

The refresher course was

planned and organized by Dr. M. Yasin, Professor & Head and Dr. M. Bose, Associate Professor, Department of Lifelong Education, University of North Bengal.

On the invitation of Dr. M. Yasin, the Director of Indian



Adult Education Association, Dr. V. Mohankumar acted as the Resource Person for two days on September 11-12, 2013 and took four sessions on the topics History of Adult Education in India, Saakshar Bharat and Role of University Departments, Lifelong Learning, Communication and Interpersonal Relationship and also addressed the post-graduate students of Rural Development.

Saakshar Bharat Awards Presented

On the occasion of International Literacy Day the Hon'ble President of India, Shri Pranab Mukherjee gave away Saakshar Bharat Awards in the national level function held at Vigyan Bhawan on September 8, 2013 to the following institutions for their outstanding work in the field of literacy and vocational skill development. They were:

State Literacy Mission Authority Chhattisgarh

Shri Brijmohan Agarwal, Education Minister and Shri C.S. Dehare, Member Secretary, SLMA receiving the award.



Zilla Lok Shiksha Samiti, Koriya, Chhattisgarh

Smt. Champadevi Pawale, President, Koriya Zilla Panchayat and Smt. Ranu Sahu, Chief Executive Officer, Koriya Zilla Panchayat receiving the award.



Zilla Lok Shiksha Samiti Ariyalur, Tamil Nadu

Shri E.Saravanelraj, Ariyalur District Collector and Smt. S. Suganya, Joint Director, Directorate of Non-formal & Adult Education, Chennai receiving the award.



Gram Panchayat Lok Shiksha Samiti, Patna, Koriya District, Chhattisgarh

Smt. Gayatri Singh, Sarpanch, Patna Gram Panchayat and Shri Umesh Kumar Jaiswal, District Project Officer, ZLSS, Koriya District receiving the award.



Gram Panchayat Lok Shiksha Samiti Ajani, Begusarai District, Bihar

Smt. Sunita Devi, Mukhiya, Ajani Gram Panchayat and Smt. Rinki Kumari, Senior Prerak, LSK, Ajani Gram Panchayat



Gram Panchayat Lok Shiksha Samiti Kuppandampalayam, Erode District, Tamil Nadu

Smt. K. Kuppayee, President, Kuppandampalayam Gram Panchayat, Anthiyur Block and Shri G. Gnanasambandam, Field Officer, Directorate of Non-formal & Adult Education, Chennai receiving the award.



State Resource Centre, Shillong, Meghalaya

Prof. Eugene D. Thomas, Pro-Vice Chancellor, North-Eastern Hill University, Meghalaya and Shri B. Laltanpuia, Director, State Resource Centre receiving the award.



Jan Shikshan Sansthan, Anantapur, Andhra Pradesh

Shri K. Thippe Swamy, Chairman, Jan Shikshan Sansthan and Dr. K.B. Sowdhager, Director, Jan Shikshan Sansthan receiving the award.



National Workshop on Improving Quality of Life of Children

Plan India organized a one day National Workshop on Improving Quality of Life of Children on August 27, 2013 with the aim of sharing Plan India's experiences and good practices on improving the quality of life of children, primarily by implementing child centered community development approach. The participants in the workshop were field practitioners, policy makers, researchers, academicians, media and professionals from development agencies and corporate sector that have been actively engaged in promoting child rights and reducing child poverty.

On this occasion Shri Govind Nihalani, Chairperson, Plan India released six publications with the titles Study of Existing Models of Child Participation in Plan India Programmes, Learning for Life - Because I Am A Girl - (a) Child Marriage Initiative: Summary of research in Bangladesh, India and Nepal (b) Child Marriage in India, International publication Asia Child Marriage Initiative - Study in Bangladesh, India and Nepal, Magnitude and Causes of Malnutrition in Jharkhand, WASHing - A Path to A Brighter Future - (a) Community Sanitation Water Access and Dewats System (b) Safe Drinking Water through Solar Energy (c) Kick-Starting School Sanitation Programmes (d) Toilets the Eco-San' way in Flood-Prone Areas (e) Supporting School Sanitation and Building Nirmal Gram

Villages (f) Playing their Way to Safe Drinking Water and Manual for Water Safety and Security. Ms. Meena Narula, Director, Programme Policy and Strategy gave a descriptive overview of the contents of all the publications.

The participants were addressed by Ms. Bhagyashri Dengle, Plan India Executive Director, Ms. Frederika Meijer, Country Representative UNFPA, Dr. S. Parasuraman, Director, Tata Institute of Social Sciences, Ms. Preet Verma, Advisor to the Chairperson, National Commission for Protection of Child Rights, Government of India, Ms. Dora Giusti, Child Protection Specialist, UNICEF India Country Office, Shri Satyabrata Sahu, Joint Secretary (Water), Ministry of Drinking Water and Sanitation, Shri Deepak Jolly, Vice-President, Public Affairs and Communications, Coca Cola, India & South West Asia, Mr. Aidan Cronin, Water, Sanitation and Hygiene Specialist, UNICEF India Country Office and Mr. Christopher Juan Costain, Regional Team Leader, World Bank Water and Sanitation Programme, South Asia.

The exhibition on Child Centered Community Development Programmes of Plan India and the skit presented by Delhi's acclaimed Ashmita Theatre Group on female feticide were appreciated by all the participants.

Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director attended the workshop on behalf of Indian Adult Education Association.

Obituary

Dr. Vinod Raina (22.6.1950 - 12.9.2013)

Dr. Vinod Raina, a distinguished physicist, educationist and one of the architects of the Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 died on September 12, 2013. He was 63 years.

Dr. Raina was a Co-founder and Executive Committee Member of Bharat Gyan Vigyan Samiti, a leading national level NGO involved in popularization of scientific messages through people's science movement. He was also a Co-founder of Eklavya, an organization which is in the field of advocacy for alternative education.

In the death of Dr. Raina, the field of community development, education, adult education has lost the champion whose words and deeds were full of enthusiasm, support and progressive.

BGVS in association with Nehru Memorial Library, New Delhi organized a memorial meeting to remember Dr. Vinod Raina on September 18, 2013 in which a large number of people participated and recalled their association with him.

The Indian Adult Education Association prays for the departed soul to rest in peace and conveys heartfelt condolences to the members of the bereaved family.



Kriti has now become a tradition – Shri Ramakrishna

Directorate of Adult Education, Govt. of India for the first time organized exhibition-cum-sale of the products crafted by the beneficiaries of Jan Shikshan Sansthan in the year 2006 at Dilli Haat under the brand name 'Kriti'. Since then it has become almost a tradition to organize Kriti invariably coinciding with the International Literacy Day (ILD) celebrations. This year alongwith ILD the International Conference of Ministers of Education of South Asian Countries on 'Literacy, Peace and Development' was also



the beneficiaries of Jan Shikshan Sansthan. It is a well thought out effort to appreciate and encourage the skills and professional knowhow acquired by the beneficiaries of the sansthan to promote traditional arts and crafts. Now Kriti has become a brand name.

Where it was organized this year?

Like earlier occasions this year also Kriti was organized at Dilli Haat in New Delhi. It was inaugurated by Dr. Shashi Tharoor, Union Minister of State for Human Resource Development who was kind enough to visit almost all the stalls alongwith Shri J.S.Raju, Director General, National Literacy Mission Authority. He not only appreciated the products displayed but also underlined the importance of such platforms in employment generation and boosting the traditional skills.

How such an idea came to NLMA to organize Kriti?

Frankly speaking one should understand the scheme of JSS before knowing the basic idea of organizing the mela like Kriti.

JSSs are institutions sponsored and funded by M/o HRD with the basic objective of imparting vocational skill development training to non-literates, neo-literates and less literates in order to improve their livelihood and quality of life. It is not enough that they are given skills alone but what is important is to enable them to use those skills for improving their economic status through wage employment or self-employment. Individually they will not be able to do much hence, they need institutional support which is

locally done by the sansthan themselves and at the national level it is taken care of by NLMA. Popularizing the products through exhibitions like Kriti provide the much needed support which directly benefits the persons crafted the products and the sansthan promoting the same.

What were the main attractions of Kriti this year?

This year 29 nodal JSSs representing 252 functioning all over the country participated in Kriti. The products were broadly under 14 themes showcased in different pavilions which included fashion designing, leather designing, textile designing, food processing and preservation, carpentry & furniture, appliqué & patch work, artificial jewellery, jute & bamboo craft, carpet weaving, tribal products, soft toys, painting & paper products and wool knitting.

In the exhibition live demonstrations were also given by skilled craftsmen particularly on zari-zardozi, soft-toys making, aari work, mehendi application, purse making etc.

For the benefit of visitors to Kriti, a photo exhibition on Saakshar Bharat was also organized at the brand promotion area. Other attractions were demonstration of e-primers by TCS, primers by Tara-akshar and display of primers prepared and published by SRCs and JSSs by NBT.

Do you encourage sales promotion in Kriti?

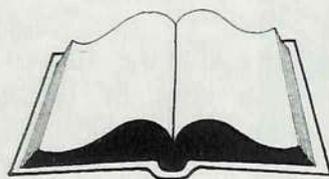
Yes, very much. Kriti is not just for showcasing the products but also for sales promotion. I was told that there was a huge demand for the products and JSSs could sell all the items brought to the exhibition. This shows that the products crafted by the beneficiaries of JSSs are qualitative and can be sold in the competitive market.



organized in New Delhi. Hence Kriti was organized from September 7-9, 2013 to coincide with the International Conference and International Literacy Day. To know more about Kriti, Shri B. Sanjay, Programme Officer, IAEA interviewed Shri S. Ramakrishna, Director In-Charge, Directorate of Adult Education. Following is the excerpts of the interview:

Sir, what is Kriti?

Kriti is precisely a mela organized at the national level to showcase the products predominantly crafted by



Dabir, Neela and Athale, Naina. **From Street to Hope: Faith Based and Secular Programmes in Los Angeles, Mumbai and Nairobi for Street-living Children.** Sage, 2011: 336p.

The book includes empirical data from a cross-cultural study of the three mega cities-Mumbai, Nairobi and Los Angeles—and some of the best practices developed by faith-based and secular organizations to help street-living children. These data include global estimates, analysis of the causative factors, occupations of these children, as also the resulting problems. The book also gives the impact of state policies to support secular and faith-based organizations, and the way social service is practised by such organizations in India, Kenya and USA.

Kalam, A.P.J. Abdul. **My Journey: Transforming Dreams into action.** Delhi, Rupa, 2013: 147p.

From a small boy growing up in Rameswaram, to becoming the country's eleventh President, A.P.J. Abdul Kalam's life has been a tale of extraordinary determination, courage, perseverance and the desire to excel. In this series of stories and profiles, Dr Kalam looks back on key moments in his past—some small and some momentous—and tells the reader how each of them inspired him profoundly. With warmth and affection, he talks about the people who left a deep impression on him as he was growing up and as an adult, and the lessons he drew from his interactions with them. He describes those who have been the closest to him—his father with his deep love of God, his mother and her great kindness, his mentors who helped shape his thoughts and outlook. There are heart-

warming accounts here of his childhood years spent in a small town by the Bay of Bengal and the many struggles and sacrifices made on the path to becoming a scientist and then the President of India. Dr Kalam also writes about the times when failure and dejection nearly overtook him and how he prevailed over those obstacles by drawing strength from books and spirituality.

Mohanty, T.R. **India in Figures 2013.** New Delhi, Central Statistics Office, 2013; 24p.

This book includes current status of India regarding Population; Human Development Index; Rural Employment; Houses, Household Amenities and Assets; Prices; National Income; Agriculture; Industry; Infrastructures; Services; Energy; Trade and Balance of Payments; Fiscal Development and Tourism.

Planning Commission (GOI). **Twelfth Five Year Plan (2012 - 2017)** (Three Volume Set). New Delhi, Sage, 2013: 1124 p.

This Five Year Plan document focuses on Faster, Sustainable and Inclusive Growth. The document is divided into three volumes. Volume I: Faster, More Inclusive and Sustainable Growth provides details of Macroeconomics Framework; Financing the Plan; Sustainable Development; Water, Land Issues; Environment, Forestry and Wildlife; Science and Technology; Innovation, Governance; Regional Equality; Volume II: Economic Sectors provides plans for Agriculture, Industry, Energy, Transport, Communication, Rural Development, Urban Development and Other Priority Sectors such as Construction, Tourism, Arts and Culture, Handlooms and Handicrafts and Youth Affairs and Sports and Volume III: Social Sectors—Health, Education, Employment and Skill Development, Women's Agency and Child Rights, Social Inclusion.

Rao, Nirmala; Pearson, Emma; Cheng, Kai-Ming and Taplin, Margaret. **Teaching in Primary Schools in China and India: Contexts of learning.** Routledge, 2013: 210 p.

This book compares primary education in urban and rural China and India. It focuses on how the socio-cultural context including educational policy, educators and parents' beliefs, and the conditions under which teaching and learning occur, shape classroom pedagogy and determine children's attainment.

A common set of questions has been addressed in diverse contexts. This book is based on—videotaping of mathematics and language lessons, interviews with parents and educators questionnaires with parents, teachers and children and tests of children's mathematics attainment — and this has been done in 3 locations in China, 3 in India and 12 schools in total.

Unesco. **Asia-Pacific End of Decade Notes on Education for All: EFA Goal 2 - Universal Primary Education.** Bangkok, UNESCO, 2013: 62p.

The Asia-Pacific End of Decade Notes (EDN) present a review of regional and national progress toward the six EFA goals, take stock of the progress, persisting issues and remaining challenges in achieving the goals, and highlight examples of innovative policy reforms and strategies, particularly those aimed at reducing disparities in access to and quality of education. The EDN also emphasize the policy, capacity and governance gaps to be addressed in order to achieve EFA goals in the region. The six reports build on the findings of the Asia-Pacific EFA Mid-Decade Assessment (2006–2008), which examined EFA progress and gaps at the mid-way point of the 2000–2010 decade.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.10

Re. 1 per copy

October 2013



Indian Adult Education Association

Stree Shakti Suvidha Kendra, Kirti Nagar

Samajik Suvidha Sangam (Mission Convergence) is an initiative of Government of NCT of Delhi for holistic empowerment of women. For this purpose Stree Shakti Suvidha Kendras (Gender Resource Centres) are working in J.J. Clusters, resettlement colonies and villages across Delhi. These Kendras help women to avail benefits of welfare schemes of the government and get access to services and facilities of the Mission Convergence. One Stree Shakti Suvidha Kendra is run under the aegis of IAEA in Kirti Nagar.

Following are the activities/programmes organized/ conducted recently:

वाश अवेयरनेस कैम्प

गत 24 सितंबर 2013 को जीआरसी कीर्तिनगर द्वारा वधवा कैंप, कीर्तिनगर कलस्टर क्षेत्र में एक वाश अवेयरनेस कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जीआरसी के हैल्प डेस्क काउंसलर तथा कम्युनिटी कोचिलेडजर्सों ने प्रतिभागियों को 'साफ हाथ यानि साजबूत हाथ' विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा हाथों की सफाई करने के लिए कई टिप्स भी बताये। उन्होंने बताया कि हमारे हाथों पर बैठे कीटाणु जनन सूक्ष्म होते हैं कि खुली आंखों से हम उन्हें देख भी नहीं पाते लेकिन उनकी मौजूदगी का दुष्परिणाम हमें भुगतना पड़ता है। इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि शौचालय से आने के बाद तथा भोजन करने



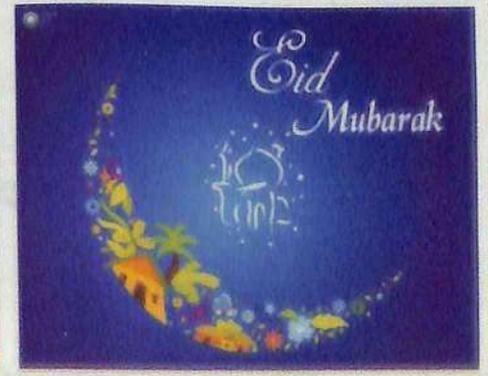
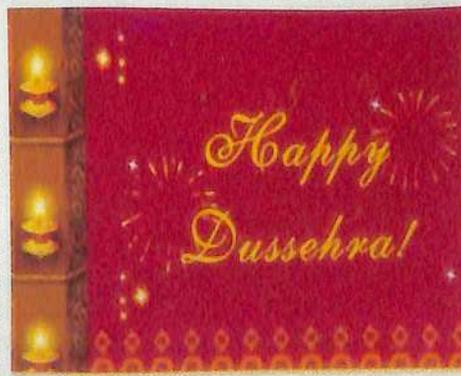
से पूर्व इन दो स्थितियों में हम अपने हाथों की सफाई ठीक ढंग से करें और जहां तक संभव हो इसके लिए साबुन का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर प्रतिभागियों को स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना के तहत संचालित विविध पाठ्यक्रमों के बारे में भी बताया गया।

हैल्थ कैम्प

दिनांक 28 सितम्बर 2013 को संत निरंकारी चैरिटेबिल ट्रस्ट, चूना भट्टी, कीर्तिनगर में जीआरसी द्वारा एक हैल्थ कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कुल 380 स्थानीय लोगों ने भाग लिया। यह कैम्प

प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चला। कैम्प का मुख्य उद्देश्य क्षय (टी.बी.) रोग के बारे में प्रतिभागियों में जागरूकता उत्पन्न करना था ताकि वे इस रोग के प्रारंभिक लक्षणों से परिचित हो सकें तथा इस प्रकार का कोई संकेत मिलने पर शीघ्र ही डाक्टर से परामर्श ले इस रोग का बेहतर इलाज करा सकें। इस कैंप में संदर्भ व्यक्ति के रूप में डॉ. दीपक, टी. बी. स्पेशिएलिस्ट, डॉ. नीलू श्रीवास्तव, गायनेकोलॉजिस्ट, डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, पीडियाट्रिसन, डॉ. रजनी मनचंदानी, जनरल फिजिशियन तथा फार्मासिस्ट श्रीमती ललिता चोपड़ा मौजूद थीं।

इस अवसर पर सभी संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को टी.बी. रोग के लक्षणों, शरीर पर होने वाले इसके प्रभाव, आवश्यक दवाईयां, इससे बचने के लिए किए जाने वाले सावधानियों तथा सरकार द्वारा नागरिकों को इस रोग से बचाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों आदि के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा कैंप में आये अन्य अस्वस्थ प्रतिभागियों ने उपस्थित चिकित्सकों से अपनी जांच करा प्रिस्क्रीब्ड दवाईयां भी फार्मासिस्ट से प्राप्त की।





कैम्प के दौरान स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना, एच.आई.वी. एड्स तथा जीआरसी से संबंधित विविध जानकारियां प्रदान करने के लिए तीन अलग-अलग हैल्प डेस्क भी लगाए गये थे।

कैम्प में जीआरसी के मानिटरिंग आफिसर श्री इरफान खान, जीआरसी की ज्वाइंट चीफ फंक्शनरी श्रीमती कल्पना कौशिक, जीआरसी के एकाउण्टेंट श्री एम. एल. शर्मा तथा आईईए कार्यकर्ता श्री विनय छेत्री भी उपस्थित थे।



जीआरसी द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का क्रियान्वयन

भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन में भी जीआरसी कीर्तिनगर

सक्रिय रूप से संलग्न है। इस योजना का लाम अपेक्षित लोगों तक पहुंचाने के लिए गत 5 अक्टूबर तक मिशन कन्वरजेंस के माध्यम से जीआरसी, कीर्तिनगर को 2000 फार्म प्रदान किये गये जिसमें से अब तक 105 फार्म वितरित किये जा चुके हैं। ये फार्म उन स्थानीय निवासियों को वितरित किये गये हैं जिनका राशन कार्ड अभी तक नहीं बना है।

ग्लोबल हैंड वाश डे सेलिब्रेशन

गत 15 अक्टूबर 2013 को जीआरसी कीर्तिनगर द्वारा 5/35, बस्ती विकास केन्द्र में ग्लोबल हैंड वाश डे मनाया गया जिसमें 210 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रातः 11:30 से प्रारंभ हो दोपहर 2:30 बजे तक चला। इस अवसर पर जीआरसी के कार्यकर्ताओं ने उपस्थित प्रतिभागियों को अपने तथा अपने आस-पास के वातावरण की साफ-सफाई पर ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने गन्दगी से पैदा होने वाली अनेक बिमारियों यथा त्वचा रोग, पेट दर्द, डायरिया, आदि के बारे में भी प्रतिभागियों को बताया। कार्यकर्ताओं ने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे अपने शौचालय नियमित रूप से साफ करें। स्वच्छता के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने तथा विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए पत्रक



वितरित किये गये और साथ ही साथ हाथ साफ रखने की विधि भी प्रदर्शित की गयी।

इस अवसर पर बच्चों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा चयनित प्रतियोगियों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में जीआरसी के समस्त कार्यकर्ता तथा ज्वाइंट चीफ फंक्शनरी श्रीमती कल्पना कौशिक भी उपस्थित रहीं।

ANNOUNCEMENT

The Indian Adult Education Association is organizing Sixtieth All India Adult Education Conference at Udaipur, Rajasthan from January 10-12, 2014 in collaboration with JRN Rajasthan Vidyapeeth Deemed University.

The theme of the conference is "Lifelong Learning in Higher Education" and the sub-themes are:

- Lifelong Learning - Role of Institutions of Higher Learning
- Lifelong Learning - Role of Open Schools and Universities
- Research and Evaluation in Lifelong Learning
- Role of Vocational Skill Development Training Institutions in Lifelong Learning

All India Adult Education Conference

• Role of NGOs in Lifelong Learning
All are cordially invited to attend the conference. Those who desire to attend the conference may remit the prescribed registration fee of Rs.1000/- before November 30, 2013 towards boarding and lodging charges through a separate Demand Draft drawn in favour of "Indian Adult Education Association" payable at New Delhi.

The fee charged will be Rs.1500/- for those who register their names from December 1, 2013 to December 31, 2013. In view of limited accommodation available persons not registered as a delegate will neither be allotted accommodation nor will be

permitted to attend the conference.

The delegates are requested to confirm their participation by e-mail: iaeadelhi@gmail.com and send their Registration Forms by post to General Secretary, Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 alongwith the Demand Draft.

Those who desire to present thematic papers in the conference may send the same to IAEA on or before November 30, 2013 through e-mail director_iaea@gmail.com clearly specifying as "Conference Thematic Paper".

K. C. Choudhary
General Secretary, IAEA

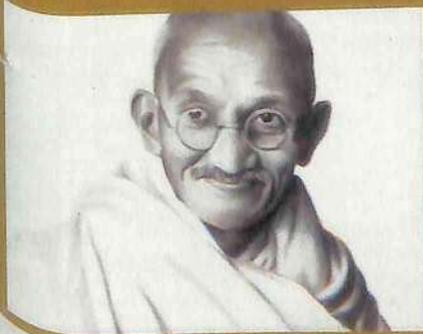
Election to Council and Executive Committee of IAEA including Office Bearers

PROGRAMME

1. Date of publication of list of members	Tuesday	1-10-2013
2. Last date for filing objection, on the list of members entitled to vote	Tuesday	8-10-2013
3. Date for decision on objection, if any	Thursday	10-10-2013 11:00 a.m.
4. Date of final publication of list of members entitled to vote	Friday	11-10-2013 11:00 a.m.
5. Last date for receiving nomination papers	Wednesday	11-12-2013 till 1.00 p.m.
6. Publication of the list of nomination papers received	Wednesday	11-12-2013 at 5.00 p.m.
7. Date of scrutiny of the nomination papers	Thursday	12-12-2013 11:00 a.m.
8. Date of publication of list of candidates	Thursday	12-12-2013 (immediately after scrutiny)
9. Last date for withdrawal of candidature	Friday	10-1-2014 before 1.00 p.m.
10. Publication of final list of candidates	Friday	10-1-2014 at 5.00 p.m.
11. Date and Time of General Body Meeting	Saturday	11-1-2014 9.00 a.m.
12. Date and time of the meeting of Individual Members to elect "Council Members" from amongst Individual Members	Saturday	11-1-2014 (9.15 a.m. to 10.30 a.m.)
13. Date and time of the meeting of Institutional Members to elect "Council Members" from amongst Institutional Members	Saturday	11-1-2014 (10.30 a.m.)
14. Date and time of meeting of Council to elect Office Bearers and Executive Committee Members	Sunday	12-1-2014 (9.00 a.m. to 10.00 a.m.)
15. Declaration of Results (immediately after completion of counting)	Sunday	12-1-2014 (immediately after counting)

(Dr. V. Mohankumar)
Returning Officer

(K.C. Choudhary)
General Secretary



Prayer is not asking. It is a longing of the soul. It is daily admission of one's weakness. It is better in prayer to have a heart without words than words without a heart.

Mahatma Gandhi

Meeting of IAEA State Branch, UP



Indian Adult Education Association State Branch, Uttar Pradesh organized a meeting on September 29, 2013 at Charan Hotel, Vidhan Sabha Marg, Lucknow which was attended by 40 members of the branch. Prof. B. S. Garg, President, Shri K.C. Choudhary, General Secretary and Dr. M.S.Ranawat, Vice-President, Indian Adult Education Association attended the meeting as guests of honour.

The meeting started with the welcome address by Dr. Madan Singh, Chairman, IAEA State Branch and Dr. Usha Rai presented a brief report on the programmes and activities conducted/organized by the branch and requested IAEA to provide some financial assistance for the branch so that more number of activities is conducted.

Prof. Garg while appreciating the programmes organized by the branch in collaboration with the voluntary agencies, philanthropists and social activists assured that in future

some amount will be given by IAEA which can be used as



seed money to mobilize some funds locally to meet the expenses of the programmes.

Then the members of the State Branch elected Dr. Madan Singh as Chairman, Dr.S.C.Upadhyay as Secretary, Prof. Irshad Hussain as Treasurer, Shri Sudhakar Mansingh as Joint Secretary and Dr. Usha Rai, Shri R.C.Yadav, Shri Ramadhaar Tripathi, Shri K. B. Tuteja, Shri Vijai Rai, Shri Siyaraam Yadav, Ms. Pragya Pandey and Ms. Sushma Dhoundiyal as members.

At the end Dr.S.C.Upadhyay thanked the guests and the members of UP Branch for attending the meeting and participating in the election.

King Sejong Literacy Prize 2013

Acceptance speech given by
Shri Jagmohan Singh Raju,
DG, NLMA after receiving Prize

Director General
UNESCO, Hon'ble
Ministers, Excellencies,
Ladies and Gentlemen,
Good Evening. I wish to
dutifully convey you all
the greetings of literacy
fraternity of India, the
literacy officials, functionaries, and
activists, NGOs, volunteer teachers and
learners whom I represent here today.



Literacy, especially female literacy, ladies and Gentlemen, is an enabler, a force multiplier for all affirmative actions. It is a necessary condition for peaceful, democratic, tolerant societies. Illiteracy on the other hand is the root cause of exclusion, deprivation, discrimination, exploitation and inequity in the society. In today's knowledge society, it is the non-literates who are the most disadvantaged and marginalized as they are not able to exercise their rights and entitlements and remain excluded from the country's overall growth and development.

Saakshar Bharat is a winning strategy, located in Government of India's overall philosophy and policy of women empowerment, inclusive development and devolution of governance. It is integrated with Government's affirmative action and strategies for inclusive development.

Since its launch on the International Literacy Day in 2009, 1.5 million volunteers have helped 21 million non-literate adults to become literate. Nearly two million persons have been imparted vocational skills. To offer opportunities of Lifelong learning to neo-literates, Adult Education Centers have been set up in 150 thousand villages. These constitute nearly two-third of India's total number of villages. These noteworthy



accomplishments have been possible because of the clear directions given by the Minister of Human Resource Development, Dr. Pallam Raju and the political support mobilized by him in support of the programme.

I thank UNESCO for recognizing the efforts made by the Government of India and conferring the prestigious King Sejong Prize on the National Literacy Mission Authority of India for its determined efforts to establish an inclusive Literacy society. It is an honour to have received the award today from DG UNESCO. This recognition further strengthens our resolve to discharge our mandate with greater certitude and resoluteness. We shall continue

to bring the joy of literacy, with all its manifest offerings, to the non-literate adults specially women.

Before I leave the dais, I request you for your blessings and good wishes to carry on the good work. Thank you.

Census - 2011

STATEWISE STATEMENT OF POPULATION, LITERATES AND ILLITERATES OF AGE GROUP 7 AND ABOVE BY SEX

S. No.	State/U.T.	Population			Literates			Illiterates		
		Persons	Male	Female	Persons	Male	Female	Persons	Male	Female
	India	1046091423	537389373	508702050	763498517	434683779	328814738	447071056	188438064	258632992
1	JAMMU & KASHMIR	10522397	5556307	4966090	7067233	4264671	2802562	5474069	2375991	3098078
2	HIMACHAL PRADESH	6086704	3074414	3012290	5039736	2752590	2287146	1824866	729283	1095583
3	PUNJAB	24667119	12973471	11693648	18707137	10436056	8271081	9036201	4203409	4832792
4	CHANDIGARH	936016	517127	418889	805438	465346	340092	250012	115317	134695
5	UTTARAKHAND	8730478	4420574	4309904	6880953	3863708	3017245	3205339	1274065	1931274
6	HARYANA	21970741	11651625	10319116	16598988	9794067	6804921	8752474	3700667	5051807
7	NCT OF DELHI	14775487	7911886	6863601	12737767	7194856	5542911	4050174	1792470	2257704
8	RAJASTHAN	57898933	29911821	27987112	38275282	23688412	14586870	30273155	11862585	18410570
9	UTTAR PRADESH	169021010	88294929	80726081	114397555	68234964	46162591	85414786	36245546	49169240
10	BIHAR	84965488	44390918	40574570	52504553	31608023	20896530	51594899	22670134	28924765
11	SIKKIM	546466	290309	256157	444952	251269	193683	165625	71801	93824
12	ARUNACHAL PRADESH	1171539	606288	565251	766005	439868	326137	617722	274044	343678
13	NAGALAND	1687431	874864	812567	1342434	723957	618477	636068	300692	335376
14	MANIPUR	2232136	1115471	1116665	1768181	960015	808166	802209	330156	472053
15	MIZORAM	928675	469778	458897	848175	438529	409646	249031	116810	132221
16	TRIPURA	3215903	1640368	1575535	2804783	1501369	1303414	869134	373007	496127
17	MEGHALAYA	2398353	1203186	1195167	1785005	913879	871126	1181884	577953	603931
18	ASSAM	26567446	13575958	12991488	19177977	10568639	8609338	12027599	5370804	6656795
19	WEST BENGAL	80694649	41398631	39296018	61538281	33818810	27719471	29737834	12990217	16747617
20	JHARKHAND	27598639	14163168	13435471	18328069	10882519	7445550	14660065	6047796	8612269
21	ODISHA	36701024	18495639	18205385	26742595	15089681	11652914	15231623	6122455	9109168
22	CHHATTISGARH	21883509	10972960	10910549	15379922	8807893	6572029	10165276	4025002	6140274
23	MADHYA PRADESH	61817414	31976134	29841280	42851169	25174328	17676841	29775640	12437978	17337662
24	GUJARAT	52662430	27375876	25286554	41093358	23474873	17618485	19346334	8016387	11329947
25	DAMAN & DIU	216313	136157	80156	188406	124643	63763	54841	25658	29183
26	DADRA & NAGAR HAVELI	292814	167329	125485	223230	142521	80709	120479	51239	69240
27	MAHARASHTRA	99047816	51207665	47840151	81554290	45257584	36296706	30820043	12985472	17834571
28	ANDHRA PRADESH	75437975	37727196	37710779	50556760	28251243	22305517	34024017	14190903	19833114
29	KARNATAKA	53934264	27291366	26642898	40647322	22508471	18138851	20447975	8458186	11989789
30	GOA	1313934	664680	649254	1165487	615823	549664	293058	123317	169741
31	LAKSHADWEEP	57218	29326	27892	52553	28023	24530	11920	5100	6820
32	KERALA	29933106	14259168	15673938	28135824	13704903	14430921	5270237	2322509	2947728
33	TAMIL NADU	64723198	32317699	32405499	51837507	28040491	23797016	20309523	8097484	12212039
34	PUDUCHERRY	1115095	544984	570111	957309	497378	459931	290644	115133	175511
35	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	339703	182101	157602	294281	164377	129904	86300	38494	47806

Census - 2011

STATEWISE STATEMENT OF POPULATION, LITERATES AND LITERACY RATES OF AGE GROUP 7 AND ABOVE BY SEX

S. No.	State/U.T.	Population			Literates			Literacy Rate		
		Persons	Male	Female	Persons	Male	Female	Persons	Male	Female
	India	1046091423	537389373	508702050	763498517	434683779	328814738	73.0	80.9	64.6
1	JAMMU & KASHMIR	10522397	5556307	4966090	7067233	4264671	2802562	67.2	76.8	56.4
2	HIMACHAL PRADESH	6086704	3074414	3012290	5039736	2752590	2287146	82.8	89.5	75.9
3	PUNJAB	24667119	12973471	11693648	18707137	10436056	8271081	75.8	80.4	70.7
4	CHANDIGARH	936016	517127	418889	805438	465346	340092	86.0	90.0	81.2
5	UTTARAKHAND	8730478	4420574	4309904	6880953	3863708	3017245	78.8	87.4	70.0
6	HARYANA	21970741	11651625	10319116	16598988	9794067	6804921	75.6	84.1	65.9
7	NCT OF DELHI	14775487	7911886	6863601	12737767	7194856	5542911	86.2	90.9	80.8
8	RAJASTHAN	57898933	29911821	27987112	38275282	23688412	14586870	66.1	79.2	52.1
9	UTTAR PRADESH	169021010	88294929	80726081	114397555	68234964	46162591	67.7	77.3	57.2
10	BIHAR	84965488	44390918	40574570	52504553	31608023	20896530	61.8	71.2	51.5
11	SIKKIM	546466	290309	256157	444952	251269	193683	81.4	86.6	75.6
12	ARUNACHAL PRADESH	1171539	606288	565251	766005	439868	326137	65.4	72.6	57.7
13	NAGALAND	1687431	874864	812567	1342434	723957	618477	79.6	82.8	76.1
14	MANIPUR	2232136	1115471	1116665	1768181	960015	808166	79.2	86.1	72.4
15	MIZORAM	928675	469778	458897	848175	438529	409646	91.3	93.3	89.3
16	TRIPURA	3215903	1640368	1575535	2804783	1501369	1303414	87.2	91.5	82.7
17	MEGHALAYA	2398353	1203186	1195167	1785005	913879	871126	74.4	76.0	72.9
18	ASSAM	26567446	13575958	12991488	19177977	10568639	8609338	72.2	77.8	66.3
19	WEST BENGAL	80694649	41398631	39296018	61538281	33818810	27719471	76.3	81.7	70.5
20	JHARKHAND	27598639	14163168	13435471	18328069	10882519	7445550	66.4	76.8	55.4
21	ODISHA	36701024	18495639	18205385	26742595	15089681	11652914	72.9	81.6	64.0
22	CHHATTISGARH	21883509	10972960	10910549	15379922	8807893	6572029	70.3	80.3	60.2
23	MADHYA PRADESH	61817414	31976134	29841280	42851169	25174328	17676841	69.3	78.7	59.2
24	GUJARAT	52662430	27375876	25286554	41093358	23474873	17618485	78.0	85.8	69.7
25	DAMAN & DIU	216313	136157	80156	188406	124643	63763	87.1	91.5	79.5
26	DADRA & NAGAR HAVELI	292814	167329	125485	223230	142521	80709	76.2	85.2	64.3
27	MAHARASHTRA	99047816	51207665	47840151	81554290	45257584	36296706	82.3	88.4	75.9
28	ANDHRA PRADESH	75437975	37727196	37710779	50556760	28251243	22305517	67.0	74.9	59.1
29	KARNATAKA	53934264	27291366	26642898	40647322	22508471	18138851	75.4	82.5	68.1
30	GOA	1313934	664680	649254	1165487	615823	549664	88.7	92.6	84.7
31	LAKSHADWEEP	57218	29326	27892	52553	28023	24530	91.8	95.6	87.9
32	KERALA	29933106	14259168	15673938	28135824	13704903	14430921	94.0	96.1	92.1
33	TAMIL NADU	64723198	32317699	32405499	51837507	28040491	23797016	80.1	86.8	73.4
34	PUDUCHERRY	1115095	544984	570111	957309	497378	459931	85.8	91.3	80.7
35	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	339703	182101	157602	294281	164377	129904	86.6	90.3	82.4

Rahul Yadav is Assistant Professor in Adult Education

Shri Rahul Yadav has joined as Assistant Professor in the Department of Adult, Continuing Education and Extension at Dr. Harisingh Gour Central University, Sagar, Madhya Pradesh on September 30, 2013. He did his MA in Adult Education from Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur and qualified for UGC.NET.JRF (Adult Education) exam in June 2007.

Shri Rahul is the Life Member of Indian Adult Education Association from December 2009.



‘काट दो अब बेड़ियाँ अज्ञान और तम की सभी’

विकास की नवधार में
तमस के बंधन कटें
अभियान साक्षरता चले
एक हों जब सब जुटें

काट दो अब बेड़ियाँ
अज्ञान और तम की सभी
कोई निरक्षर न रहे
देश विकसित हो तभी

चाहें अँधेरी रात हो
सूझे न कोई राह हो
शिक्षा की ज्योति जल उठे
तब मार्ग उसमें प्रशस्त हो

बन मिसाल सत्य की
तम को तुम प्रतिघात दो
सुप्रमात सी नव प्रमा में
ज्ञान का प्रकाश हो

अक्षर क्षरित होता नहीं
तुम शब्द की शक्ति बनों
अशिक्षा के बंधन काट कर
जग को सदा रौशन करो

सन्मुख यहाँ झंझाएँ हों
आगे कँटीली राह हो
तुम हारकर मत बैठना
पग में चुभें गर शूल हों

संघर्ष की पगडंडियों में
मंजिलें गर दूर हों
मत रोकना पग तुम कभी
नए हौसलों की उड़ान हो

ज्ञान की नव रागिनी में
स्वर नए गूँजे यहाँ
पढ़ें-लिखें अब सभी
कोई न अनपढ़ हो यहाँ

प्रात उद्गासित किरण बन
पथ को तुम रौशन करो
एक सवेरा हम जगाएँ
एक सवेरा तुम करो।

— कुसुम वीर

Workshop on Professional Development



The Department of Adult Continuing Education and Extension, University of Delhi organized a two day workshop on Professional Development in Lifelong Learning and Extension on October 21-22, 2013 at the University Conference hall. Prof. Dinesh Singh, Vice Chancellor, University of Delhi was the Chief Guest. The workshop was attended by around 250 delegates from various parts of the country including elderly persons, marginalized women, out-of-school youth, sex workers and a group from transgender. Prof. C.V., Yvonne Hemsley from University of Sheffield was also present.

After a brief welcome address by Prof. Anita Sharma, Dean, Faculty of Social Sciences, Prof. Dinesh Singh inaugurated the workshop. In his address he emphasized the importance of learning in one's life and desired adult education and lifelong learning to be an integral part of the university system. He also appreciated the initiative of the Department of Adult Continuing Education and Extension in reaching out to the community and making their participation visible in the workshop.

Then he launched 'Vistaar' – a unique extension programme designed by the Department to reach out to the deprived communities like marginalized women, sex workers, transgender population, drug users, elderly population and out-of-school youth. The programme will involve students, research scholars, teachers, professionals and the community stakeholders. The main objective of

'Vistaar' is to inculcate values and sense of social responsibilities in the students of the university. 'Vistaar' will adopt an innovative approach in community extension by providing lifelong learning opportunities using outreach activities including literacy, ICT, skill building and research. It will also establish linkages with Government programmes, NGOs and CSR programme of the corporate sector in empowering the communities at large. The website of the department also was inaugurated by the Vice Chancellor.

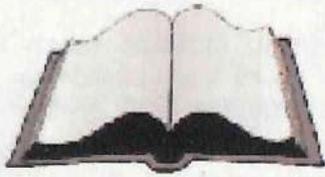


The participants were addressed by Mr. Alisher Umarov, Chief of Education, UNESCO Regional Office, New Delhi. In his address Mr. Alisher stressed the importance of Lifelong Learning and the Role of Universities in promoting extension activities among deprived communities. He also detailed the state of adult education in South Asian Countries.

In two-days around 52 working papers were presented by academicians, professionals and representatives from civil society organizations. Mr. Alisher Umraov, Prof. C.V. Yvonne Hemsely, Professor M. Sengupta, Professor Ved Pal Singh, Dr. Rajesh, Dr. J.P. Dubey and Dr. V.K. Dixit chaired and Co-chaired the sessions.

At the end the participants resolved to work for the community through 'Vistaar' under XII Five Year Plan in Extension and Community outreach.

- Dr. Rajesh
Head of the Department
ACE&E



Government of India, **SAARC Development Goals - India Country Report 2013: Statistical Appraisal**. Central Statistics Office, Ministry of Statistics and Programme Implementation, 2013: 98p.

SAARC Development Goals are regionalized form of Millennium Development Goals, with some additional targets and indicators, for the period of five years, 2007-12. This report gives the statistical appraisal of the achievements made on the SAARC Development Goals in India taking the latest available data into account.

Helpage International. **Global Age Watch Index 2013: Insight report**. UK, HelpAge International, 2013: 50p.

The Global AgeWatch Index is the first global index to rank countries according to the social and economic wellbeing of older people. The Index shows that the best way to improve the lives of future generations of older people is by investing in health, education and employment for young people. It provides a measure of 13 different indicators across four key domains of income security, health status, education and employment, and aspects of the enabling environment already identified by older people as being of utmost importance to them. The document further ensures positive ageing for all across the lifecycle. It balances the positive aspects of progress and solutions with evidence of the ever-present reality that millions of older people still face very challenging living conditions and lack of access to essential services.

Marwaha, Puja. **Learning Blocks': A reality check on the status of Right To Education Act - Report 2013**. New Delhi, CRY, 2013: 90p.

This report is to understand the status of implementation of the Right to Education Act 2009, with respect to particular provisions that needed to be in place by the end of three years of the enforcement of the legislation. It offers a glimpse into an India that looks to its government for strengthening the schooling and education system, where children are equal citizens living with dignity and fulfilling CRY's vision of a happy, healthy childhood for all.

The study is based on sample selection of schools from 71 districts in 13 states and 3 metropolitan cities of India. The sample included 60 schools in each State and 30 schools in the three Metro Cities. However, the final sample used for data analysis included only primary and upper schools. Recording observations was the primary method used to collect data from schools.

Key Findings of the Study are: 11% schools did not have toilets; only 18% schools had separate toilets for girls; in 34% schools toilets were observed to be in bad condition or unusable; 20% schools did not have safe drinking water; in 18% schools the Mid Day Meal was either not cooked inside a designated kitchen or did not have a kitchen space at all; 63% schools did not have a playground; 60% schools did not have a boundary wall, or had a damaged boundary wall or the boundary wall was under construction and 74% schools did not have a library.

Unesco. **Flexible Learning Strategies: Country Case Report (Regional meeting on alternative learning/Schooling Programmes for Primary Education to Reach the Unreached)**. Bangkok,

Unesco, 2013: 84p.

This report documents the regional meeting, particularly examples of Flexible Learning Strategies (FLS) in the countries in Asia-Pacific. The meeting brought together mid-to-high level representatives and experts selected from ministries responsible for and NGOs involved in primary education from the 23 countries listed here: Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Cambodia, India, Indonesia, Lao PDR, Malaysia, Maldives, Marshall Islands, Mongolia, Myanmar, Nauru, Nepal, Pakistan, Philippines, Samoa, Sri Lanka, Thailand, Timor-Leste, Tuvalu, Uzbekistan and Viet Nam.

FLS represent a shift away from a gradually approach to meet the learning needs of educationally excluded children towards a more systematic, flexible and rights-based/inclusive interventions appropriately designed to match their needs and circumstances. The objective of this document is that, regardless of mode of delivery, duration and place of study, otherwise excluded children can acquire functional basic literacy and numeracy skills as well as the competencies and life skills required to have improved life choices and live safe and dignified lives thus fulfilling their right to education.

The implementation of more flexible, alternative and equity-based learning programmes that address the characteristics of learners, such as their interests, needs, experience, abilities, culture and learning styles, is a crucial strategy to bring education within the reach of marginalized children and to accelerate progress towards our MDGs and EFA commitments for 2015.

Compiled by
Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Graphic World, 1686, Kucha Dakhini Rai, Darya Ganj, New Delhi - 110 002

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeaindia@yahoo.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.11

Re. 1 per copy

November 2013



Indian Adult Education Association

स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर

सामाजिक सुविधा संगम महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तीकरण के लिए दिल्ली सरकार द्वारा प्रायोजित एक अनोखा प्रयास है। इस प्रयास के तहत दिल्ली सरकार द्वारा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थानों के माध्यम से जे.जे. कॉलोनियों, पुर्नवास बस्तियों एवं गांवों में अनेक स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र (Gender Resource Centre) चलाये जा रहे हैं। इनमें से कीर्ति नगर स्थित केन्द्र भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा चलाया जा रहा है।

कीर्ति नगर केन्द्र द्वारा हाल ही में संचालित विविध गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नरूप है:

ओपीडी क्लिनिक

जीआरसी द्वारा 5/35, बस्ती विकास केन्द्र, कीर्ति नगर में गत 19 अक्टूबर को एक ओपीडी क्लिनिक आयोजित किया गया जिसमें 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ओपीडी में डॉ. श्वेता तथा फार्मासिस्ट श्री ललित कुमार चोपड़ा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने डॉ. श्वेता से स्वास्थ्य जांच कराई। तदुपरान्त श्री ललित कुमार चोपड़ा ने सभी प्रतिभागियों को डाक्टर के निर्देशानुसार आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराई।

वाश अवेयरनेस

जीआरसी कीर्ति नगर द्वारा गत 19 अक्टूबर 2013 को 10/67, फर्नीचर ब्लॉक,



कीर्ति नगर इलाके में एक सफाई जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाग ले रहे 32 स्थानीय निवासियों को जीआरसी मोबिलाइजरस ने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम मुख्यतः व्यक्तिगत एवं घरेलू स्वच्छता पर केन्द्रित था इसलिए संदर्भ व्यक्तियों ने उपस्थित लोगों के साथ उनके दैनंदिन जीवन में सफाई संबंधित उपायों तथा मापदण्डों के बारे में विशेषरूप से चर्चा की ताकि वे स्वयं को तथा अपने परिवार को रोगमुक्त रख सकें।

वाश ट्रेनिंग

26 अक्टूबर 2013 को जीआरसी द्वारा बी-35, कीर्तिनगर इलाके में एक वाश ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 10 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। विदित है कि स्वच्छता जिसके तहत हाथों को साफ सुथरा रखने का सही तरीका, इलाके की सफाई, जन सुविधाओं का बेहतर रख-रखाव तथा उपयोग एवं खुले में शौच से उत्पन्न होने वाले बिमारियों के बारे में बताया जाता

है, संबंधित जागरूकता उत्पन्न करने के लिए जीआरसी द्वारा 'रौशनी' नामक समूह का गठन किया गया है। यह समूह पार्श्ववर्ती इलाकों में जा स्थानीय लोगों को उपरोक्त के संबंध में महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदान कर जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य करती है।



इस बार आयोजित कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर प्रोजेक्ट कार्डिनेटर तथा दो कम्प्युनिटी मोबिलाइजरों ने उपस्थित प्रतिभागियों को खुले में शौच से उत्पन्न होने



"Time is not measured by the passing of years but by what one does, what one feels, and what one achieves."

-Jawaharlal Nehru

वाले जानलेवा बिमारियों से अवगत कराया। उन्होंने लोगों को बताया कि बेहतर है कि वे आस पड़ोस में उपलब्ध जन सुविधाओं का प्रयोग करें।

विधिक जागरूकता शिविर

गत 17 अक्टूबर तथा 6 नवम्बर 2013 को जीआरसी द्वारा क्रमशः फायर स्टेशन तथा बी/35, कीर्तिनगर इलाके में दो विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः 33 एवं 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों ही कार्यक्रमों में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा उपस्थित रहे। प्रथम कार्यक्रम में श्री



मेहरा ने प्रतिभागियों को बताया कि कन्या भ्रूण हत्या तो कानूनन जुर्म है ही महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण का लिंग परीक्षण भी एक अक्षम्य अपराध है। उन्होंने प्रतिभागियों को इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से बताया। द्वितीय कार्यक्रम में श्री मेहरा ने शिक्षा अधिकार अधिनियम के विविध प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि अब किसी भी बच्चे के शिक्षा संबंधी अधिकार को किसी भी कारण से नकारा नहीं जा सकता।

विधिक सलाह कार्यक्रम

23 अक्टूबर तथा 13 नवम्बर 2013 को सी-121, मानसरोवन गार्डन, कीर्ति नगर जीआरसी परिसर में आयोजित दोनों ही विधिक सलाह कार्यक्रमों में इस बार एक-एक महिला ने कानूनी सलाह प्राप्त की। इस दौरान संदर्भ व्यक्ति के तौर पर उपस्थित

अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज ने संबंधित महिलाओं को घरेलु हिंसा तथा डेलसा द्वारा प्रदान किये जाने वाले सहयोग के बारे में विस्तार से बताया।

पोषाहार शिविर

जीआरसी द्वारा 'एनिमिया की रोकथाम' विषय पर गत 11 नवम्बर 2013 को कमला



नेहरू कैम्प, कीर्ति नगर में एक पोषाहार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति श्रीमती सुनीता रानी ने प्रतिभागियों को बताया कि एनिमिया मुख्यतः शरीर में खून की कमी से होता है जिसका मुख्य कारण आहार में असंतुलन है। उन्होंने सहज रूप से उपलब्ध सामग्रियों में से क्या-क्या खाने से एनिमिया जैसे बिमारी से बचा जा सकता है इसके बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर उन्होंने चना लड्डू तथा टमाटर सूप बनाकर प्रतिभागियों को इसके बनाने की विधि से भी अवगत कराया।

टॉयलेट दिवस

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रदत्त ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत की लगभग आधी आबादी आज भी खुल में शौच करती है। दिल्ली भी इससे अछूता नहीं है। खुले में शौच अनेक जानलेवा बिमारियों को आमंत्रित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित देश की तमाम सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाएं इस हेतु प्रयत्नशील हैं कि लोगों में जन

सुविधाओं के प्रयोग के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जाय ताकि वे खुले में शौच जाने से बचें और अपने तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकें।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए गत 19 नवम्बर 2013 को जीआरसी, कीर्ति नगर द्वारा हरिजन कैम्प, चूना भट्टी, कीर्ति नगर में टॉयलेट दिवस मनाया गया जिसमें 133 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत तथा परिवेश की स्वच्छता, टॉयलेट साफ-सफाई तथा इसके प्रयोग करने की विधि पर विस्तार से बताया। जीआरसी



कार्यकर्ताओं ने महिलाओं की एक समूह के साथ आस पड़ोस के कई घरों में जा उनके

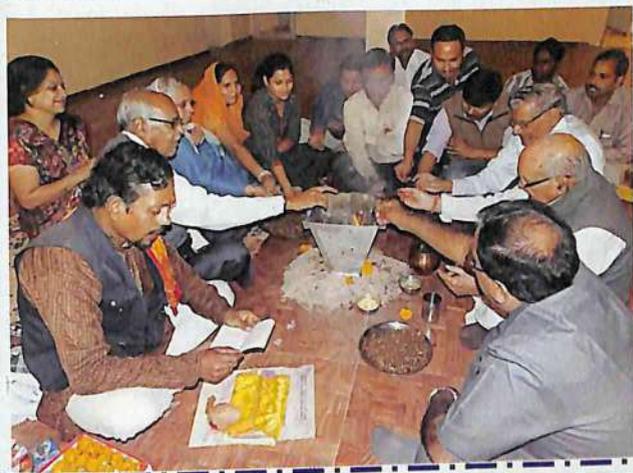


टॉयलेट का निजी तौर पर मुआयना कर उन्हें टॉयलेट की सफाई और उसके प्रयोग की विधियों के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंत में उपरोक्त विषय पर बच्चों के लिए एक चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा चयनित बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

IAEA President Inaugurated Tagore Hall

The IAEA had recently reconstructed rear portion of the office building which is named as Tagore Hall. This hall was inaugurated in a small function with pious religious ceremony on November 9, 2013 by Prof. B.S. Garg, President, Indian Adult Education Association. Others present on the occasion were Shri K.C. Choudhary, General Secretary, Dr. M.S. Ranawat, Vice President, Dr. Madan Singh, Treasurer and Director and the members of the staff of the Association.



60th All India Adult Education Conference at Udaipur Attention Delegates

The delegates who are attending All India Adult Education Conference at Udaipur from January 10-12, 2014 may register their names and get priority in allotment of accommodation. Please note that it may be difficult to entertain the delegates reaching Udaipur without prior registration.

Following are a few instructions which may be noted by the delegates:

- The last date for registration is November 30, 2013 and the Registration Fee is Rs.1000/-.
- From December 1, 2013 to December 31, 2013 the Registration Fee is Rs. 1500/-.
- Confirm your participation by e-mail: iaeadelhi@gmail.com and send registration form by post alongwith the demand draft.
- Please de-board the train at Udaipur City where the conference volunteers will have Help Desk and they will facilitate with transport to the place of stay. However, for this the delegates should inform us well in advance the name, date, train in which they travel and arrival time at Udaipur City.
- As the conference is in January Udaipur will be very cold and hence, the delegates should come prepared with warm clothes to protect themselves.
- The contact persons at Udaipur are Prof. S.S. Sarangdevot, Vice Chancellor (Mobile: 09928079640), Dr. Prakash Sharma, Registrar, JRN Rajasthan Vidyapeeth Deemed University (Mobile: 09460700184 e-mail: prakashsharma.rvu@gmail.com) and Shri Chandresh (Mobile: 09928544749).
- Udaipur is famously called Lake City and a number of places of interest are there. As part of conference arrangement the afternoon on second day is allotted for sight seeing. In case the delegates desire to see more places and also interesting places in the neighbouring districts, they can make their own arrangements after the conference is over.

K. C. Choudhary
General Secretary, IAEA

'Ek Mulakat', Face to Face with Dr. S.S. Jena



National Institute of Open Schooling (NIOS) is now a well known name throughout the country for the valuable

contribution it has rendered in the field of parallel education. It has proved to be a boon for all those who either could not enter the threshold of formal education or even after entering it they could not continue the same upto desired level. This year NIOS is celebrating its Silver Jubilee year. To know more about the organization Shri B. Sanjay, Programme Officer, Indian Adult Education Association met and discussed with Dr. S.S. Jena, Chairman, NIOS. Following is the excerpts of the discussion:

Sanjay: Good Morning Sir. Please accept our heartiest greetings and congratulations for the Silver Jubilee year of your organization. Can you please tell when NIOS was established and what are its objectives?

Dr. Jena: The idea of introducing **Open Schooling in India** was first considered in the early seventies of the twentieth century. In August 1974, the National Council of Educational Research and Training (NCERT) appointed a Working Group to examine the feasibility of setting up an Open School. Taking note of the fact that the country was facing the persistent problem of school dropouts, it was felt that in the interest of individuals as well as of the nation the drop outs may be provided an opportunity to come back to the mainstream and continue their education. The problems of education of girls and children belonging to rural and economically backward communities, and persons living in difficult contexts, may also be addressed. It was realized that unless the Open Learning System is provided for, where the children as well as adults can take advantage of opportunities for education at their own convenience and at their own pace, it will continue to pose a very difficult situation.

In November 1978, the Central Board of

Secondary Education (CBSE) and NCERT organized an International Seminar on **Open School** which was attended by experts on Distance Education. As a follow up of the International Seminar, the CBSE set up the "Open School" in July 1979, as a Project. It was the first of its kind in India. In fact, this came up before the first Open University in India, i.e. Andhra Pradesh Open University (1982) and Indira Gandhi National Open University (1985).

The **Open School Project** was started in 1979. However, it was only in 1981-82 that registration of learners started; 1672 were enrolled. In 1983-84, the first Secondary level examination of the "Open School" was conducted. The basic idea was to provide educational opportunities at school level those have missed their first chance education through the formal education system due to various socio economic constraints. The **Vision of NIOS** has been recast as "To provide "Sustainable inclusive learning with universal and flexible access to quality school education and skill development." Its **Mission** is to provide relevant, continuing and holistic education up to pre-degree level through Open and Distance Learning System; contribute to the Universalisation of School Education; and cater to the educational needs of the prioritized target groups for equity and social justice.

Sanjay: Sir, can you please tell us more about the courses that are being conducted by NIOS?

Dr. Jena: National Institute of Open Schooling (NIOS) provides opportunities to interested learners by making available the following Courses/Programmes of Study through open and distance learning (ODL) mode and mainly those:

- Open Basic Education (OBE) Programme for children (up to 14 years),
- Open Basic Education (OBE) Programme as Equivalency Programme for neo-literates, school dropouts/left-outs (adolescents and adults above 14 years of age)
- Secondary Education Programme equivalent to 10th standard
- Senior Secondary Education Courses equivalent to 12th standard
- Vocational Education Courses/Programmes leading to skill development
- Life Enrichment Programmes for awareness

generation in then areas of health and livelihood.

Sanjay: Sir, is there any difference between the course curriculum and certificate offered by NIOS and formal system of education?

Dr. Jena: Flexibility is the basic Hall Mark of NIOS. Following are the chief features on which the learning strategies are evolved through the NIOS:

- Flexibility in **Age of Admission** (no upper age limit & Minimum age is 14+);
- Flexibility in deciding **course, place and space** of study;
- Freedom to **select subjects**, according to one's needs, interest & abilities (**From "You learn what we offer" to "We offer what you want to learn"**);
- **Integration** of academic with vocational courses;
- **Continuous assessment** through Tutor Marked Assignments(TMA);
- **Credit accumulation** facility over a period of 5 years;
- Facility of **transfer of credits** from other Boards of school Education.

Thereby the motto has been **Education Anytime, Anybody and at Anywhere.**

Sanjay: Sir, formal education is imparted through schools. How do you operate? Whether you have any branches in the states?

Dr. Jena: NIOS is primarily an open distance learning institution. It operates using three tier systems, at **first level** with its **HQ at Noida** which is involved in preparing the policy as well as learning resources for the learners. At the **second level**, it has as on date **18 Regional Centres** primarily responsible for programme execution and monitoring activities. At the **last level**, we have more than **5000 study centres across India**, mostly located in formal schools and organizations engaged in the academic and educational activities. This network of institutions supports the system for implementing both academic and vocational courses. Information and Communication Technology (ICT) plays significant role in facilitating the activities starting from admission, course transaction and assessment of learners.

Sanjay: Sir, apart from NIOS at national level, are there any open schools in states also?

Dr. Jena: One of the objectives of NIOS is to promote open schooling system in India and accordingly it provides academic and technical support to the state government for setting up of

the state open schools. Accordingly, there are 17 state open schools have been set up as on date. Few more are in pipeline.

Sanjay: Sir, nowadays NIOS is also actively participating in the implementation of Saakshar Bharat Programme. Lifelong education is also an integral part of Saakshar Bharat. Kindly tell us about the role played by NIOS in this regard?

Dr. Jena: A commendable feat accomplished by NIOS is the Basic Literacy Assessment of more than 3 crore neo-literates. Such an assessment and certification was undertaken for the first time in the history of adult education in the country and it was made possible only because of the commitment of NIOS & NLMA. I understand that more than 3 crore neo-literates have been assessed since 2010 and they can now go for basic education offered by NIOS as an Equivalency Programme. NIOS study materials for the Open Basic Education Programme were released during the International Literacy Day celebrations during this year by the President of India. In partnership with NLMA under the Sakshar Bharat Programme, NIOS is soon going to launch their Open Basic Education Programme for Adults. I am sure this alternative mechanism for developing a literate India will also draw considerable attention years ahead.

Sanjay: Sir, NIOS is 25 years old. How do you feel as Chairman of this great organization?

Dr. Jena: I am very happy to be here on the occasion of the celebration of 25th Foundation Day of NIOS. For an organization twenty five years is a good enough period to set the milestone for its development. It is a matter of great pride that NIOS has achieved a lot during this short period and emerged as the largest open schooling system in the world. It has taken up the challenge of reaching out to the marginalised sections of the society and provides an alternative channel of education - not for a privileged few but for the uneducated many and we will further strengthen our endeavour in this direction.

Sanjay: Sir, nowadays open schooling is evolving as an alternative system of education across the world. In India it has become more relevant keeping in view the extent of dropouts and enormous population. I hope NIOS will come forward more effectively to cater the needs of the learners in the years to come.

Thank you sir for sparing your valuable time. Wish your organization all success. Namaskar.

Dr. Jena: Namaskar

दूर तक सुनाई पड़ेगी आवाज नोटा की

कई वर्षों पहले फ्रांसिस फुकुयामा ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'एण्ड ऑफ हिस्ट्री एण्ड द लास्ट मैन' लिखते हुए कहा था कि शासन व्यवस्था की दृष्टि से देखें तो लोकतंत्र से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। इस लिहाज से देखें तो मनुष्य की राजनैतिक तलाश लोकतंत्र पर जाकर समाप्त होती है। फुकुयामा का कहना है कि यदि लोकतंत्र भी कहीं विफल हो रहा हो तो वह तंत्र की वजह से नहीं बल्कि उससे लागू करने वाले लोगों की निजी खामियों से हो रहा होगा।

पर हमारे देश के साथ विडंबना कुछ और ही है। हमने संसदीय लोकतंत्र अपनाया है जिसके प्रारंभिक दौर में लोकतंत्र की कई महत्वपूर्ण खूबियों को शामिल नहीं किया जा सका। बावजूद इसके भारतीय लोकतंत्र ने सफलता के जिस पैमाने को छुआ है वह भी प्रशंसनीय है। भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि यह सदैव राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय विमर्श का भी विषय बना रहा है। परिणामस्वरूप इसकी कोंख में बदलाव के बीज भी लगातार पनपते रहे हैं।

विद्वान मानते हैं कि मौजूदा दौर में सफल, संवेदी और सक्रिय लोकतंत्र का सपना साकार करने के लिए चार घटकों का समावेश होना आवश्यक है। 18 वर्ष की आयु में मताधिकार का होना, प्रत्याशियों की चयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित किया जाना, इन्कार का मताधिकार होना (राइट टू रिजेक्ट) और चयनित प्रत्याशी यदि जन अपेक्षाओं पर खरा न उतरे तो उसे वापस बुला लेने का अधिकार (राइट टू रिकाल) जनता के पास होना। 18 वर्ष की आयु में मताधिकार आज देश में लागू है और राइट टू रिजेक्ट तथा राइट टू रिकाल लागू करने की मांग देश में बार-बार होती आई है। सन् 1974 में संचालित सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन के दौरान स्वयं जय प्रकाश नारायण ने भी इन दोनों के लागू किये जाने की मांग को केन्द्र

में रखा था।

ज्ञात है कि सन् 1977 में मोरारजी भाई के नेतृत्व में गठित देश की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार के समक्ष भी इन दोनों को लागू करने की मांग रखी गयी थी। पर मोरारजी भाई ने यह कहते हुए इसे अस्वीकार कर दिया था कि मैं अपने ही डेथ वारंट पर हस्ताक्षर कैसे कर सकता हूँ। यह प्रशंसनीय है कि सिविल सोसाइटी और देश के बुद्धिजीवी वर्ग ने इस मांग को हमेशा जीवित रखा। सन् 2012 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुए देशव्यापी अन्ना आन्दोलन में ये दोनो मांगें फिर से एक बार राष्ट्रीय विमर्श के मुख्य पृष्ठ पर आ गयीं। अन्ना आन्दोलन ने राष्ट्रीय मानस पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ा। आन्दोलन के दौरान कई अभिनव प्रयोग भी हुए। लाखों की संख्या में लोग किसी दल विशेष का झंडा ढोने के बजाय राष्ट्रीय पताका लेकर घरों से निकले। बावजूद इसके इस आन्दोलन से समाज को सीधे-सीधे कुछ खास हासिल न हो सका।

एक बार तो ऐसा लगा कि मौजूदा दौर में जन आन्दोलन ही कहीं अपनी प्रासंगिकता तो नहीं खो रहे?

बहरहाल राजनैतिक प्रक्रिया से नहीं बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से भारतीय नागरिकों को इन्कार का मताधिकार प्राप्त हो गया है। गत 27 सितंबर 2013 को एक गैर-सरकारी संस्था द्वारा जारी जनहित याचिका के मामले में सुनवाई करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश पी.

सदाशिवम की खंडपीठ ने निर्णय दिया कि मतदान और इन्कार का मताधिकार दोनों ही नागरिकों के मत देने के अधिकार के अभिन्न अंग हैं। इस प्रकार एक लंबे दौर से चली आ रही विमर्श का प्रशंसनीय और सुखद समापन हो गया। गत 11 नवंबर 2013 को छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनावों के पहले चरण में भारतीय मतदाताओं ने प्रथम बार 'नोटा' (None of the above) का बटन दबा इन्कार के मताधिकार का प्रयोग किया। इसी के साथ यह भी सुनिश्चित हो गया कि अब प्रत्याशियों के चयन में जनता की अनदेखी आसान नहीं होगी। स्पष्ट है कि चुनाव सुधार प्रक्रियाओं के तहत नोटा के प्रयोग की प्रतिध्वनि आने वाले वर्षों में दूर तक सुनाई पड़ेगी और इससे नागरिक सशक्तीकरण तो होगा ही भारतीय लोकतंत्र की जड़ें भी जनहित की दिशा में और गहरी होती जाएंगी।

— बी. संजय
कार्यक्रम अधिकारी

Diwali Get Together



On the eve of Diwali the members of the staff of Indian Adult Education Association had a get together on October 30, 2013 in which Shri K. C. Choudhary, General Secretary was also present. The staff members exchanged greetings to each other and at the end light refreshment was served.

Delhi University Students Visit IAEA and Outreach Activities

The students of Post M.A. Diploma in Adult, Continuing Education & Extension, Counselling & Guidance and Research Scholars as part of field work visited Indian Adult Education Association and the Gender Resource Centre, Kirti Nagar run under the aegis of the Association on October 31, 2013. Dr. Rajesh, Head, Department of Adult,



Continuing Education & Extension accompanied the students.

The students were addressed by Dr. V. Mohankumar, Director, IAEA. In his short presentation on Saakshar Bharat, he explained in detail adult education programmes implemented in the country under different five year plans and the need for intensive approach to cover more beneficiaries under Saakshar Bharat. He also briefed the students regarding the role being played by Panchayats in running adult education centres and institutions like State Resource Centres and Jan Shikshan Sansthan as support agencies



for adult education. The presentation ended with the achievement of Saakshar Bharat in the last five years and magnitude of the number to be covered in the time to come.

At the end of the presentation the students and research scholars raised a number of questions for which answers/clarifications were given by Dr. V. Mohankumar. Thereafter, the students visited library and documentation centre of the Association where a large number of books and materials on adult, non-formal and lifelong learning are available.



In the afternoon the students were conducted to Stree Shakti

Suvidha Kendra (Gender Resource Centre), Kirti Nagar by Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director, IAEA where a few more students also joined. This Kendra is a project sanctioned by the Govt. of NCT Delhi for IAEA. In the beginning Shri Taushif Ahmad, Project Coordinator briefed the students about the Kendra and its activities.



Subsequently, the students were divided into six groups for visiting the community where they had interacted with a number of women. In the groups the students were guided by Kendra's staff members Shri Taushif Ahmad, Ms. Komal, Ms. Indu, Ms. Jyoti Yadav, Shri Harish and Ms. Meena.

At the end it was recommended by the students that the Department of Adult, Continuing Education and Extension may collaborate with IAEA for working in the community so that students have practical experience of conducting community need assessment on gender, elderly and the vulnerable population and plan activities for their welfare.

प्रशिक्षणार्थियों ने दिखाये अपने हुनर

गत 12 नवम्बर 2013 को आजीवन शिक्षा केन्द्र, त्रिलोकपुरी द्वारा ब्यूटी कल्चर एण्ड हैल्थ केयर के आठवें बैच तथा सिलाई एवं कटाई प्रशिक्षण के सातवें बैच की प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाएं आयोजित की गयी जिसके लिए दो घण्टे का समय दिया गया। इन परीक्षाओं में क्रमशः 9 तथा 10 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

ब्यूटी कल्चर एण्ड हैल्थ केयर की प्रयोगात्मक परीक्षा में हेयर स्टाइल, आई ब्रो, फेशियल और ब्राइडल मेकअप बनाने का कार्य प्रशिक्षणार्थियों की क्षमताओं का आंकलन किया गया। वहीं सिलाई एवं कटाई के प्रशिक्षणार्थियों को दो वर्गों में विभाजित कर फ्रॉक, ब्लाउज, सूट और पेटिकोट सिलने का कार्य दिया गया



जिसे उन्होंने बड़ी उत्साहपूर्वक पूरा किया। मौखिक परीक्षा (viva voice) के अंतर्गत लाभार्थियों से उनके विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे गये।

प्रयोगात्मक परीक्षाओं में प्रशिक्षणार्थियों की तन्मयता उनके हुनर को उजागर कर रही थी। इन दोनों प्रशिक्षणों के लिए सैद्धांतिक परीक्षाएं

19 नवम्बर 2013 को आयोजित की गयी जिसमें लिखित प्रश्नपत्रों के माध्यम से परीक्षा ली गयी।

परीक्षाओं का आयोजन आजीवन शिक्षा केन्द्र के समन्वयक तथा भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सहायक श्री जयभगवान की उपस्थिति में किया गया।



Talk on Peace and Gandhian Thought



Dr. L. Raja, Professor, Department of Lifelong Learning and Extension Gandhigram Rural Institute - Deemed University, Gandhigram, Tamil Nadu was invited by Marquette University, Milwaukee, Wisconsin State, USA as a Peacemaker in Residence to participate in the International Symposium on Peace Making and Non-violence in World Religions from September 28 to October 5, 2013 in which he gave special talk on Gandhian Economics,

Peace and Non-violence, Conflict Resolutions and Relevance of Gandhi in Today's World for the Public and the University Students. Dr. Raja was accompanied in this visit by his wife Dr. R. Kalpana Mohanty who also presented a paper on Peace Making and Non-violence in the Hindu Traditions. She also gave her comments on the papers presented by two others on Buddhism and Native American Religions.

On the invitation of Centre for Peace Science, McMaster University, Hamilton Dr. Raja and Dr. Kalpana Mohanty were in Canada from October 18-22, 2013 during which Dr. Raja delivered a public talk and participated in the discussion with the Professors of McMaster University.

It is expected that Marquette and McMaster Universities may sign MoU with the Gandhigram Rural Institute-Deemed University for further collaboration.

Dr. L. Raja and Dr. Kalpana Mohanty are Life members of IAEA and Dr. Raja is also one of the Vice-Presidents of the Association.

गीता निभा रही है अपना दायित्व

गीता एक गरीब और दलित परिवार की बेटी है। उसके पिता फकीर चंद मुनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ डेल्ही (एमसीडी) में एक सफाई कर्मचारी हैं। उसकी तीन छोटी बहनें और दो भाई हैं। ये सभी पिछले 15 वर्षों से त्रिलोकपुरी में किराये के मकान में रहते हैं। दो वर्ष पूर्व गीता की मां का स्वर्गवास हो गया था जिस कारण वह दसवीं कक्षा तक ही पढ़ पाई और मां के गुजर जाने पर सारे घर में विपत्तियां टूट पड़ी। घर में बड़ी होने के नाते वह अपनी जिम्मेदारियों को महसूस करने लगी और सोचने लगी कि मुझे कुछ करना चाहिए। बचपन से ही उसके मन में सिलाई सीखने की बहुत इच्छा थी। इसी दौरान उसकी पड़ोसन सुनीता ने उसे भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा संचालित आजीवन शिक्षा केन्द्र, त्रिलोकपुरी के बारे में बताया कि इस केन्द्र पर बहुत कम पैसे में सिलाई सिखाई जाती है। तभी उसने इस केन्द्र में संपर्क किया और उसी दिन से ही छः माह तक चलने वाले सिलाई कटाई के कोर्स में प्रवेश ले लिया। मार्च 2011 से सितम्बर 2011 कालाअवधि में उसने यह कोर्स बड़े रुचिपूर्वक पूरा किया। कोर्स पूरा होने के बाद उसने अपनी छोटी बहन को भी सिलाई सीखने हेतु प्रेरित किया। इसके बाद उसने अपने पापा से एक सिलाई मशीन खरीदने का आग्रह किया। गीता के उत्साह को देखते हुए उसके पिता ने उसके लिए एक सिलाई मशीन खरीद दी। गीता ने अपने किराए के मकान में ही सिलाई का कार्य शुरू कर दिया। इसी बीच उसकी छोटी बहन भी उसके काम में हाथ बटाने लगी। उसका काम अच्छा चलने लगा। आज दोनों मिलकर लगभग 5000 रु. महीना कमाने लगे हैं। अपनी

मेहनत की कमाई का हवाला दे उसने अपने भाईयों और बहनों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। आज उसका एक भाई विक्की बी.ए. सेकेण्ड इयर में पढ़ रहा है तो दूसरा भाई राकेश नौवीं कक्षा में पढ़ रहा है। उसकी बहनें पूजा 11वीं, सोनू 12वीं कक्षा तथा सीतू 10वीं तक शिक्षा प्राप्त कर चुकी हैं।



दोनों लड़कियों की लगन और मेहनत देखकर उसके पापा सहित भाई और बहन सभी बहुत खुश हैं। दोनों बहनों की कमाई से घर का खर्च पूरा करने में भी आसानी हो गयी है। गीता अपनी पड़ोसन सुनीता और आजीवन शिक्षा केन्द्र, त्रिलोकपुरी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि इन दोनों की बढौलत वह जीवन में कठिनाईयों से लड़ने की हिम्मत जुटा पाई।

— जयभगवान
केन्द्र समन्वयक

National Portal on Maulana Abul Kalam Azad launched



Maulana Abul Kalam Azad, an eminent educationist and the first Education Minister of India was born on November 11, 1888. He was a great leader and had strong conviction in secularism and socialism. His birth day is observed as the National

Education Day. This year the country is celebrating his 125th birth anniversary. On this occasion a National Portal was launched by Shri K. Rahman Khan, Union Minister of Minority Affairs. The portal is a collaborative effort by the Union ministry of Minority Affairs, the Office of the Advisor to Prime Minister, National Commission for Minorities and Ministry of Culture.

The portal has excerpts of rare writings by

Maulana Azad, his address on the Mahatma's Birthday on All India Radio, messages on the day that marked the anniversary of Jallianwala Bagh massacre, his insights on the history of philosophy, etc. The Portal also contains over 60 photographs – some of which are with contemporaries like Pandit Jawaharlal Nehru, Mahatma Gandhi, C Rajagopalachari and others.

The portal is an initiative to digitize the heritage of the Maulana Abul Kalam Azad, and make his life and legacy available online. Alongwith a biographical account on Maulana Azad, the portal contains titles and information on over 20 books written by Maulana Azad, in Urdu and English, as well as information on over 45 books written on Maulana Azad in Urdu, Hindi and English. Additionally, the portal enlists the institutions, scholarships and other initiatives named after the leader.

National Conference on New Frontiers of Community Education

The Indian Society for Community Education, Ahmedabad and Gandhigram Rural Institute, Gandhigram, Tamil Nadu jointly organize the national conference on **New Frontiers of Community Education in the context of Changing Local, National and Global Scenario** from December 12-14, 2013 at Gandhigram Rural Institute.

As per the conference brochure the registration fee for the delegates is Rs.3000/- which includes boarding and lodging. For non-residential delegates the fee is Rs.2000/- and students will get 50% discount in the registration fee.

Those who are interested to participate in the conference may send their request by e-mail: conferenceisce@gmail.com

University of Pune is Organizing National Seminar

The Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Pune is organizing a two day national seminar on **Forging Ahead: Futuristic Strategies and Challenges for Department of Adult, Continuing Education and Extension** on February 19-20, 2014. The objectives of the seminar are to discuss current practices and trends in adult education in the context of liberalization, privatization and globalization, to examine the role of different institutions and media in promoting adult education and to evolve strategies to promote extension programmes through adult education.

As per the seminar brochure the delegate registration fee is Rs.500/- for faculty and Rs.300/- for students and scholars and the university will

provide accommodation to outstation participants and reimburse travel allowance to the maximum of 3 Tier AC as per university norms.

Those who are interested to participate may contact Prof. Dhananjay Lokhande, Director and Head or Dr. P. Viswanadha Gupta, Assistant Professor and Seminar Coordinator, Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Pune, Pune, Maharashtra (Mobile: 09823255448/08956774332) or (e-mail: drpvgupta@aol.in or drpvgupta@hotmail.com)

Timeline for submission of papers is - Abstract submission (10.1.2014), Acceptance of abstracts (15.1.2014) and Full paper submission (10.2.2014).

International Conference on Life Skills Education

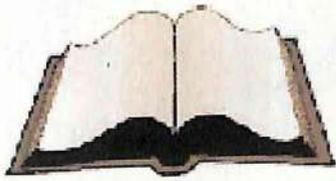
The Indian Association of Life Skill Education is organizing Fifth International Conference on Life Skills Education at Loyola College of Social Sciences, Thiruvananthapuram from February 20-22, 2014. The objectives of the conference are to identify strength based approaches to practice life skills education, promote research based applications, facilitate networking and collaboration, identify evidence based approaches and to serve as a forum for multidisciplinary dialogue between different sections.

As per the conference brochure the registration fee is Rs.2500/- for academicians, practitioners and

NGOs, Rs.1000/- for research scholars and students and US\$ 200 for foreign delegates/NRI. The last date for registration is 31.12.2013. However, registration can be done by paying increased registration fee upto 21.1.2014. Spot registration fee is much higher.

Those who are interested to participate may visit websites: www.lifeskillsconference.in, www.ialse.in and www.facebook.com/lifeskillsconf

Timeline for submission of papers is - Abstract submission (30.11.2013), Acceptance of abstracts (10.12.2013) and Full paper submission (20.1.2014).



Aslam, Abid and Szczuka, Julia. **The State of the World's Children 2012: Children in an Urban World.** USA, United Nations Children's Fund, 2012: 156p.

The State of the World's Children 2012 report shows that millions of children in cities and towns all over the world are at risk of being left behind. This report adds to the growing body of evidence and analysis that scarcity and dispossession afflict the poorest and most marginalized children and families disproportionately. It has projected that by 2050, 70 per cent of all people will live in urban areas. Already, 1 in 3 urban dwellers lives in slum conditions; in Africa, the proportion is a staggering 6 in 10. The impact on children living in such conditions is significant. From Ghana and Kenya to Bangladesh and India, children living in slums are among the least likely to attend school. And disparities in nutrition separating rich and poor children within the cities and towns of sub-Saharan Africa are often greater than those between urban and rural children.

Gnanakan, Ken. **Integrated Learning.** Oxford, 2011: 200p.

Education is more than just classrooms; it is a lifelong process of learning and evolution. Presenting a holistic picture of education as a means to personal development and social transformation, this book argues

for a spontaneous learning environment within real-life contexts. It differs strongly from existing classroom perspectives on education, analysing its variegated forms within the broadest possible imperatives—integrating experience and learning.

Exploring the ideas and teachings of Indian and Western educational thinkers—Plato, Dewey, Tagore, and Gandhi among others—this book draws out the essence of good education and its impact on the social order. It emphasizes creativity in classrooms, focusing on interdisciplinary approaches, positive teacher—student interaction, and advocates the applications of learning in real-world situations.

Jeyalakshmi, S ed. **Women and Men in India: 2013.** New Delhi, National Statistical Organisation Ministry of Statistics and Programme Implementation, 2013: 19p.

This publication has brought out gender statistics on a wide range of issues - violence against women, economic empowerment, leadership & participation, health, education and human rights. It shows that the ending of gender based inequities, discrimination and all forms of violence against girls and women has been accorded overriding priority in the Twelfth Plan.

Jeyalakshmi, S. **Towards Achieving Millennium Development Goals: India 2013.** Ministry of Statistics and

Programme Implementation, Government of India, 2013: 29p.

This brochure analyses the achievement at national level of MDGs and the targets on the basis of updated data sets. The progress of MDG indicators are discussed vis -a-vis their stipulated target values for 2015. It shows updated data for some important MDG indicators like Poverty Head Count Ratio, Under Five Mortality Rate, Infant Mortality Rate, Gender Parity Index, Survival Rate, HIV Prevalence rate etc.

National Sample Survey Office. **Employment and Unemployment Situation in Cities and Towns in India.** New Delhi, Ministry of Statistics and Programme in India, 2013: 182p.

This report is based on the eighth survey on employment and unemployment conducted in the 66th round of NSS during July 2009 to June 2010. The survey was spread over 7,402 villages and 5,252 urban blocks covering 1, 00,957 households (59,129 in rural areas and 41,828 in urban areas) and enumerating 4, 59,784 persons (2, 81,327 in rural areas and 1, 78,457 in urban areas). Employment and unemployment were measured with three different approaches, viz. usual status with a reference period of one year, current weekly status with one week reference period and current daily status based on the daily activity pursued during each day of the reference week. Unless otherwise stated, usual status workers will mean all workers taking into consideration

the usual principal and subsidiary status together. In this report, estimates of the employment and unemployment indicators are presented for each of the class 1 cities in India. The corresponding estimates are also presented for each State/UT for three size classes of towns, as per Population Census 2001, viz. class 1 cities (with population one million and above), class 2 towns (with population 50,000 to one million) and class 3 towns (with population less than 50,000).

UNFPA and Jansankhya Sthirata Kosh. **Family Planning: A Right and a Choice**. UNFPA, 2013: 32p.

The purpose of this booklet is to help the health functionaries

understand that access to quality family planning products and services is every individual's right. Also, it is only the individual himself/herself who has the choice to decide if, when and which family planning products or services to use. This document will help to link programme implementation to the needs of the people, keeping the related social and ethical sensitivities in mind.

Williamson, Nancy. **Motherhood in Childhood: Facing the Challenge of Adolescent Pregnancy - State of World Population 2013**. UNFPA, 2013: 132p.

This report shows the current

status of world population. It tells that when a girl becomes pregnant, her present and future change radically, and rarely for the better. Her education may end, her job prospects evaporate, and her vulnerabilities to poverty, exclusion and dependency multiply. Adolescent pregnancy is a global challenge. It also highlights the impact adolescent pregnancy on girls' health, education and productivity; pressures from many directions on girls and what action can taken to prevent adolescent pregnancy.

Compiled by Neha Gupta

Plan India Released Status Report on Adolescent Girls in Disasters



A report entitled 'Study on Situation of Adolescent Girls in Disasters' was released in the launching function of the campaign 'Because I Am A Girl' on October 28, 2013 at India Habitat Centre, New Delhi by Ms Ellen Margrethe Løj, Chair, Plan International. Shri Govind Nihalani, Chairperson and Ms Bhagyashri Dingle, Executive Director, Plan India Among were also present on the occasion. Indian Adult Education Association was represented in the function by Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director. This campaign was

launched with the objective of developing an informed understanding of the situation of adolescent girls in disasters.

The report is based on the studies undertaken in four disasters prone states - Andhra Pradesh, Bihar, Rajasthan and Uttar Pradesh. It attempts to highlight the effects of disasters on adolescent girls' right to protection, survival, development and participation at the community levels.

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002.

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

E-mail: iaeadelhi@gmail.com

Editor: Dr. Madan Singh

Website: iaea-india.org

IAEA NEWSLETTER

Vol. 22 No.12

Re. 1 per copy

December 2013



Indian Adult Education Association

Study visit of International Participants to IAEA

Asia South Pacific Association for Basic and Adult Education (ASPBAE) organizes capacity building Programmes and processes for its members in the Asia Pacific Region. Under this it organized a study tour to India for 17 participants from Uzbekistan, Kyrgyzstan, Tajikistan, Lao PDR, Cambodia and



interaction to know more about the organization, its structure, programmes and activities and coordination between the Association and the government.

The visitors were received by Shri K.C. Choudhary and briefed them about the organization, vision and mission. Dr. V.Mohankumar made a presentation about the organization and its work. The library visit was facilitated by Smt. Neha Gupta and Smt. Kalpana Kaushik coordinated the entire arrangements.



*IAEA Wishes the Readers
Merry Christmas & a
Happy New Year*



Vietnam who belong to the partner organizations of IAEA international from November 26 to December 2, 2013.

As part of the study tour the participants visited IAEA on November 29, 2013 under the leadership of Smt. Anita Borkar, Regional Coordinator, Training for Transformation Programme, ASPBAE for a detailed

स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र, कीर्ति नगर

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा चलाये जा रहे कीर्ति नगर स्त्री शक्ति सुविधा केन्द्र (Gender Resource Centre) द्वारा हाल ही में संचालित विविध गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नरूप है:

विधिक जागरूकता शिविर (Legal Awareness Camp)

गत 20 नवम्बर 2013 को जीआरसी द्वारा मायापुरी चौक इलाके में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



प्रतिभागियों में ट्रेनिंग के प्रभावों की समीक्षा की। उन्होंने प्रतिभागियों को इस विषय पर होने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी।

विधिक सलाह कार्यक्रम (Legal Aid Programme)

27 नवम्बर 2013 को जीआरसी परिसर, कीर्ति नगर में एक



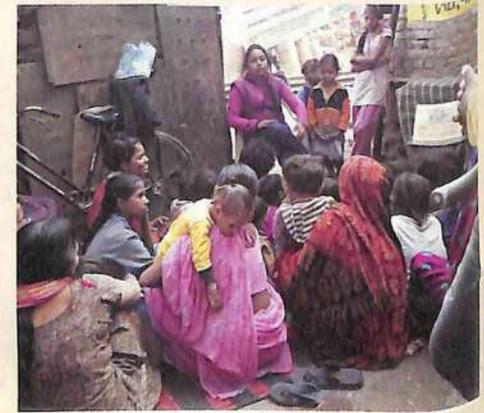
शिविर में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर अधिवक्ता श्री योगेश मेहरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री मेहरा ने प्रतिभागियों को अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा उससे संबद्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।



वाश ट्रेनिंग (Wash Training)

दिनांक 22 नवम्बर 2013 को जीआरसी द्वारा 8/35, कीर्तिनगर इलाके में एक वाश ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 20 स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान प्रोजेक्ट ऑफिसर तथा कम्युनिटी मोबिलाइजरों ने पूर्व में वाश ट्रेनिंग प्राप्त

विधिक सलाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संदर्भ व्यक्ति के तौर पर उपस्थित अधिवक्ता श्रीमती रागिनी एस. राज ने उपस्थित दो महिलाओं को सम्पत्ति से संबंधित कानूनी सलाह प्रदान करते हुए प्री काउंसिलिंग के लिए बुलाया।



वाश अवेयरनेस (Wash Awareness)

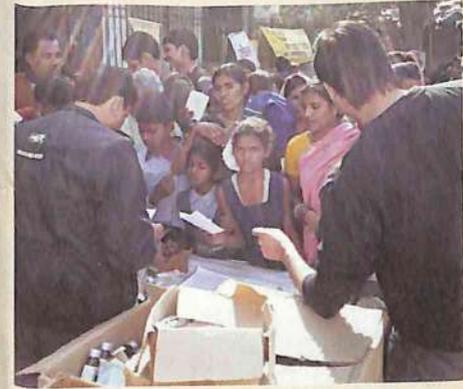
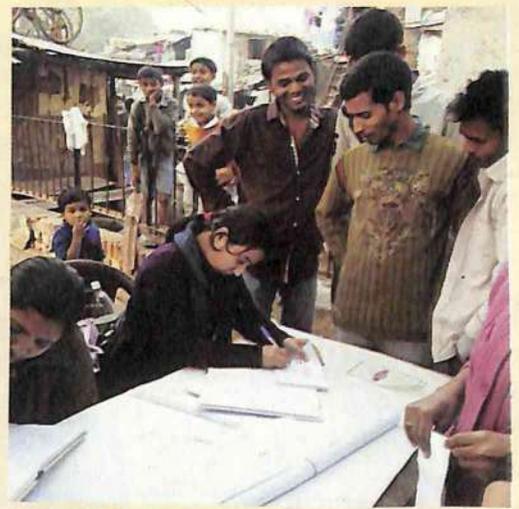
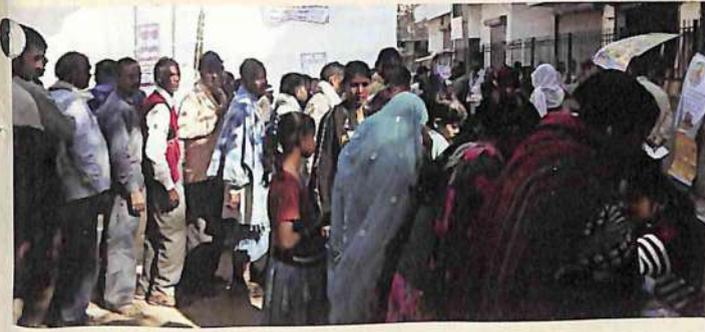
गत 29 नवम्बर 2013 को कमला नेहरू कैंप, कीर्ति नगर इलाके में एक सफाई जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाग ले रहे 31 प्रतिभागियों को जीआरसी मोबिलाइजरों ने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम मुख्यतः वातावरण की स्वच्छता तथा गंदगी से होने वाली बिमारियों से कैसे बचा जा सकता है, पर केन्द्रित था। संदर्भ व्यक्तियों ने उपस्थित लोगों के साथ उनके दैनंदिन जीवन में सफाई संबंधित उपायों तथा मापदण्डों के बारे में विशेषरूप से चर्चा की ताकि वे स्वयं को तथा अपने परिवार को रोगमुक्त रख सकें।

हैल्थ कैंप (Health Camp)

जीआरसी द्वारा जवाहर कैंप, कीर्ति नगर

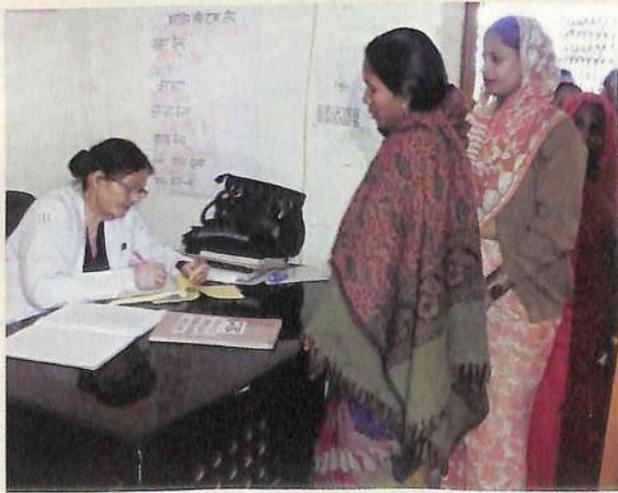
2013 को एक ओपीडी क्लीनिक का आयोजन किया गया जिसमें 56 लोगों ने

उपस्थित डॉ. सुरजीत गुप्ता से अपनी जांच कराई। तदुपरान्त उन्होंने फार्मासिस्ट श्री ललित कुमार चोपड़ा से आवश्यक दवाईयां भी प्राप्त की।



में गत 30 नवम्बर 2013 को एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 335 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस बार के हैल्थ कैंप का थीम आंखों की जांच पर आधारित था।

कैंप में गायनेकालॉजिस्ट डॉ. नीलू श्रीवास्तव, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, जनरल फिजिशियन डॉ. महताब आलम एवं नेत्र चिकित्सक डॉ. आशा शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य तथा नेत्र जांच कराई। तदुपरान्त फार्मासिस्ट द्वारा सभी प्रतिभागियों को चिकित्सकों के निर्देशानुसार आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराई गयीं।



कैरियर मेला

कैरियर मेला

गत 17 दिसंबर 2013 को चूना भटटी, कीर्ति नगर स्थित संत निरंकारी चैरिटेबल ट्रस्ट में एक कैरियर मेले का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से सांय 5 बजे तक चले इस मेले में चार कार्यक्रम

क्रियान्वयन एजेन्सियों (Programme Implementing Agency -PIA) यथा इंटेलेजेंट कम्युनिकेशन सिस्टमस इंडिया लिमिटेड (आईसीएसआईएल), डीएवी-आईटीसी, इंडियन सेलूलर एसोशिएसन (आईसीए) तथा वंदना लूथरा कर्ल्स एंड कर्ल्स (वीएलसीसी) ने क्रमशः 1, 4, 3 तथा 2 स्टाल लगाए।

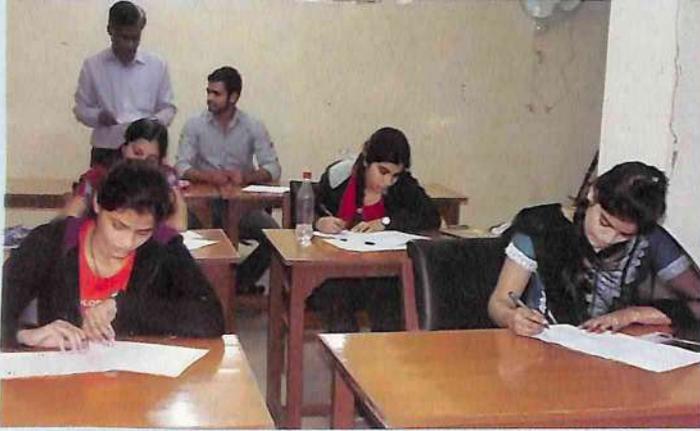
इस मेले में इंटेलेजेंट कम्युनिकेशन सिस्टमस इंडिया लिमिटेड ने बेसिक कम्प्यूटर डाटा एंट्री एवं फिटनेस् ट्रेनिंग में 25, डीएवी-आईटीसी ने कम्प्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग एंड इलेक्ट्रिकल वायरिंग में 7, इंडियन सेलूलर एसोशिएसन ने टैली एवं हार्डवेयर नेटवर्किंग में 8 तथा वंदना लूथरा कर्ल्स एंड कर्ल्स ने ब्यूटीसियन एडवांस ब्यूटी ट्रेनिंग में 7 जीआरसी लाभार्थियों का चयन किया।

स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना पर केन्द्रित इस मेले में प्रतिभागियों के समक्ष उन क्षेत्रों की प्रस्तुति दी गई जहां रोजगार की अपार संभवानाएं हैं। इस कैरियर मेले में जीआरसी कीर्ति नगर के लाभार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

ओपीडी क्लीनिक

जीआरसी परिसर में गत 16 दिसंबर

CLS Examination Conducted



IAEA is one of the accredited institutions of National Institute of Open Schooling (NIOS) to conduct certificate course in Library Science.

Out of 7 students enrolled in the seventh batch 5 have appeared in the theory examination from October 31 to November 11, 2013 at Rajkiya Sarvodaya Bal Vidyalaya, West Patel Nagar, New Delhi and practical examination at IAEA Headquarter on November 18, 2013.

For both the batches the practical examinations were conducted by Shri M.L. Sharma, Assistant Director and Shri Jaibhagwan, Assistant, IAEA. For the seventh batch the results are awaited from NIOS.

Seminar on Electoral Reforms and NOTA Option



A one day seminar on "Electoral Reforms and the NOTA Option" was organised by the State Resource Centre, Kerala in collaboration with Indian Adult Education Association Kerala State Branch and Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation on November 23, 2013 in the SRC Conference Hall,

Thiruvananthapuram. Dr. V. Reghu, Chairman, IAEA Kerala State Branch presided while Dr. A. Muraleedharan Thampi was the chief guest.

Dr. G. Gopakumar, Emeritus Professor, Department of Politics, University of Kerala presented the theme which energized a lot of discussion, particularly on the NOTA Option.

Shri Harish Kumar, Secretary IAEA Kerala state branch welcomed the participants and Shri Ramesh Kumar proposed the vote of thanks.

“अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए”

रौशन करो तुम इस जग को इतना
अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए
दीपों की माला सजे द्वार सबके
कोई घर तिमिर से ढका रह न जाए

नेहों से पूरित हो दीपों की बाती
नफरत की आँधी बुझाने न जाए
सुरीली हो सरगम सुप्रीत इतनी
वितृष्णा के स्वर इसमें मिलने न जाएँ

न वैरों की बस्ती हो आपस के झगड़े
दीवारें मज़हब की खड़ी हो न जाएँ
उड़ेलें सुधारस इतना ज़मीं पर
प्यासा कोई फिर कहीं रह न जाए

निर्मल यह मन हो दरिया के जैसा
समन्दर सा खारा यह होने न जाए
माँगूँ दुआएँ प्रभु से मैं हरदम
कपट द्वेष मन में कहीं रह न जाए

अपरिमित है साम्राज्य जिसका चतुर्दिक्
गगन में जो अगणित दीपक जलाए
अद्भुत है सत्ता महा उस प्रभु की
मन प्राण जीवन उसी में रमाएँ

ये कोठी, ये बँगले बहुत हैं सजाए
गरीबों की बस्ती उजड़ने न जाए
तृप्ति से पूरित हों हर जन हमेशा
शोषित धरा पर कोई रह न जाए

दुखाओ कभी मत दिल तुम किसी का
आह से उसकी कभी बच न जाए
जलाओं ज़रा प्रेम कि अमर ज्योति
अंधेरा किसी मन में रहने न जाए

— कुसुम वीर

लखनऊ में सम्पन्न हुई जन शिक्षण संस्थानों की समीक्षा बैठक

प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 21 व 22 नवम्बर 2013 को उत्तर प्रदेश स्थित सभी जन शिक्षण संस्थानों की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। साक्षरता निकेतन के विवेकानन्द हॉल में आयोजित इस बैठक में 40 जन शिक्षण संस्थानों के निदेशकों ने भाग लिया और अपने-अपने संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।



समीक्षा बैठक की अध्यक्षता डॉ. रामकृष्ण सूरा, निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार ने की। इस दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारी श्री ए. के. पाण्डा, निदेशक, श्री मानिक मण्डल, उपसचिव, श्री जी. साजिथ कुमार, अवर सचिव तथा श्री अमरजीत सिंह वोहरा, सहायक निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार भी उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित श्री जगमोहन सिंह राजू, संयुक्त सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने जन शिक्षण संस्थानों द्वारा अन्य मंत्रालयों की कौशल विकास योजनाओं के संचालन की संभावनाओं, औचित्य तथा चुनौतियों पर चर्चा की।

—श्रीपति रस्तोगी
निदेशक,
जे.एस.एस



IAEA Foundation Day Celebrated



Indian Adult Education Association was founded on December 2, 1939 by a group of dedicated persons of vision to educate the general public those who were unlettered/less lettered to improve their life with quality and content. Subsequently, the organization was registered under Societies Registration Act, 1860 on May 15, 1947.

The Association is now 75 years old. On 2nd December 2013 the members of the staff of the Association celebrated the foundation day in a simple function by lighting the candle and cutting the cake.

Shimoga JSS Organized an Exhibition



Jan Shikshan Sansthan, Shimoga in joint collaboration with Swamy Vivekananda Vidya Samsthe, Karnataka State Women Development Corporation, Bangalore, Women and Child Development Department, Shimoga, Zilla Panchayat and Shri Jagadguru Mugura Rajendra Math, Anandapuram organized a three day Exhibition-cum-Sale of the products crafted by JSS beneficiaries and women Self-Help Groups at Muruga Math, Anandapuram, Sagar from November 30 to December 2, 2013. The products were exhibited in 40 stalls and was inaugurated by Smt. Hema Pavani, Vice President, Shimoga Zilla Panchayat. Other present on the occasion were Shri Jagadguru Malikarjuna Muruga Rajendra Mahaswami, Anandapuram, Sagar, Shri Jagadish,

President, KMF and Smt. S.Y Arunadevi, Director, JSS.

During the exhibition JSS beneficiaries also demonstrated the preparation of Kumkum, Soap Powder, Agarbatti, Candle, Phenol and Tie & Dye which was witnessed by a large number of women



with great interest.

JSS also presented prizes to the best three stalls. The first prize went to Smt. Shashiprabha, a JSS beneficiary for exhibiting the best cotton bags in her stall. The second and third prizes were given to Bhoomika Women Self-Help Group, Holehanasavadi, Shimoga and Triveni Women Self-Help Group, Kanugodu, Sagar for their stalls with best food products.

मुजफ्फरपुर जे.एस.एस. में प्रमाण पत्र वितरण समारोह

जन शिक्षण संस्थान, मुजफ्फरपुर द्वारा दिनांक 30 नवम्बर 2013 को संस्थान के प्रधान कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त सफल एक हजार लाभार्थियों को स्थानीय विधान पार्षद डॉ. महाचन्द्र प्र. सिंह तथा नगर विधायक श्री सुरेश शर्मा द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये लगभग डेढ़ हजार लोगों ने भाग लिया।

समारोह की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष मो. तौहीद खां ने की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन निदेशक डा. श्याम यादव द्वारा किया गया।

— डा. श्याम यादव
निदेशक, जे.एस.एस.



Dr. K. Sivadasan Pillai Memorial Award 2013 Presented



award for the year 2013 was presented to Shri Devi Prasad Sekhar, Teacher, Anchalumood High School, Kollam by Shri B. Prasanth, President, Thrikkadavoor Grama Panchayat on November 8, 2013. Thrikkadavoor is the native place of Dr. Pillai and November 8th is his death anniversary.

The function was Chaired by Dr. R. Manikantan Pillai, Secretary, Thrikkadavoor Sahitya Samajam Library and Reading Room and Dr. V. Reghu, Chairman, IAEA Kerala State Branch delivered the commemoration speech. Others present on the occasion were Smt. B. Jayanthi, Member, Kollam District Panchayat, Prof.

Dr. K. Sivadasan Pillai Memorial Award is given to a teacher every year who is also a social worker working actively in the field of community development in Kollam District, Kerala. The awardee is selected from the list of persons by a committee specially constituted for the same. The

Girija, Shri Raveendran Nair, representative of the Thaluk Union Library Council and Shri B. Anil Kumar, former president, Thrikkadavoor Sahitya Samajam Library and Reading Room and Member of Thrikkadavoor Grama Panchayat.

Smt. Bimla Bhatnagar Expired



Smt. Bimla Bhatnagar, Former Additional Director, Directorate of Adult Education, Govt. of India expired on December 12, 2013 at 05.51 IST in Canada where she was living with her sons. She was 83 years old.

Smt. Bhatnagar graduated as home economist and did her Post-Graduate course in Adult Education from Teachers College,

Columbia University, New York, USA. She was one of the founder faculties of the Directorate of Adult Education that originally started in the name of National Fundamental Education Centre and subsequently the name changed several times since then. She also served as Unesco Specialist in Afghanistan for few years. She was a veteran adult educator and adult education material specialist.

Smt. Bhatnagar was a Life Member of Indian Adult Education Association since 1962.

The Indian Adult Education Association conveys heartfelt condolences to the members of the bereaved family, friends and relatives and prays for the departed soul to rest in peace.

45TH Annual GB Meeting of NIPCCD

The 45th Annual General Body meeting of National Institute of Public Cooperation and Child Development (NIPCCD) was held on December 11, 2013 in the New Conference Hall NIPCCD. Smt. Krishna Tirath, Union Minister of State for Women and Child Development (Independent Charge) presided over the meeting.

IAEA is a member of the General Body of NIPCCD and it was represented in the meeting by Smt. Kalpana Kaushik, Assistant Director.



Arora, Vijayalakshmi. **Status Report on Child Rights in India: An Overview of the Past Decade.** New Delhi, Child Rights and You (CRY), 2013: 60p.

This report reveals the current status of children and calls for urgent attention and efforts that needs to be taken in order to ensure that all children enjoy their childhood. The current status on some of the child-related indicators in India is:

- Every second child in India is malnourished
- 11.8% children in India are engaged in some form of Child Labour
- The child sex ratio is at the lowest it has ever been with just 914 girls for every 1000 boys
- 47 out of every 1000 children die before their first year of life
- 4 out of every 5 children aged 6-35 months are anemic
- Only about half of the children in India (54%) receive full immunization
- Net Enrollment Ratio at the Upper Primary Elementary Level is less than 60%
- Gross Enrollment Ratio at the Secondary Level is below 50%
- Girls have 11% higher mortality than boys at age 1-4 years
- Nearly 45% girls get married before the age of eighteen years

Goldberg, Mark Leon. **The 2013 Global Hunger Index - The Challenge of Hunger: Building Resilience to Achieve Food and Nutrition Security.** USA, International Food Policy Research Institute, 2013: 66p.

The 2013 Index indicates that global hunger is decreasing; the 2013 world GHI score has fallen by 34 percent from the 1990 GHI score. Yet world hunger still remains "serious," with 19 countries suffering from levels of hunger that are either "alarming" or "extremely alarming."

South Asia has the highest regional GHI score, followed by Africa south of the Sahara while Burundi, Eritrea and Comoros have the highest levels of hunger.

India has moved from 65 to 63 in the Global Hunger Index, making a marginal improvement since 2012, but continues to suffering far behind other emerging economies.

India Performance

- The score for India has improved slightly from 22.9 in 2012 to 21.3 in 2013. Within SAARC countries also, India continued to trail behind Pakistan and Bangladesh on the index.
 - The level of hunger in India remained at 'alarming levels' and the report also noted that it is one of the three countries outside Sub-Saharan Africa to fall in this category. The other two are Haiti and Timor-Leste.
 - India continued to record one of the highest prevalence of children under five who are underweight, at more than 40 per cent.
1. Undernourished population 2010-12: 17.5%
 2. Underweight children <5years 2008-12: 40.2%
 3. Under-5 Mortality 2011: 6.1%

Nihalani, Govind. **Situation of Adolescent Girls in Disasters-State of the Girl Child in India 2013.** New Delhi, Plan India, 2013: 76p.

This report highlights the effects of disasters on adolescent girls' right to protection, survival, development and participation at the community levels. The study, undertaken in disaster prone states in Andhra Pradesh, Bihar, Rajasthan and Uttar Pradesh, aims at informing, planning, implementation, policy advocacy initiatives on adolescent girls.

Highlights of the Report

- Nearly 80% adolescent girls in Uttar

Pradesh, Bihar and Andhra Pradesh agreed that disasters had an adverse impact on their access to safe shelter. They suffered from lack of privacy, dignity at home or relief camps after disaster.

Gender bias in terms of access to food was reported by about one third adolescent girls across all four states inequities being higher in Bihar, Uttar Pradesh and Andhra Pradesh as compared to Rajasthan.

- Both adolescent girls (70% or more) and boys (80% in Rajasthan, Uttar Pradesh and Bihar and 62% boys in Andhra Pradesh) expressed that girls are especially hard-hit by lack of sanitation facilities at times of disaster as they cannot go for open defecation and are confronted with privacy issues
- Fear of being married off early was held by 45-58% adolescents, Rajasthan (45%), Andhra Pradesh (50%) and Bihar (58%). More than one fourth of the girls in Bihar and Andhra Pradesh feared of being sold off or trafficked post a disaster.

Unesco. **2nd Global Report on Adult Learning and Education: Rethinking Literacy.** Germany, UNESCO Institute for Lifelong Learning, 2013: 163p.

The second Global Report on Adult Learning and Education is based principally on 141 national progress reports submitted by UNESCO Member States. Its objective is to review the implementation of the recommendations made by governments at the Sixth International Conference of Adult Education (CONFITEA VI) in Belém in December 2009. The Report shows the progress in adult education vis-à-vis the recommendations contained in the outcome document of CONFITEA VI, the Belém Framework for Action. The theme of the second Global Report is "Rethinking literacy".

Compiled by
 Neha Gupta

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002.

Editor-in-Chief: Prof. B.S.Garg

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282

Editor: Dr. Madan Singh

E-mail: iaeadelhi@gmail.com Website: iaea-india.org